हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना सोमवार | 01 मई 2024 | वर्ष : 02 अंक : 49 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

मुसलमानों के बारे में चर्चा करें, इंडिया ब्लॉक के दलों से श्रीनगर सांसद की अपील

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर: नेशनल कॉन्फ्रेंस के लोकसभा सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी ने शनिवार को कहा कि इंडिया ब्लॉक के साझेदारों को अपना दृष्टिकोण बदलने और मुसलमानों से संबंधित मुद्दों पर बोलना शुरू करने की जरूरत है। रूहुल्लाह मेहदी ने कहा कि इंडिया गुट के साझेदार अन्य अल्पसंख्यकों के बारे में तो स्वतंत्र रूप से बोल सकते हैं, लेकिन मुसलमानों के बारे में नहीं। उन्हें इसे बदलने की जरूरत है. आम चुनाव में मुसलमानों ने इस गठबंधन के लिए बड़े पैमाने पर मतदान किया और इसके पक्ष में एकजुट हुए। श्रीनगर से लोकसभा सांसद ने कहा कि अल्पसंख्यक मुस्लिम वर्ग का इतना समर्थन मिलने के बाद भी वे उनके लिए कुछ नहीं बोलते. और फिर, मुसलमानों के लिए क्या बचा है? मुसलमानों के पास जाने के लिए कौन सी संस्था और कौन सी आशा बची है? आगा सैयद रूहुल्लाह ने जम्मू-कश्मीर के बडगाम निर्वाचन क्षेत्र से तीन विधान सभा चुनाव जीते हैं।

मन की बात: पीएम मोदी ने लोगों से 'एक पेड़ मां के नाम'

अभियान के तहत मां के सम्मान में पेड़ लगाने की अपील की

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान पेरिस ओलंपिक का भी जिक्र किया और उम्मीद जताई की भारतीय खिलाड़ी इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने लोगों से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए ह्यचीयर4भारत हैशटैग का इस्तेमाल करने का आग्रह किया।

एजेंसी

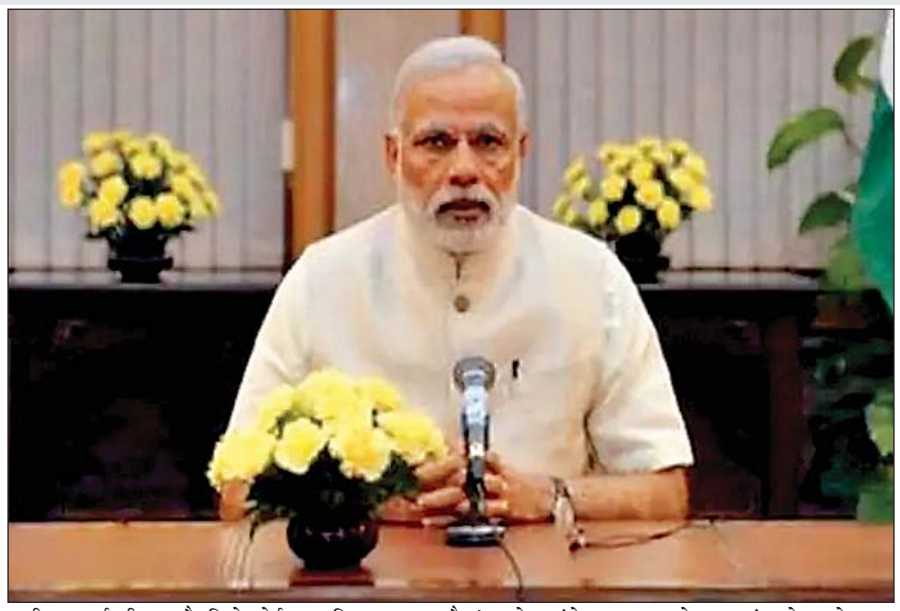

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के बारे में बात की, जिसमें उन्होंने नागरिकों और दुनिया भर के लोगों से अपील की कि वे मातृत्व और पर्यावरण दोनों का जश्न मनाने के लिए अपनी मां के साथ वृक्षारोपण पहल में शामिल हों।रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के अपने 111वें एपिसोड में राष्ट्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अपनी मां के लिए कुछ करने की सोच के साथ, 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूरे देश में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया गया था जो तेजी से आगे बढ़ रहा है।उन्होंने कहा, "अगर मैं आपसे पूछूं कि दुनिया में सबसे अनमोल रिश्ता कौन सा है, तो आप जरूर कहेंगे- 'मां'। हम सभी के जीवन में 'मां' का दर्जा सबसे ऊंचा होता है। मां हर दुख सहकर भी अपने बच्चे का पालन-पोषण करती है। हर मां अपने बच्चे के प्रति स्नेह रखती है। हमें जन्म देने वाली मां का यह प्यार हम

सभी पर कर्ज की तरह है, जिसे कोई चुका नहीं सकता।हम मां को कुछ दे तो नहीं सकते, लेकिन क्या कुछ और कर सकते हैं? इसी सोच के साथ इस साल विश्व पर्यावरण दिवस पर एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, इस अभियान का नाम है- 'एक पेड़ मां के नाम'। मैंने भी अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाया है।" प्रधानमंत्री ने कहा, "मैंने अपने सभी देशवासियों, दुनिया के सभी देशों के लोगों से अपील की है कि वे अपनी मां के साथ या उनके नाम पर एक पेड़ लगाएं। मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि मां की याद में या उनके सम्मान में पेड़ लगाने का अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है।पीएम मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम में एक खास तरह के छाते का भी जिक्र किया, जो केरल में बनाया गया है। इन्हें 'कर्थुंभी छाता' कहा जाता है, जिसे राज्य की आदिवासी महिलाएं तैयार करती हैं।" आज 'मन की बात' में मैं आपको एक खास तरह के छाते के बारे में बताना चाहता हूं। ये छाते हमारे केरल में बनते हैं। वैसे तो केरल की संस्कृति में छातों का एक खास महत्व है। वहां कई परंपराओं और रीति-रिवाजों में छाते अहम होते हैं। लेकिन मैं जिस छाते की बात कर रहा हूं, वो 'कर्थुंभी छाता' है और ये केरल के अट्टापडी में बनते हैं।"ये रंग-बिरंगे छाते केरल की हमारी आदिवासी बहनें बनाती हैं। आज इन छातों की मांग पूरे देश में बढ़ रही है। इन्हें ऑनलाइन भी बेचा जा रहा है। ये छाते 'वट्टालक्की सहकारी कृषि समिति' की देखरेख में बनाए जाते हैं। इस समिति का नेतृत्व हमारी नारी शक्ति करती है।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान पेरिस ओलंपिक का भी जिक्र किया और उम्मीद जताई की भारतीय खिलाड़ी इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।

मोदी ने पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू पर तीन पुस्तकों का विमोचन किया

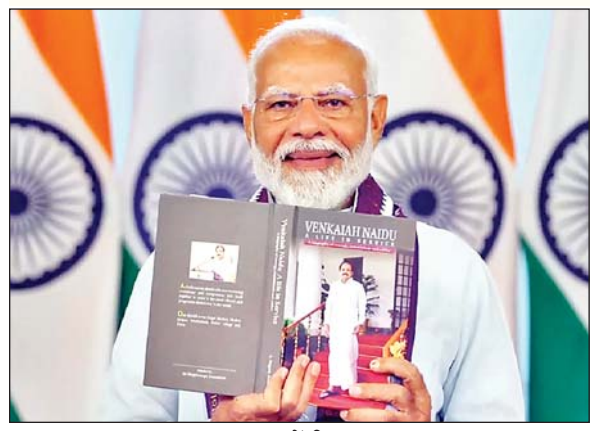

एजेंसी

हैदराबाद: हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू के 75वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर उनकी जीवन यात्रा पर तीन पुस्तकों का रविवार को विमोचन किया। मोदी ने दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए पुस्तकों का विमोचन किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि वह खुश हैं कि उन्हें पुस्तकों का विमोचन करने का अवसर मिला और उन्होंने विश्वास जताया कि पूर्व उपराष्ट्रपति की जीवनी लोगों को प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि उनके समेत पार्टी के हजारों कार्यकताओं को नायडू से सीखने का अवसर मिला है। प्रधानमंत्री ने जिन पुस्तकों का विमोचन किया, उनमें पूर्व उपराष्ट्रपति की जीवनी वेंकैया नायडू - लाइफ इन सर्विस, सेलेब्रेटिंग भारत - द मिशन एंड मैसेज ऑफ श्री एम. वेंकैया नायडू एज 13 वाइस प्रेजीडेंट ऑफ इंडिया और तेलुगु में चित्र वृत्तांत ह्यह्यमहानेता - लाइफ एंड जर्नी ऑफ श्री एम वेंकैया नायडू शामिल हैं। हैदराबाद में पुस्तक के विमोचन के अवसर पर वेंकैया नायडू, कई अन्य नेता व प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं।प्रधानमंत्री ने 30 जून को मनाये जाने वाले ह्यहूल दिवसह्न पर देशवासियों को बधाई दी और कहा देश के आदिवासी भाई-बहन इसे धूमधाम से मनाते हैं। उन्होंने महान स्वतंत्रता सेनानियों सिदो-कान्हू को याद करते हुए कहा कि इनका बलिदान आज भी देशवासियों को प्रेरित करता है। उन्होंने इन दोनों स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित संथाली में एक गीत के कुछ अंश की रिकॉर्डिंग भी लोगों को सुनायी।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान पेरिस ओलंपिक का भी जिक्र किया और उम्मीद जताई की भारतीय खिलाड़ी इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने लोगों से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए चीयर4भारत हैशटैग का इस्तेमाल करने का आग्रह किया।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले की सुनवाई तीन अगस्त तक के लिए स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को महात्मा गांधी की हत्या से जोड़ने वाले कथित बयान को लेकर जिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि मामले की सुनवाई तीन अगस्त तक के लिए टाल दी गई है।गांधी के वकील नारायण अय्यर ने यहां कहा कि सुनवाई शनिवार को होनी थी लेकिन भिवंडी अदालत के मजिस्ट्रेट छुट्टी पर थे। भिवंडी के पास छह मार्च 2014 को आयोजित एक चुनावी रैली में कांग्रेस नेता के बयान पर आरएसएस के स्थानीय कार्यकर्ता राजेश कुंटे ने आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया था।गांधी ने कथित तौर पर कहा था, आरएसएस के लोगों ने (महात्मा) गांधी को मार डाला। शिकायतकर्ता ने कहा कि गांधी ने यह झूठा दावा करके आरएसएस को बदनाम किया। गांधी ने कथित तौर पर कहा था, आरएसएस के लोगों ने (महात्मा) गांधी को मार डाला। शिकायतकर्ता ने कहा कि गांधी ने यह झूठा दावा करके आरएसएस को बदनाम किया।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच झगड़े से पश्चिम बंगाल की छवि खराब हो रही है: अधीर रंजन

एजेंसी

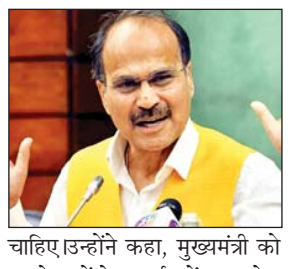

पश्चिम बंगाल: कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्यपाल सीवी आनंद बोस के बीच झगड़े से राज्य की छवि खराब हो रही है।कोलकाता उच्च न्यायालय में बनर्जी के खिलाफ बोस द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे पर पत्रकारों से बात करते हुए चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए आरोप चौंकाने वाले हैं और इनकी जांच होनी

चाहिए।उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को अपने दावों के समर्थन में सबूत पेश करने चाहिए। उचित जांच होनी चाहिए।ह्नह्न उन्होंने कहा कि आरोप लगाने के बजाय दोनों पक्षों के दावों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

किसी भी पार्टी को मतदाताओं को हल्के में नहीं लेना चाहिए : सचिन पायलट

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने नियंत्रण और संतुलन के महत्व पर जोर देते हुए शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी संसद में रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव पायलट ने कहा कि हलिया चुनाव परिणामों से यह संकेत मिलता है कि किसी भी पार्टी को मतदाताओं को हल्के में नहीं लेना चाहिए।पायलट ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, लोकसभा चुनाव के नतीजे कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं। अंतिम परिणाम यह

है कि नयी दिल्ली में गठबंधन सरकार बनी है। लोगों ने किसी भी पार्टी को स्पष्ट जनादेश नहीं दिया। सरकार बन चुकी है, लेकिन इस चुनाव से मुख्य सीख यह है कि आप मतदाताओं को हल्के में नहीं ले सकते।उन्होंने कहा, ह्यह्यसच तो यह है कि संसद में परिदृश्य बदल गया है, और मुझे उम्मीद है कि इस संदेश को समझा जाएगा।

'मंगलराज' बिहार में डबल इंजन वाली सरकार की डबल पावर के कारण 9 दिनों में मात्र 5 पुल ढह गए: तेजस्वी यादव का कटाक्ष

एजेंसी

पटना: राजद नेता तेजस्वी यादव ने हाल ही में बिहार में पुल ढहने की घटनाओं को लेकर बिहार सरकार पर निशाना साधा। एक्स पर बात करते हुए तेजस्वी यादव ने हिंदी में कहा, "बधाई हो! बिहार में डबल इंजन वाली सरकार की डबल पावर के कारण मात्र 9 दिनों में मात्र 5 पुल ढह गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में 6 दलों वाली डबल इंजन वाली एनडीए सरकार ने 9 दिनों में 5 पुल ढहने पर बिहार की जनता को मंगलराज

(अच्छे शासन) की शुभ और उज्ज्वल शुभकामनाएं भेजी हैं।उनकी यह टिप्पणी मधुबनी जिले के झंझारपुर में एक निमार्णाधीन पुल के ढहने के बाद आई है, जो पिछले 11 दिनों में ऐसी पांचवीं घटना है। पिछले दो वर्षों से निमार्णाधीन 77 मीटर लंबे इस पुल की अनुमानित लागत करीब 3 करोड़ रुपये है। इसे बिहार के ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनाया जा रहा है।नीतीश कुमार सरकार के "सुशासन के कारनामे" का मजाक उड़ाते हुए राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, "स्वयंभू ईमानदार लोग पुलों के ढहने से जनता को हो रहे हजारों करोड़ रुपये के नुकसान को 'भ्रष्टाचार' के बजाय 'सौजन्य' बता रहे हैं।" अपनी जुबान पर लगाम लगाते हुए यादव ने सुझाव दिया, "पुलों के पानी में डूब जाने के बाद विपक्षी नेताओं को इस्तीफा दे देना चाहिए।

पश्चिमी सभ्यता व्यक्तिवाद को प्राथमिकता देती है, भारतीय समाज परिवार केंद्रित है : मोहन भागवत

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि पश्चिमी सभ्यता व्यक्तिवाद को प्राथमिकता देती है जबकि भारतीय समाज परिवार को केंद्र में रखता है।भाजपा विधायक अमीत सातम द्वारा लिखित पुस्तक के विमोचन के अवसर पर संबोधित करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि माता-पिता को अपने बच्चों पर विशिष्ट क्षेत्र में करियर बनाने की बात नहीं थोपनी चाहिए तथा संगीत या पाक कला जैसे शौक को आगे बढ़ाना भी उतना ही संतुष्टिदायक

होगा।भागवत ने बताया कि माता-पिता, विशेषकर उच्च शिक्षित पृष्ठभूमि वाले माता-पिता, अक्सर अपने बच्चों पर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए दबाव डालते हैं। उन्होंने कहा, पश्चिमी संस्कृतियों में, व्यक्ति को मौलिक इकाई माना जाता है, जहां व्यक्तिवाद पर अधिक जोर रहता है। इसके विपरीत, हमारा समाज परिवार को केंद्र में रखता है। एक मजबूत परिवार इकाई एक मजबूत समाज का आधार बन सकती है। हमारे समाज का स्वरूप स्वाभाविक रूप से दूसरों की मदद करने वाला है।उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को बेहतर तरीके से कमाने की सीख दें तथा उन्हें समाज की बेहतरी के लिए इसका कुछ हिस्सा योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करें।

अगले महीने पुणे में भाजपा की बैठक को अमित शाह कर सकते हैं संबोधित

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले 14 जुलाई को पुणे में पार्टी की एक बैठक को संबोधित करने की संभावना है। भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने शनिवार को यहां यह जानकारी दी।बावनकुले ने पत्रकारों से कहा, पुणे में भाजपा की बैठक में करीब 4,500 पार्टी पदाधिकारी शामिल होंगे। हमने अमित शाह से बैठक को संबोधित करने का अनुरोध किया है और वह पुणे आने के लिए सहमत हो गए हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले यह बैठक महत्वपूर्ण है।राज्य में इस साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। अगले महीने होने वाले महाराष्ट्र विधानपरिषद चुनावों के बारे में पूछे जाने पर बावनकुले ने कहा, आज या कल नामों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। मुझे यकीन है कि हमारा केंद्रीय संसदीय बोर्ड कुछ अच्छे उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगाएगा, जो राज्य के लिए फायदेमंद होगा।बावनकुले ने कहा, भाजपा राज्य विधानपरिषद का अध्यक्ष पद लेना चाहेगी, लेकिन हम मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अन्य 11 दलों के साथ इसपर चर्चा करेंगे।

चीन-पाकिस्तान के साथ भारत के संघर्ष के बीच जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने संभाली भारतीय सेना की कमान

संवाददाता

नई दिल्ली: जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को भारतीय सेना की कमान संभाल ली है। जनरल मनोज पांडे ने आज अपनी सेवानिवृत्ति के बाद भारतीय सेना की कमान जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को सौंप दी, जिन्होंने आज अपना नया पदभार संभाल लिया। केंद्र सरकार ने जून में उन्हें चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ के तौर पर नियुक्ति दी थी। इससे पहले वह फरवरी में उप सेना प्रमुख थे। भारतीय सेना के 30वें प्रमुख जम्मू और कश्मीर राइफल्स से संबंध रखते हैं और उन्हें चीन और पाकिस्तान से सटी सीमाओं पर कार्य करने का व्यापक अनुभव है। बता दें कि जनरल द्विवेदी ने 13 लाख जवानों वाली सेना की कमान ऐसे समय में संभाली है जब भारत चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चुनौतियों समेत कई सुरक्षा

चुनौतियों का सामना कर रहा है।लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी का जन्म 1 जुलाई, 1964 को हुआ था और उन्हें 15 दिसंबर, 1984 को भारतीय सेना की इन्फैंट्री (जम्मू और कश्मीर राइफल्स) में नियुक्त किया गया था। लगभग 40 वर्षों की अपनी लंबी और प्रतिष्ठित सेवा के दौरान, उन्होंने कमान, स्टाफ, अनुदेशात्मक और विदेशी नियुक्तियों की विविधता में सेवा की है। लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी की कमांड नियुक्तियों में रेजिमेंट (18 जम्मू और कश्मीर राइफल्स), ब्रिगेड (26 सेक्टर असम राइफल्स), डीआइजी, असम राइफल्स (पूर्व) और 9 कोर की कमान शामिल हैं। सेना के उप प्रमुख के रूप में नियुक्त होने से पहले, उन्होंने 2022-2024 तक महानिदेशक इन्फैंट्री और जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (मुख्यालय उत्तरी कमान) सहित महत्वपूर्ण नियुक्तियां भी की हैं।लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी को यूएसएडब्ल्यूसी, कार्लिस्ले, यूएस में प्रतिष्ठित एनडीसी समकक्ष पाठ्यक्रम में 'प्रतिष्ठित फेलो' से सम्मानित किया गया था और उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम), अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) और तीन जीओसी-इन-सी से सम्मानित किया गया था। वह सैनिक स्कूल रीवा, नेशनल डिफेंस कॉलेज और यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के पूर्व छात्र भी हैं और उन्होंने डीएसएससी वेलिंगटन और आर्मी वॉर कॉलेज, महू से पाठ्यक्रम पूरा किया है।

बाढ़ से पूर्व सभी तयियारीया पुरी करें : डीएम

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी: संभावित बाढ़ से बचाव के लिए सभी अंचल अधिकारियों और अन्य विभागों के अधिकारियों को पूर्व से सारी तैयारियां दुरुस्त रखने का निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए। इस संबंध में आज समाहरणालय स्थित विमर्श कक्ष में रिची पांडेय ने सभी अंचल अधिकारियों, अनुमंडल अधिकारियों एवं जिला स्तरीय विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में डीएम ने सभी संबंधित पदाधिकारी को बाढ़ पूर्व तैयारी में किसी प्रकार की कोताही न बरतने का निर्देश दिया है। बैठक में अंचल वार निजी नावों के साथ एग्रीमेंट की समीक्षा की गई एवं निर्देश दिया गया कि सभी अंचल अधिकारी इस कार्य को गति दें। सरकारी नाव की उपलब्धता की स्थिति से अवगत हुआ गया। नावों की मरम्मती के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति /जनजाति, निराश्रितों, दिव्यांगों, बीमार व्यक्तियों ,बच्चों गर्भवती महिलाओं की सूची विशेष रूप से तैयार करने का निर्देश दिया। बताया गया कि सूची तैयार कर ली गई है ।तटबंधों का निरीक्षण कर उनकी मरम्मती हर हाल में कर ली जाए। उपलब्ध सभी सरकारी नाव की मरमती कर ली जाए ।पॉलिथीन सीट्स की उपलब्धता का भी आकलन किया गया ।सभी आश्रय स्थलों में पेय जल ,बिजली टॉयलेट, साफ सफाई आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। आवश्यक दवाओं का आकलन एवं भंडारण का भी निर्देश दिया गया। इस संबंध में जिला पशुपालन अधिकारी एवं सिविल सर्जन ने बताया कि सभी आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गई है। मोबाइल मेडिकल टीम का भी गठन कर लिया गया है। पर्याप्त संख्या में पॉलीथिन शीटस की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। शरणस्थली की पहचान कर ली गई है ।सभी अंचल अधिकारियों एवं तकनीकी विभागों के पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी संवेदनशील स्थलों पर सतत निगरानी रखें। लगातार मॉनिटरिंग करें ।उन्होंने बागमती प्रमंडल सीतामढ़ी /रूनी सैदपुर के अभियंताओं एवं जल निस्सरण विभाग के अभियंताओं से अब तक की गई तैयारीयों की जानकारी प्राप्त की। निर्धारित समय के पूर्व हर स्तर पर तैयारी को मुकम्मल करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि संभावित बाढ़ के मद्देनजर सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आपदा की स्थिति में किसी भी तरह की चूक पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वर्षा होने से जिले के किसानों के चेहरे खिले और तापमान में आई गिरावट

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल 30 जून रविवार। बता दे एक लंबे अर्से के बाद जिले मे बारिश अपनी एक झलक दिखा गई जिसे किसानों से लेकर आम जन थोड़ी गर्मी से राहत और धान के बिचड़ा गिराने की आस जगी। वही किसान अपने खेतों मे आए दरारों को भी ठीक करने मे लग गए और धान के बिचड़ा और मक्का के खेतो को तैयारी करने मे लग गए। और आम जन गर्मी और तेज धूप से राहत की उम्मीद लिए बैठे राहत के सांस लिए। और चप्पा कल मे भागे लेयर भी कुछ काम चलाऊ हुए। जो धारती माता की थोड़ी प्यास मे कमी आई।

छपरा नगर निगम ने चलाया स्वच्छता अभियान

संवाददाता

छपरा शहर के प्रसिद्ध धर्मनाथ मंदिर रतनपुरा में छपरा शहर को स्वच्छ बनाने के लिए छपरा स्वच्छता अभियान का शुभारंभ विश्व हिंदू परिषद के अरुण पुरोहित स्वच्छता स्टार प्रचारक ब्रांड एंबेसडर एवं विनोद सिंह ब्रांड एंबेसडर के साथ कई संगठनों के सहयोग से आज धर्मनाथ मंदिर परिसर की सफाई की गई एवं पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्षारोपण का भी कार्यक्रम किया गया। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल धर्म प्रसार जिला प्रमुख अरुण पुरोहित ने उपस्थित दर्जनों लोगों से शपथ ग्रहण कराया कि हम अपने छपरा शहर को स्वच्छ रखेंगे दूसरे को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे। छपरा शहर के सभी नागरिकों से प्रार्थना है कि सप्ताह में 2 घंटे का समय छपरा को स्वच्छ रखने के लिए प्रदान करें। स्वच्छ छपरा स्वस्थ छपरा, हमारा शहर सबसे सुंदर, इस अभियान को नगर निगम के सहयोग से लगातार जन जागरण किया जाएगा। पर्यावरण के संतुलन के लिए वृक्षारोपण का भी कार्यक्रम किया गया वातावरण में ऑक्सीजन की लगातार कमी होती जा रही है हम अभी नहीं ध्यान देंगे तो आने वाली पीढ़ी हमें कभी माफ नहीं करेगी। एक वृक्ष 10 पुत्र समान, सभी छपरा वासी कम से कम दो वृक्ष लगाकर उसको संरक्षित करें तो हमारा छपरा हरा भरा नजर आएगा। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी कृष्ण मुरारी तिवारी धन बाबा, शंकर मिश्रा , मंदिर के सभी सेवक, अंतर्राष्ट्रीय लांयस क्लब के सुधाकर प्रसाद विकी, समाजसेवी राजेश डाबर, युवा ब्राह्मण चेतना मंच के शशि प्रकाश मिश्रा अधिवक्ता उर्फ मनोज बाबा , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दीपक गुप्ता विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के दर्जनों कार्यकताओं ने इस अभियान में भाग लिया। और इसे निरंतर छपरा शहर के विभिन्न वार्डों में चलने का संकल्प लिया।

पुल के रखरखाव की जांच रिपोर्ट को सरकार करे सार्वजनिक: राजेश राठौड़

संवाददाता

पटना. रविवार, 30 जून, 2024

बारिश से पूर्व ही बिहार में एक के बाद एक नौ पुलों के ध्वस्त होने पर राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कहा है कि इस तरीके से एनडीए सरकार में पुल टूट रहे हैं वो इस सरकार के विकास के नाम पर जो भ्रष्टाचार की गई है उसकी बानगी है। सरकार जनता को पुल के रखरखाव यदि सच में जनता के जान माल और कोष के प्रति ईमानदार है तो इन पुलों के रखरखाव संबंधी जांच रिपोर्ट को ऑनलाइन वेबसाइट पर डालने से बच क्यों रही है और यदि ठेकेदारों को इसका मेंटेनेंस दिया गया है तो उनकी गिरफ्तारी क्यों नहीं की जा रही है? इससे साफ होता है कि सरकार के मिलीभगत से ऐसे टेंडर पास होते थे और अधिकारियों की कमीशनखोरी के कारण आम जनता के पैसों से बने ये पुल बिना बारिश या बाढ़ के ही ध्वस्त हो जा रहे हैं ।बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने राज्य सरकार को ध्वस्त और निमार्णाधीन पुलों के निर्माण में विसंगतियों की जांच में केवल खानापूर्ति का आरोप लगाते हुए कहा है कि राज्य में यह कोई नई घटना नहीं है पिछले 11 दिनों में 9 पुल ध्वस्त हो गए और एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई जो यह स्पष्ट करता है कि सरकार के मिलीभगत से यह गोरखधंधा चलाया जा रहा है। एनडीए की सरकार पूरी तरीके से भ्रष्टाचार की पोषक बनकर राज्य को लूट रही है और विकास कार्य के नाम पर कमीशनखोरी करके घटिया किस्म की निर्माण की जा रही है।

सिवान मे इन दिनो बिजली जानलेवा साबित हो रही है बिजली के चपेट मे आने से एक और युवक की मौत

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल बसंतपुर 30 जून रविवार। थाना क्षेत्र के खोरीपाकड़ गांव निवासी चंदेवराय के पुत्र सचिन कुमार राय 26 वर्ष की बिजली के चपेट मे आने से मौत हो गई। बता दे की युवक अपने निर्माणधीन घर की साफ सफाई कर रहा था। सफाई के दौरान घर के ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज का तार घर में लगे लोहे की पाइप मे बिजली प्रवाहित हो रही थी। पाइप के संपर्क मे आने से सचिन वही बेहोश हो कर गीर गया। परिजन उसे सदर अस्पताल सिवान ले गए जहा डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। इस घटना से मृतज के गांव मे कोहराम मच गया। इस घटना को बिजली विभाग की अपनी मनमानी कहे या लापरवाही जो जिले मे एक सप्ताह के अंदर तीन व्यक्तियो को आपने जान की आहुति बिजली विभाग को देनी पड़ी। इधर मृतक के शव को पुलीस अपने कब्जे में लेकर सिवान सदर अस्पताल में पोस्टमार्टन के लिए भेज दिया है।

भाजपा कार्यालय में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अन्य नेताओं के साथ सुना प्रधानमंत्री के 'मन की बात'

वरिष्ठसंवाददाता

- प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में बढ़ते समृद्ध भारत की चर्चा की और आगे भी बढ़ाएंगे : सम्राट चौधरी

पटना, 30 जून। बिहार भाजपा के प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसंवाद कार्यक्रम 'मन की बात' को आज भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत तमाम नेता और कार्यकर्ताओं ने बैठकर सुना। भाजपा कार्यालय में मन की बात कार्यक्रम को सुनने वालों में प्रदेश अध्यक्ष श्री चौधरी के अलावा विधानसभा अध्यक्ष नन्द किशोर यादव,उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, मंत्री प्रेम कुमार, रेणु कुमारी, विधायक संजीव चौरसिया, सभी महामन्त्री,उपाध्यक्ष, मुख्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा, कार्यालय मंत्री प्रवीण चंद्र पटेल , किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह सहित प्रदेश के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यक्रम के बाद उप मुख्यमंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने मन की बात में बढ़ते समृद्ध भारत की चर्चा की तथा विकसित भारत बनाने के संकल्प को दोहराया। प्रधानमंत्री जी ने मन की बात में बिहार से जो अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई और आंदोलन शुरू हुआ उस पर भी चर्चा की और लोगों को बताया। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री 4 महीने बाद फिर से मन की बात की। उन्होंने मन की बात में बताया कि 1857 से पहले भी बिहार के सिद्धो कान्हो ने कैसे अंग्रेजों से लड़ाई की। उन्होंने देश से आह्वान किया कि एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाएं। इस दौरान लोगों के पौधा लगाने के उत्साह को देखकर प्रसन्नता भी व्यक्त की। पत्रकारों से चर्चा के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री चौधरी ने जदयू के राज्यसभा सॉसद संजय झा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाये जाने के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर कहा कि मैं उन्हें फिर से बधाई देता हूं। मैं चाहूंगा कि उनके नेतृत्व जदयू और भाजपा के बीच अच्छा रिश्ता कायम हो और एनडीए मजबूत हो। हमलोग मिल कर राज्य को और भी समृद्ध बनाएँगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में एनडीए की सरकार चल रही है ।

भूमिहार ब्राह्मण वर वधु डायरेक्टरी का हुआ लोकार्पण

संवाददाता
कफील एकबाल

समाज के लिए अनूठी पहल -डॉक्टर सीबीसी

मोतिहारी 30 जून अखिल भारतीय भूमिहार ब्राह्मण महासंघ के बैनर तले रविवार को भूमिहार ब्राह्मण वर वधू डायरेक्ट्री का लोकार्पण किया गया। शहर के भूमिहार ब्राह्मण छात्रावास में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष कुमार शेखर ने की, जबकि मंच संचालन आलोक चंद्र ने किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ सीबी सिंह, अधिवक्ता राजीव कुमार द्विवेदी उर्फ पप्पू दुबे, ललन राय, रत्नेश्वरी शर्मा, रवि नारायण राय, प्रियरंजन शर्मा, अजय देव, विजय पांडेय, डॉ विभू पराशर, बिन्टी शर्मा आदि मौजूद थे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से डायरेक्ट्री का लोकार्पण किया ।डॉ सीबी सिंह ने कहा कि डायरेक्ट्री का प्रकाशन समाज के लिए अद्वितीय प्रयास है। पहले इस काम के लिए अलग-अलग शहर में जाना पड़ता था। अब सुविधा होगी। उन्होंने संस्था को भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया।अधिवक्ता राजीव कुमार द्विवेदी उर्फ पप्पू दुबे ने डायरेक्ट्री के प्रकाशन के लिए महासंघ की प्रशंसा की। कहा कि इस क्षेत्र में पहले से भी कई लोग काम कर रहे हैं। उनसे सामंजस्य स्थापित कर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बेटी के बाप को पता होगा इस वर वधू डायरेक्ट्री की अहमियत। आज अच्छा लड़का-लड़की ढूंढना बहुत कठिन काम है। आज लड़की वालों को लंबा लिस्ट थमा दिया जा रहा है। इस डायरेक्ट्री से वर वधू खोजने में सुविधा होगी। बगैर दहेज शादी में यह मिल का पत्थर साबित होगा ।महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनीष मनीष कुमार शेखर ने कहा कि भूमिहार ब्राह्मण वर वधू डायरेक्टरी शादी विवाह में उपयोगी साबित हो रहा है। डायरेक्टरी को और व्यापक बनाने के लिए प्रत्येक जिले में संयोजक मंडल का गठन शीघ्र ही किया जाएगा।

दुनिया में आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद के निवारण और नियंत्रण में महिला सांसदों की भूमिका अहम - डॉ धर्मशीला गुप्ता

संवाददाता

(दिल्ली/दोहा) यूनाईटेड नेशंस द्वारा कतर की राजधानी दोहा में आयोजित ग्लोबल कांफ्रेंस आफ वूमेन पार्लियामेंटेरियन के वैचारिक सत्र दो और सत्र पांच में भारतीय प्रतिनिधि राज्यसभा सांसद डॉ धर्मशीला गुप्ता ने अपने तरफ से भारत के पक्ष को मजबूती व तार्किक रूप से प्रस्तुत किया। सांसद डॉ धर्मशीला गुप्ता ने दोहा कांफ्रेंस में कहा की आतंकवाद और आतंकवाद में सहायक हिंसक उग्रवाद के वैश्विक खतरे से उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला करने वाले लिए वैश्विक स्तर पर एवं समावेशी दृष्टिकोण अपनाए जाने की आवश्यकता है। आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद की समस्या का व्यापक और स्थाई समाधान प्राप्त करने के दिशा में आतंकवाद को रोकने और आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले हिंसक उग्रवाद के निवारण संबंधी विधानों, नीतियों और कार्य नीतियों के विकास, कार्यान्वयन और निगरानी में महिला सांसदों की सहभागिता? अत्यंत महत्वपूर्ण है। समान्यतः वैश्विक स्तर पर और विशेष रूप से राष्ट्रीय व क्षेत्रीय स्तर पर संवर्धित एवं प्रभावी समन्वय तथा सुदृढ़ साझेदारियों की स्थापना उनके द्वारा किए गए प्रयासों के प्रभाव को अधिकतम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आतंकवाद को रोकने एवं हिंसक उग्रवाद के निवारण एवं नियंत्रण से संबंधित पहलों में लिंग - संवेदनशील दृष्टिकोणों के महत्व को दुनिया भर के विभिन्न मंचों के माध्यम से महसूस और उजागर किया गया है।

भारतीय प्रतिनिधि सांसद डॉ धर्मशीला गुप्ता ने आगे कहा की आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद के निवारण और नियंत्रण में महिला सांसदों की सहभागिता? और भागीदारी समावेशी और प्रभावी कार्यनीति विकसित करने के लिए अपरिहार्य है। बेहतर समन्वय और कार्यनीतिक साझेदारी के माध्यम से उनके प्रभाव को काफी हद तक बढ़ाया जा सकता है। विभिन्न हितधारकों को एकिकृत करने वाले समन्वित दृष्टिकोण की अब अधिक आवश्यकता है।

मधुबनी डेंटल क्लिनिक का उद्घाटन मास्टर योगेंद्र झा उर्फ योगी बाबू एवं डॉ.अलीम के द्वारा शुभारंभ किया गया

संवाददाता
अबु बकर

लोहा हाट नियर लोहा हाई स्कूल के सामने मधुबनी डेंटल क्लिनिक का शुभारंभ मास्टर योगेंद्र झा उर्फ योगी बाबू एवं डॉङ्क अलीम के द्वारा शुभारंभ किया गया मधुबनी डेंटल क्लिनिक का उद्घाटन मास्टर योगेंद्र झा उर्फ योगी बाबू डॉक्टर अलीम के द्वारा किया गया वहीं उन्होंने बताया की लोहा हाट नियर लोहा हाई स्कूल के सामने मधुबनी डेंटल क्लिनिक का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर डॉक्टर अलीम ने कहा कि इस क्लीनिक में दाँत से संबंधित सभी तरह का इलाज नई टेक्नोलॉजी और मशीन के द्वारा फुल्ली डेंटल क्लिनिक है हम सभी लोगों से अनुरोध करते हैं कि जिन्हें भी दांत की समस्या हो या मुंह में किसी तरह का कुछ समस्या हो तो वह आवश्यक एक बार जरूर आए और यहां मधुबनी डेंटल क्लीनिक खोलने का उद्देश्य है यहां के लोगों को दूर दराज का सफर न करना पड़े बल्कि उन्हें एक ही छत के नीचे सारी सुविधाएं मुहैया कराई गई है अनुभवी डाक्टर सुबह 9: बजे शाम तक उपस्थित रहेंगे खासकर वैसे गरीब मरीज जो लाचार हैं उनका मुफ्त इलाज किया जाएगा इस अवसर पर मास्टर जोगिंदर झा उर्फ जोगी बाबू. डॉक्टर अलीम, डॉङ्क युसूफ राजा, डॉ प्रभात रंजन डॉक्टर आरिफ अंसारी,चंदन कुमार,अमित कुमार, समेत स्थानीय लोग बड़ी संख्या में इस उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित थे '

किसानों की समृद्धि और आय में बढ़ोत्तरी

किसानो का मन हमेश पवित्र होता है: विजय सिन्हा

संवाददाता

- के लिए सरकार कर रही काम : सम्राट चौधरी
- बीज और उर्वरक की कोई कमी नहीं : मंगल पाण्डेय
- अनुदान के लिए किसानों को अब चक्कर नहीं लगाना पड़ता : प्रेम कुमार
- भ्रष्ट सी0ओ0 और कर्मचारियों पर 72 घंटों के
- अंदर होगी कार्रवाई : दिलीप जायसवाल

पटना 30 जून । भाजपा प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह के अध्यक्षता में प्रदेश स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई । बैठक को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार देश के किसानों की समृद्धि एवं आय में बढ़ोत्तरी हो इसके लिए निरंतर काम कर रही हैं । बिहार में 88 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है । केन्द्र सरकार एवं बिहार सरकार किसानों के लिए अलग से कृषि फिडर लगा रही है । इस बार पूरे प्रदेश में दस हजार नल-कूप लगाने की स्वीकृति दी गयी है । जलाशयों के निर्माण और पोखर के जीर्णोद्धार के लिए भी सरकार निरंतर काम कर रही है । उन्होंने कहा की बिहार में एफ पी ओ सेक्टर अभी काफी पीछे है । बिहार में एफ पी ओ पर काम करने की जरूरत है । एफ पी ओ के माध्यम से किसानों की परेशानी दूर होगी । सूबे के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि किसानों का मन हमेशा पवित्र होता है । किसान हम सबों का पेट भरता है । किसानों के दर्द को सरकार दूर करने की कोशिश करता है । कृषि मंत्री मंगल पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि किसान भाईयों को जितनी उर्वरक और बीज की जरूरत होगी उतना मिलेगा । पहले किसानों को उर्वरक के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी । अब सारी समस्याओं को दूर कर दिया गया है । बिहार में दलहन की उत्पादन कैसे बढ़े इसकी चिंता देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया है । बिहार को 6 लाख क्विन्टल दलहन उत्पादन का लक्ष्य दिया है इसके लिए बीज की उपलब्धता सुनिश्चित किया गया है । किसानों को सिंचाई में लागत कम हो बीज एवं उर्वरक की उपलब्धता बनी रहे इसके लिए केन्द्र सरकार एवं बिहार सरकार समन्वय के साथ काम कर रही है ।

अपने संबोधन में बिहार के सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि पहले किसानों को अनुदान के लिए चक्कर लगाना पड़ता था । अब एक एप्प के माध्यम से आसान बनाया गया है । अब किसानों को कार्यालय की चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है । बिहार सरकार के भू राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि भ्रष्ट सी0ओ0 और कर्मचारियों पर 72 घंटे के अंदर कार्रवाई होगी । विभाग को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है । मंच का संचालन प्रदेश महामंत्री नवीन कुमार ने किया ।इस बैठक में मुख्य रूप से भाजपा के प्रदेश महामंत्री जगन्नाथ ठाकुर, शिवेश राम, किसान मोर्चा के प्रदेश उपध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह, विजय यादव, अशोक वर्मा, बाबू लाल शौर्य, अमरेश कुमार, अमरेन्द्र ठाकुर शांडिल्य, हितेन्द्र ठाकुर, किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री दीपक कुमार, रमेश पासवान, शंकर ठाकुर, मीडिया प्रभारी कृष्णा कुमार गुप्ता उपस्थित रहे ।

बिहार में एक दौर ऐसा भी था जब सीएम हाउस से होता था संगठित अपराध का संचालन-सम्राट

संवाददाता

- आज बिहार में कानून का राज और सुशासन,किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाता
- आपातकाल के आंदोलनकारी लालू आज खेल रहे हैं कांग्रेस की गोद में, उम्र ज्यादा होने से बहुत सी बातें अब उन्हें याद नहीं
- पीएम की ' मन की बात ' कार्यक्रम के 111 वें एपिसोड सुनने के बाद कहा-पीएम भारत को बना रहे श्रेष्ठ

पटना, 30-06-2024भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में एक दौर ऐसा भी था जब सीएम हाउस से संगठित अपराध का संचालन होता था। आज बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में भाजपा-जदयू की यानी एनडीए की जो सरकार चल रही है, उसमें कानून का राज और सुशासन है। किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाता है, बल्कि कानून के तहत सभी पर कार्रवाई हो रही है।श्री चौधरी ने कहा कि आपातकाल के आंदोलनकारी लालू प्रसाद आज कांग्रेस की गोद में खेल रहे हैं। उम्र ज्यादा होने से बहुत सी बातें अब उन्हें याद नहीं है। यही लालू प्रसाद हैं जिन्होंने आपातकाल में मीसा के तहत बंदी होने के कारण अपनी बेटी का नाम 'मीसा' रखा। आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक ऐसा बदनुमा दाग है जिसके तहत तत्कालीन कांग्रेस की सरकार ने पूरे देश को जेलखाना में तब्दील कर दिया था। ' मन की बात ' कार्यक्रम के 111 वें एपिसोड सुनने के बाद श्री चौधरी ने कहा कि पीएम भारत को श्रेष्ठ बना रहे हैं। विकसित भारत के संकल्प के साथ पीएम देश को आगे बढ़ा रहे हैं। आज के एपिसोड में उन्होंने स्वाधीनता संग्राम और 1857 के संग्राम में सिद्धू-कान्हू सहित अन्य बलिदानियों के योग्यदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और 2047 तक देश विकसित हो कर रहेगा।

सारण जिला वैश्य महासभा छपरा सारण ट्रस्ट रजि0 के तत्वावधान में महान दानवीर शिरोमणि भामाशाह की जयन्ती हीरा पैलैस में बड़े धूमधाम से मनाई गई

मो. सदरे आलम नोमानी

दानवीर भामाशाह के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम का उद्घघाटन नगर विधायक डॉ सीएन गुप्ता, मेयर लक्ष्मी नारायण गुप्ता, गंगोत्री प्रसाद अधिवक्ता, श्याम बिहारी अग्रवाल, राजेश फैशन, प्रदीप कुमार गुप्ता, राजेश कुमार, सुपन प्रसाद बिहारी, धर्मनाथ पिन्टु, ओम प्रकाश स्वर्णकार, राजु ब्याहुत ने दीप प्रज्जवलित कर किया ।श्याम बिहारी अग्रवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा मातृ-भूमि के प्रति अगाध प्रेम और दानवीरता के लिए भामाशाह का नाम इतिहास में अमर है। भामाशाह का निष्ठापूर्ण सहयोग महाराणा प्रताप के जीवन में महत्वपूर्ण और निर्णायक साबित हुआ था। मातृ-भूमि की रक्षा के लिए महाराणा प्रताप को उन्होंने अपनी सम्पूर्ण धन-संपदा अर्पित कर दी। यह सहयोग तब दिया जब महाराणा प्रताप अपना अस्तित्व बनाए रखने के प्रयास में निराश होकर परिवार सहित पहाड़ियों में छिपते भटक रहे थे। मेवाड़ की अस्मिता की रक्षा के लिए दिल्ली गद्दी का प्रलोभन भी भामाशाह जी ने ठुकरा दिया था। महाराणा प्रताप को दी गई उनकी सहायता ने मेवाड़ के आत्म सम्मान एवं संघर्ष को नई दिशा दी।

छपरा विधायक डॉ सीएन गुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा भामाशाह अद्वितीय दानवीर एवं त्यागी महापुरुष थे। आत्म सम्मान और त्याग की यही भावना आपको स्वदेश, धर्म और संस्कृति की रक्षा करने वाले देश-भक्त के रुप में शिखर पर स्थापित कर देती है। आज भी धन अर्पित करने वाले किसी भी दान दाता को भामाशाह कहकर उसका स्मरण-वंदन किया जाता है। भामाशाह अपनी दानवीरता के कारण इतिहास में अमर हो गए। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के बलिदान के साथ उनका दान अनंत काल तक अमर रहेगा।

नगर निगम मेयर लक्ष्मी नारायण गुप्त ने कहा दानवीर भामाशाह का जन्म राजस्थान के मेवाड़ राज्य में 29 जून, 1547 को रणथम्भौर कि ले के कि लेदार भारमल जी के यहाँ हुआ था। जो राणा साँगा के विश्वासपात्र थे। अपने पूर्वजों की तरह भामाशाह भी मेवाड़ के राजा के सहयोगी और विश्वासपात्र सलाहकार थे।

समस्तीपुर एवं मधुबनी जिला के पदाधिकारीयों/कर्मियों द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण कांडों के सफल उद्वेदन में सराहनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया

संवाददाता
अबु बकर

- समस्तीपुर एवं मधुबनी जिला के पदाधिकारीयों/कर्मियों द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण कांडों के सफल उद्वेदन में सराहनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया था तथा निर्देश दिया गया था की परेड आयोजन कर इन्हें पुरस्कृत किया जाए।
- पुलिस महानिदेशक से प्राप्त आदेश के आलोक में श्री बाबू राम पुलिस उपमहानिरीक्षक मिथिला क्षेत्र द्वारा आज दिनांक 29 .06 .24 को पुलिस केंद्र दरभंगा में सम्मान समारोह आयोजन कर पुरस्कृत किया गया।
- पुरुस्कार समारोह में निम्न पुलिस पदाधिकारीयों/कर्मियों को सम्मानीत किया गया।

01. जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी (भा.पु.से.), वरीय पुलिस अधीक्षक दरभंगा।02. सुशील कुमार, (भा.पु.से.) पुलिस अधीक्षक, मधुबनी
03. विनय तिवारी, (भा.पु.से.) पुलिस अधीक्षक, समस्तीपुर
04. काम्या मिश्रा, भा.पु.से., ग्रामीण पुलिस अधीक्षक,दरभंगा
05. शुभम आर्या, भा.पु.से. नगर पुलिस अधीक्षक,दरभंगा
06. संजय कुमार पाण्डेयए अनु०पु०पदा०, सदर, समस्तीपुर सदर-01
07. अमित कुमार , तात्कालीन पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, समस्तीपुर वर्तमान पदस्थापन अनु०पु०पदा० सदर -2, औरंगाबाद
08. पु०नि०, सुरेन्द्र कुमार सिंह तात्कालीन समस्तीपुर जिला, वर्तमान पदस्थापन मधुबनी जिला
09. पु०नि०, मुकेश कुमार तात्कालीन समस्तीपुर जिला, वर्तमान पदस्थापन मधुबनी जिला
10.पु०नि०, विक्रम आचार्य तात्कालीन समस्तीपुर जिला, वर्तमान पदस्थापन मधुबनी जिला
11. पु०नि०, कृष्ण चन्द्र भारती तात्कालीन समस्तीपुर जिला, वर्तमान पदस्थापन पटना जिला
12.पु०नि०, अनिल कुमार तात्कालीन समस्तीपुर जिला, वर्तमान पदस्थापन पटना जिला
13. पु०नि०, संजीव कुमार चैधरी त्कालीन समस्तीपुर जिला वर्तमान पदस्थापन दरभंगा जिला
14.पु०नि०, ब्रजकिशोर सिंह तात्कालीन समस्तीपुर जिला, वर्तमान पदस्थापन पटना जिला
15. पु०नि०, पकज कुमार तात्कालीन समस्तीपुर जिला, वर्तमान दरभंगा
16. पु०अ०नि०, आनद कु० कश्यप जिला पुलिस बल, समस्तीपुर
17. पु०अ०नि०, राजन कुमार तात्कालीन समस्तीपुर जिला, वर्तमान पदस्थापन ए०टी०एस०,पटना
18. पु0अ0नि0 संजय सिंह जिला पुलिस बल समस्तीपुर
19. पु0अ0नि0 मुकेश कुमार जिला पुलिस बल समस्तीपुर
20. पु0अ0नि0 राहुल कुमार जिला पुलिस बल समस्तीपुर
21. पु0अ0नि0 सन्नी कुमार मौसम जिला पुलिस बल समस्तीपुर
22. सि0 813 अरविंद कुमार जिला बल समस्तीपुर
23. सि0 815 अखिलेश कुमार जिला बल समस्तीपुर
24. सि0 1101 मिथिलेश कुमार जिला बल समस्तीपुर
25. सि0 635 अविनाश कुमार सिंह जिला बल समस्तीपुर
26. सि0 978 केशव कुमार जिला बल समस्तीपुर

SAHAYOG SECURITY SERVICES

बड़ी संख्या में आवश्यक्ता है

SJML HR SOLUTION SERVICES PRIVATE LIMITED

Trade Name : SAHAYOG SECURITY SERVICES

एसजेएमएल, एचआर, सोलुसन सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड को आवश्यक्ता है । दिल्ली, हरीयाणा, पंजाब, उत्तराखंड, तथा बिहार में गन मैन, सिविल गार्ड, बाउनसर, एवं सफाई कर्मचारी की सम्पर्क करें ।

सम्पर्क करें

मो0: 9472871824, 7366028884

ई-मेलः sjmlhrsolutionservices@gmail.com

वैशाली पुलिस ने बक्सर रेलवे स्टेशन पर प्रेमिका के साथ पकड़ा, कहा-मैं जिंदा हूं पापा

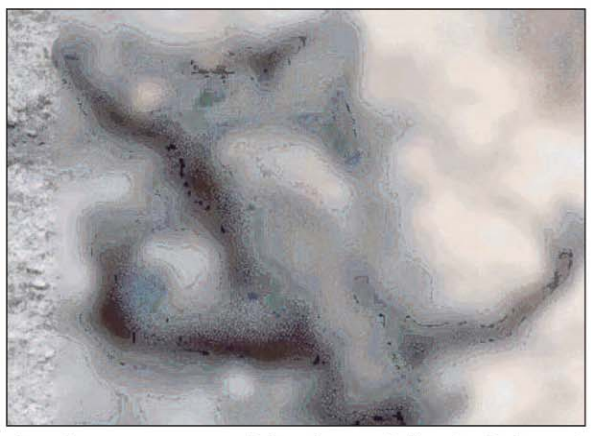

हाजीपुर (वैशाली)। वैशाली में बीते 18 जून को घर से सन्नी कुमार गायब हो गया था। इसके बाद 21 जून को एक शव मिला था। सन्नी का शव समझ कर परिजनों ने उसकी आत्मा की शांति के लिए हिंदू रीति-रिवाज से हाजीपुर कोनहारा घाट पर दाह संस्कार कर दिया। इसी बीच गंगा ब्रिज थाने की पुलिस ने उसे जिंदा प्रेमिका के साथ बक्सर रेलवे स्टेशन के पास से बरामद कर लिया है। 21 साल का सन्नी कुमार गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के नवादा चौक गांव निवासी आमोद चौधरी का बेटा है। वह अपने प्रेमिका के साथ 18 जून को घर से भागकर कोयम्बटूर पहुंच गया था और 20 जून को तिरुपति दुर्गा मंदिर में शादी कर ली थी। पत्नी के साथ रोजगार की तलाश में बक्सर रेलवे स्टेशन के पास चला गया था। दोनों प्रेमी युगल से पूछताछ कर रही पुलिस लेकिन, पुलिस को जैसे ही भनक लगी, वहां से उसे पत्नी के साथ हिरासत में ले लिया। पुलिस दोनों प्रेमी युगल से पूछताछ कर रही है। लड़की के परिजनों ने अपनी बेटी की अपहरण का प्राथमिक की दर्ज कराया, तो पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। इसके बाद सन्नी के परिजन ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी। बीते 21 जून को किसी ने सूचना दी कि सन्नी की हत्या कर शव को जलाकर समस्तीपुर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र में फेंक दिया गया है।

परिजन ने मोहनपुर थाना पहुंच कर शव पुलिस से रिसीव किया और बेटे की हत्या मामले में एफआईआर दर्ज कराया और हत्यारों की गिरफ्तारी को लेकर नवादा में सड़क को जाम कर दिया था। पुलिस के समझाने बुझाने के बाद आक्रोशित लोग शांत हुए और शव का संस्कार हिंदू रीति-रिवाज से हाजीपुर कौन हारा घाट पर कर दिया। फिलहाल, पुलिस ने आज उसे प्रेमिका के साथ जिन्दा बरामद कर लिया है। लड़की के परिजनों ने अपहरण का मामला कराया था दर्ज इस संबंध में गंगा ब्रिज थाना अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया की सन्नी को उसकी ही प्रेमिका के साथ बरामद किया गया है।

लड़की के परिजनों ने अपहरण कर लेने का थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया गया था।

मामले की जांच पड़ताल की जा रही थी, तभी सन्नी के परिजन ने मोहनपुर थाना क्षेत्र से एक अर्ध जला शव लाकर दाह संस्कार कर लिया था। लेकिन, आज उसे जिन्दा बरामद किया गया है।

संक्षिप्त डायरी

बक्सर में मुआवजा के लिए 4 और 5 जुलाई को कर सकेंगे आवेदन

बक्सर। बक्सर स्थित चौसा थर्मल पावर से प्रभावित किसानों को अपनी जमीन संबंधी मुआवजा को लेकर एक बार भी उम्मीद जगी है। इसके लिए चौसा अखौरीपुर गोला स्थित महर्षि च्यवन महाविद्यालय में एक विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जो कि 4 और 5 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। बक्सर भू-अर्जन शाखा की ओर से मिली जानकारी के अनुसार इस कैंप का आयोजन भू-अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकार पटना प्रमण्डल की ओर दी गई गई सहमति पर लगाया जा रहा है। कैंप सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक दोनों दिन लगेगा। निमार्णाधीन 1320 मेगा वॉट थर्मल संबंधित रेल कॉरिडोर और वाटर पाईप लाईन परियोजना चौसा के रैयतों को पीठासीन पदाधिकारी भू अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकार में आवेदन के साथ खतियान की टू कापी, निबंधित वसीका, पारिवारिक बंटवारा का कागज, वंशावली की सत्यापित प्रति, एलपीसी की छाया प्रति, लगान रसीद की प्रति, आधार कार्ड की छाया प्रति, पैन-कार्ड की छाया प्रति, बैंक पासबुक की छाया प्रति, बंध-पत्र एवं शपथ पत्र आदि के साथ आवेदन को कैंप में जमा करना होगा। मालूम हो कि चौसा थर्मल पावर प्लांट के लिए पिछले दो सालों से सिरदर्द बनी वाटर पाइप लाइन और रेल कॉरिडोर की जमीन का उचित मुआवजा का निर्धारण और किसानों की कई समस्याओं का निराकरण नहीं होने के कारण थर्मल पावर का निर्माण अपने समय पर नहीं हो सका है। इसके समाधान के लिए अधिकारियों की ओर से काफी प्रयास किया गया लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं होने के कारण 2024 में थर्मल पावर का निर्माण कार्य पूरा होते हुए नहीं दिख रहा है। इसके लिए एक बार फिर अधिकारियों ने कोशिश की है।

केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार पटना पहुंचे चिराग, कहा-फैसला स्टूडेंट्स के हित में होगा

पटना। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद आज पहली बार लोक जनशक्ति पार्टी (LJP) के मुखिया चिराग पासवान पटना पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनके चारों सांसद भी मौजूद थे। एयरपोर्ट पर तमाम कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। नीट पेपर लीक पर रिएक्शन नीट पेपर लीक मामले पर चिराग ने रिएक्शन देते हुए कहा कि यह एक गंभीर विषय है। ऐसे में सरकार की प्राथमिकता है कि किसी भी बच्चों के साथ कोई अन्याय न हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निगरानी में इस मामले को देखा जा रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार सारे स्टेट होल्डर से बातचीत कर रही है। कई ऐसे बच्चे हैं जो रि-एग्जामिनेशन के पक्ष में नहीं है। जो भी फैसला होगा, स्टूडेंट्स के हित में होगा। पेपर लीक के मामले में जांच चल रही है। कई लोग न्यायालय भी गए हैं। मामला विचाराधीन है। इसमें कई सारे पक्ष इंवॉल्व है। सरकार सबसे बातचीत कर रही है। सही समय पर सही फैसला लिया जाएगा। किसानों का करेंगे कल्याण चिराग ने कहा कि उन्हें एक बड़ी जिम्मेदारी फूड प्रोसेसिंग यूनिट मंत्रालय के रूप में दी गई है। भारत एक कृषि प्रधान देश है। आने वाले दिनों में इस मंत्रालय के माध्यम से कई ऐसे यूनिट्स खोले जाएंगे। हाजीपुर का केला हो या मुजफ्फरपुर की लीची, मखना हो आम हो, जो यहीं पर प्रोसेस्ड हो जाए पैकिंग हो जाए तो ना सिर्फ उससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी बल्कि राज्य का राजस्व भी बढ़ेगा। बिहार में लगातार पुल गिरने पर दी प्रतिक्रिया चिराग ने कहा कि ये दुर्भाग्य की बात है। मैं उम्मीद करता हूं कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जिसने भी गुणवत्ता के साथ भ्रष्टाचार किया है उसे बख्शा नहीं जाएगा। कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा। भविष्य में जितने नव निर्माण होंगे, हम लोगों की इस डबल इंजन सरकार आने के बाद सुनिश्चित किया जाएगा कि गुणवत्ता के साथ कहीं कोई छेड़छाड़ न हो। आगे चिराग ने कहा कि बिहार में अगले साल विधानसभा के चुनाव भी होने हैं। ऐसे में पार्टी उसकी तैयारी में मजबूती के साथ जुटेगी। ताकि जो जीत लोकसभा में बिहार में मिली वही जीत विधानसभा चुनाव में भी मिल सके। पीएम मोदी के साथ तमाम सांसदों के साथ मुलाकात हुई है। प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों को अपना मार्गदर्शन दिया है।

18 दिन बाद सामने आया श्रेया हत्याकांड का सच, होटल मालिक 2 सगे भाई गिरफ्तार

औरंगाबाद। औरंगाबाद में श्रेया हत्याकांड के 18 दिन बाद शनिवार को पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने होटल मालिक 2 सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। रढ स्वप्ना गौतम मेश्राम ने बताया कि गिरफ्तार दोनों होटल मालिक ने स्वीकार किया है कि रेप के बाद श्रेया की गला दबाकर हत्या की गई। इसके बाद सबूत छिपाने को लेकर कार में शव लेकर इंद्रपुरी बराज पहुंचे, जहां शव फेंक दिया। गिरफ्तार दोनों भाई का नाम कोसडिहरा गांव के रहने वाले धर्मेंद्र कुमार सिंह और राकेश कुमार सिंह है। रढ ने बताया कि इनके पास से वह कार भी बरामद किया गया है, जिससे शव को बराज तक ले जाया गया था। इससे पहले, पुलिस ने श्रेया हत्याकांड में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुका है। इसमें श्रेया की सहेली, उसकी मां और श्रेया का बॉयफ्रेंड शामिल हैं। बता दें कि 11 जून को औरंगाबाद के नवीनगर से लापता 16 साल की किशोरी का शव करीब 25 किमी दूर रोहतास के इंद्रपुरी बराज से मिला था। कोचिंग से नहीं लौटी थी श्रेया SP स्वप्ना गौतम मेश्राम ने बताया कि रेप के बाद श्रेया की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद सबूत छिपाने को लेकर शव को कार में रखकर इंद्रपुरी बराज ले जाकर फेंक दिया गया था। उन्होंने बताया कि श्रेया 11 जून को अपने घर से कोचिंग के लिए निकली थी, लेकिन वापस लौटी नहीं थी। इसके बाद परिजनों की ओर से थाने में अपहरण की शिकायत दर्ज कराई गई थी। 13 जून को रोहतास के इंद्रपुरी बराज से श्रेया का शव बरामद किया गया था। बॉयफ्रेंड के साथ होटल पहुंची थी श्रेया 11 जून को श्रेया अपने बॉयफ्रेंड के साथ होटल पहुंची थी। यहां एक कमरा बुकिंग कराया और कुछ समय तक रुके। इस दौरान उसके बॉयफ्रेंड ने होटल मालिक धर्मेंद्र कुमार सिंह और राकेश कुमार सिंह के साथ मिलकर गलत काम किया। इसके बाद गला दबाकर हत्या कर दी।

नालंदा में मकान का गिरा छज्जा, दादी-पोते की मौत

नालंदा । नालंदा में शनिवार को मकान का छज्जा गिरने से दबकर एक किशोर की मौत हो गई। जबकि एक बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई है। मामला एकंगरसराय थाना क्षेत्र के सुंडी बीघा गांव की है। इस हादसे में डोमन मोची के बेटे धीरज कुमार(13) की मौत हो गई। जबकि धीरज की दादी सोना देवी(60) गंभीर रूप से घायल हो गई है। जिन्हें इलाज के लिए PMCH रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि शनिवार की सुबह हल्की बारिश हो रही थी। दादी सोना देवी और पोता धीरज कुमार दोनों घर के दरवाजे पर ही बैठे हुए थे। अचानक मकान के छज्जे का स्लैप टूट कर दोनों के ऊपर गिर गया। जहां मलवे से दबकर धीरज कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि सोना देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। मकान का छज्जा गिरने के बाद ग्रामीणों के बीच अफरा-तफरी मच गई। आस-पड़ोस के लोग किसी तरह से दादी पोते को मालवा से बाहर निकाला गया। जहां धीरज की मौत हो चुकी थी। वहीं सोना देवी को एकंगरसराय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां से पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। वहीं इस घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया। धीरज कुमार 3 भाई बहन में सबसे छोटा था। पिता मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद एकंगरसराय थाना के प्रभारी थाना अध्यक्ष प्रभाकर कुमार झा दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भी बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया। जाने की वजह से किशोर की मौत हो गई है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी पहुंचे गया, कहा-पुल गिरने के पीछे राजनीतिक साजिश

गया। भारत सरकार के एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी शनिवार को गया पहुंचे। यहां सर्किट हाउस में उन्होंने बिहार में बीते 9 दिनों में गिरे 5 निमार्णाधीन पुल के मसले पर चिंता जताई। उन्होंने कहा-यह गंभीर और चिंता का विषय है। ये गिर रहे हैं या गिराए जा रहे हैं। यह भी एक जांच का विषय है। इसके पीछे कहीं न कहीं, कोई न कोई राजनीतिक साजिश है। जीतन राम मांझी मंत्री पद की शपथ लेने और विभागीय कामकाज संभालने के बाद दूसरी बार अपने संसदीय क्षेत्र गया में आए हैं। यहां जीतन राम मांझी ने कहा- यह वाकई चिंता का विषय है। पुल ध्वस्त होने के पीछे घटिया निर्माण सामग्री या फिर इंजीनियरिंग का दोष हो सकता है। यह जांच का विषय है। प्रदेश सरकार जांच के साथ कार्रवाई भी कर रही है। पर सवाल यह भी उठता है कि ये पुल दो माह पूर्व क्यों नहीं गिर रहे थे। ये हाल के दिनों में ही तेजी से क्यों गिरने लगे। ये गिर रहे हैं या गिराए जा रहे हैं। यह भी एक जांच का विषय है। इसके पीछे कहीं न कहीं कोई कोई न कोई राजनीतिक साजिश है। ऐसी शंका मुझे है। उन्होंने कहा- सरकार को बदनाम करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। मुझे लगता है कि ऐसा सरकार को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है। वहीं, नीट पेपर लीक के मसले पर कहा कि जो धांधली हुई है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। आरोपी भी पकड़े जा रहे हैं। लेकिन भारत सरकार का उद्देश्य केवल कार्रवाई ही नहीं अब ऐसी व्यवस्था बनाने का है, जहां से किसी प्रकार की धांधली की कोई गुंजाइश ही न हो। जीतन राम मांझी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी को फंसाना या बचाना नहीं है। दोषी जो होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। साथ ही व्यवस्था बेहतर की जा रही है।

बनारस से बगहा पहुंची गर्भवती महिला

बगहा (वाल्मिकीनगर)। बगहा के पटखौली थाना स्थित वार्ड संख्या-3 में रहने वाले राहुल साहनी की दूसरी शादी की खबर सुनकर बनारस की रहने वाली प्रमिला (22 साल) बगहा पहुंची और न्याय की गुहार लगाई है। प्रमिला ने आरोप लगाया है कि राहुल ने उससे पहले प्यार किया, फिर शादी की और अब वह उसे छोड़कर दूसरी शादी करने जा रहा है। जबकि, वह मां बनने वाली है। दरअसल, बगहा के वार्ड नंबर तीन के रहने वाले घनश्याम साहनी के बेटे राहुल सहनी (24 साल) एक साल पहले रोजी-रोटी के लिए बनारस गया था। पहले से शादीशुदा थी प्रमिला वहां, उसकी मुलाकात मैगी मसाला कंपनी में काम करने वाली प्रमिला से हुई। प्रमिला पहले से शादीशुदा थी। पति, शराब के नशे में प्रमिला के साथ मार पिटाई करता था। इसी का फायदा उठाकर राहुल प्रमिला के नजदीक पहुंच गया। दोनों में प्यार हो गया। इसके बाद राहुल प्रमिला को अपने घर बगहा ले आया, जहां वह एक महीने तक एक भाड़े के कमरे में साथ रहे। इसके बाद दोनों हैदराबाद और फिर अंबाला गए, जहां काली माता मंदिर में उन्होंने शादी की। इधर, एक महीने पहले राहुल प्रमिला को छोड़कर अपने घर बगहा लौट आया। इस बीच 10 जुलाई को शादी का दिन भी तय कर दिया गया। रेलवे स्टेशन पर महिला को छोड़कर राहुल फरार जब प्रमिला को राहुल की दूसरी शादी की खबर मिली, तो वह तुरंत बगहा महिला थाना में पहुंच गई। महिला थाने की पुलिस ने प्रमिला और राहुल दोनों को समझाने की कोशिश की। इसके बाद राहुल प्रमिला के साथ रहने के लिए तैयार हो गया। लेकिन, बगहा रेलवे स्टेशन पर महिला को छोड़कर राहुल फिर से फरार हो गया। प्रमिला ने बताया कि वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान है और घर की संपत्ति बेचकर सारे पैसे राहुल को दे चुकी है। अब उसके पास कुछ नहीं बचा है और वह एक सप्ताह से पुलिस और राहुल के घर के चक्कर काट रही है। इस मामले में महिला थाना अध्यक्ष पुष्पा कुमारी ने बताया कि कुछ दिन पहले महिला आई थी। आरोपी युवक को भी बुलाया गया था।

गया में सड़क किनारे इंतजार करता दिखा;बस के आते ही पिछले पहिए के सामने आया

गया। गया शहर में एक शख्स ने चलती बस के नीचे आकर अपनी जान दे दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। घटना सोमवार की शाम साढ़े छह बजे की है। मामला डेल्हा थाना क्षेत्र के छोटकी डेल्हा मुख्य मार्ग का है। वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स आत्महत्या करने की नीयत से अचानक से चलती बस के पिछले पहिए के नीचे आ जाता है। उसका सिर बुरी तरह से कुचलते हुए बस आगे निकल जाती है। घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृत अधेड़ की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। मृतक गंजी और लूंगी में था और वह नाराज दिख रहा था। शिनाख्त की कोशिश जारी सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल अस्पताल भेज दिया है।

बाबा गरीब नाथ मंदिर में फैंस कर रहे हैं पूजा-अर्चना, विश्व विजेता बनने के बाद कल फिर होगी पूजा

गया। फाइनल में जीत की कामना को लेकर मुजफ्फरपुर के बाबा गरीब नाथ मंदिर में भी पूजा और हवन का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए लगातार अखंड हवन किया जा रहा है। हवन मैच होने तक जारी रहेगा। आपको बता दें कि भारतीय टीम ळ20 विश्व कप में बिना कोई मैच हारे फाइनल में पहुंची है। भारतीय टीम फाइनल में भी शानदार प्रदर्शन करें और दक्षिण अफ्रीका को हराकर वर्ल्ड कप अपने नाम करें। इसके लिए आज शनिवार को बाबा गरीब नाथ धाम मंदिर में विशेष पूजा की गई है। कल भी पूजा की जाएगी महंत अभिषेक पाठक ने बताया कि आज बाबा गरीब नाथ मंदिर में सुबह 10:00 बजे दूध, दही, शक्कर से पूजा अर्चना किया गया। इसके बाद हवन कुंड में हवन किया जा रहा है। शाम 7:00 बजे तक यह हवन चलेगा। पूजा इंडिया टीम की जीत के लिए की जा रही है। इस बार भारतीय टीम विश्व विजेता बने, इसकी कामना है। वहीं वर्ल्ड कप जीतने के बाद कल भी पूजा की जाएगी।

एयरपोर्ट पर यात्रियों ने किया हंगामा, बोले-ज्यादा कीमत देने के बाद भी नहीं मिली सही सुविधा

दरभंगा। दरभंगा एयरपोर्ट से मुंबई जाने वाली स्पाइस जेट की फ्लाइट शनिवार सुबह 5 घंटे लेट हो गई। इससे नाराज यात्रियों ने बवाल काटा है। नाराज यात्रियों का आरोप है कि ज्यादा कीमत पर टिकट लेने के बावजूद एयरलाइंस की ओर से देरी होने की जानकारी यात्रियों को समय पर नहीं दी गई। न मेल किया गया और न ही मैसेज। यात्रियों ने आगे बताया कि जब हमलोग एयरपोर्ट पर पहुंचे, तो इस बात की जानकारी हमें दी गई। वहीं, एयरपोर्ट पर न तो बैठने की सही व्यवस्था है। न ही एयरलाइंस की ओर से खाना और पानी दिया जा रहा है। इसके साथ ही एयरपोर्ट के अंदर गर्मी रहने के कारण वहां रहना भी दुश्वार है। सुबह 10 बजे की फ्लाइट शाम 4 बजे जाएगी एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक दरभंगा से मुंबई के लिए स्पाइस जेट की विमान संख्या रू116 को दरभंगा से सुबह के 10 बजकर 50 मिनट पर उड़ान भरना था। लेकिन तकनीकी वजह से स्पाइस जेट की विमान दरभंगा नहीं पहुंची। जब काफी देर तक विमान की उड़ान के संबंध में एयरपोर्ट पर यात्रियों से जानकारी साझा नहीं की गई। तब यात्रियों ने पूछताछ काउंटर पर उड़ान के संबंध में जानकारी ली। यहां पता चला कि मुंबई की फ्लाइट शाम के 4 बजे उड़ान भरेगी। इसके बाद यात्रियों ने स्पाइस जेट के खिलाफ हंगामा किया है। गर्मी से परेशान लोग दरभंगा से मुंबई की फ्लाइट पकड़ने आए नीतीश शाह ने कहा कि दरभंगा से मुंबई की स्पाइस जेट की फ्लाइट 10 बजकर 50 मिनट पर थी। लेकिन बिना किसी नोटिस के फ्लाइट को 3 बजकर 55 मिनट कर दिया गया। अभी तक यह भी कन्फर्म नहीं है कि उस समय पर विमान जाएगी भी या नहीं। यहां पर तैनात कर्मी कुछ बता भी नहीं रहे हैं। हमलोगों के आने जाने के खर्च के साथ समय भी बर्बाद हो गया। सभी यात्रियों को बाहर बैठा दिया गया है। गर्मी से सभी यात्रियों का हाल बेहाल बना हुआ है। स्पाइस जेट फ्लाइट की व्यवस्था बहुत बेकार वहीं, नीतीश ने बताया कि दरभंगा एयरपोर्ट पर किसी प्रकार की सुविधा नहीं है। इसके कारण सभी यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्पाइस जेट की फ्लाइट की व्यवस्था बहुत ही बेकार है। यहां न अल्टीमेशन दिया गया और न ही कुछ किया गया। स्पाइस जेट के सीनियर स्टाफ बाहर नहीं आ रहे हैं। 14 हजार देकर हमलोग यात्रा करने आते हैं। उसका भी ख्याल नहीं रखा जा रहा है। किसी का कनेक्टिंग फ्लाइट है, दुबई का उसे और दिक्कत हो रही है। इस तरह की व्यवस्था में सब पैसा बर्बाद चला जाता है।

संक्षिप्त समाचार

मास्को में डॉरमेट्री में लगी आग, पांच लोगों की मौत

मास्को , एजेंसी। मास्को के एक उपनगर में एक डॉरमेट्री में आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। रूसी मीडिया ने शनिवार सुबह आपातकालीन सेवाओं के हवाले से यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी तास ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बालाशिखा उपनगर स्थित डॉरमेट्री में बिजली की खराबी के कारण आग लगी थी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, जलती हुई दो मंजिला इमारत से कई लोगों को बचाया गया। तास ने आपातकालीन सेवाओं के हवाले से बताया कि डॉरमेट्री में मुख्य रूप से विदेशी प्रवासी श्रमिक रहते थे।

जर्मन कंपनियों ने कहा- भारत में विकास की बहुत संभावनाएं, वे हिस्सेदार बनने को उत्सुक

बर्लिन , एजेंसी। अधिकतर जर्मन कंपनियों का मानना है कि भारत में विकास की बहुत संभावनाएं हैं और वे इस विकास की हिस्सेदार बनने को उत्सुक हैं, लेकिन 2023 में हालात कुछ अगल दिखाई दे रहे हैं। वहीं, अब अधिक जर्मन कंपनियों ने 2023 की तुलना में इस वर्ष देश में व्यापार करने में एक समस्या के रूप में भारत में नौकरशाही बाधाओं का हवाला दिया है। ये एक ऐसा मुद्दा जो इस वर्ष के अंत में चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के नई दिल्ली दौरे पर बातचीत में शामिल होने की संभावना है।

इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 64त्न जर्मन व्यवसायों ने नौकरशाही बाधाओं - जैसे संरक्षणवादी उपायों और खरीद नियमों को देश में परिचालन में सबसे बड़ी कमी के रूप में सूचीबद्ध किया, जो पिछले साल 53त्न से अधिक है। रिपोर्ट से पता चलता है कि भ्रष्टाचार दूसरी सबसे बड़ी समस्या थी, जिसका हवाला 39त्न व्यवसायों ने दिया, जो पिछले साल 47त्न से कम है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, लगभग 2,000 जर्मन कंपनियाँ भारत में काम करती हैं, जिनमें लगभग 750,000 स्थानीय लोग कार्यरत हैं।

भारत में क्या है खासियत: एक सर्वे में शामिल कंपनियों ने बताया कि भारत में कुछ खास गुण हैं, जो उन्हें आकर्षित करते हैं। इन गुणों में सस्ता श्रम, राजनीतिक स्थिरता और कुशल कामगारों की उपलब्धता जैसी बातों को गिनाया गया है। कई कंपनियों ने प्रशासनिक बाधाओं, भ्रष्टाचार और कर व्यवस्था जैसी चुनौतियों पर चिंता भी जाहिर की। सबसे ज्यादा 64 फीसदी कंपनियां प्रशासनिक बाधाओं को लेकर चिंतित हैं जबकि 39 फीसदी भ्रष्टाचार और 27 फीसदी कर व्यवस्था से नाखुश हैं।

रूस ने अमेरिका के साथ तोड़ा करीब 36 साल पुराना समझौता

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका के साथ हुई संधि को खत्म करने की घोषणा करते हुए परमाणु हथियार लेकर 5,500 किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों का निर्माण फिर से शुरू करने का आदेश दिया है। मध्यम दूरी तक मार करने वाली इन मिसाइलों का निर्माण रोकने का यह समझौता रूस और अमेरिका के बीच 1988 में हुआ था। उस समय सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचोव ने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के साथ इस बाबत समझौता किया था। 2019 में रूस पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए अमेरिका इससे अलग हो गया था, लेकिन रूस की ओर से पुतिन ने समझौता खत्म होने की औपचारिक घोषणा शुक्रवार को की है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक में पुतिन ने कहा कि अपने आक्रमण को नई मजबूती देने के लिए अब हम फिर से इन मिसाइलों का निर्माण करेंगे। रूस की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि समझौते से अमेरिका के हटने के बाद भी रूस ने 2019 के बाद मध्यम दूरी वाली इन मिसाइलों का उत्पादन शुरू नहीं किया था, लेकिन अमेरिका ने न केवल इन मिसाइलों का उत्पादन किया बल्कि अब वह इन्हें यूरोप को भी भेज रहा है।

इमरान की पार्टी पीटीआई ने उमर अयूब के इस्तीफे को किया नामंजूर, प्रस्ताव किया पारित

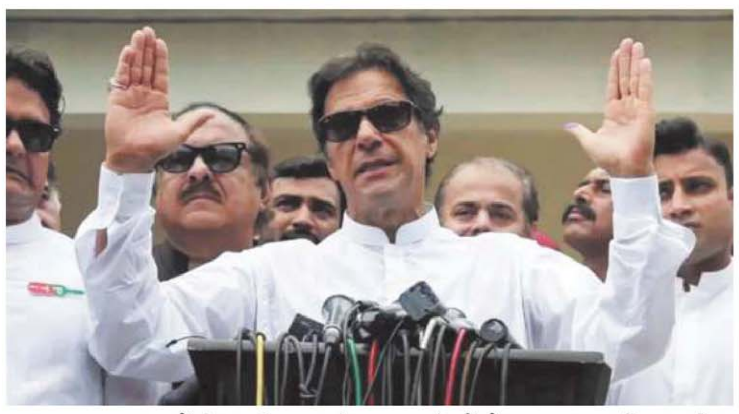

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। महासचिव उमर अयूब खान के इस्तीफे को अब पार्टी ने नामंजूर कर दिया है। संसदीय दल के सदस्यों ने उनके इस्तीफे को स्वीकार नहीं करने का प्रस्ताव पारित किया।

सांसदों ने प्रस्ताव कर दिया पारित: पीटीआई महासचिव के पद से उमर अयूब इस्तीफा देने के एक दिन बाद पार्टी सांसदों ने सर्वसम्मति से इसे नामंजूर करने का प्रस्ताव पारित किया है। पीटीआई के भीतर बढ़ते मतभेदों की खबरों के बीच यह एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम था, क्योंकि उमर ने कहा कि वह पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता के रूप में अपनी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करना चाहते थे।

उमर ने कहा था कि पीटीआई के संस्थापक इमरान खान ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और पार्टी के अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान को संबोधित एक पत्र के माध्यम से 22 जून को दिए गए उनके इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है।

हालांकि, पीटीआई सांसदों की एक बैठक में विपक्षी नेता के इस्तीफे को स्वीकार न करने और पार्टी के महासचिव के रूप में उनके नेतृत्व पर पूरा भरोसा जताने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

असंतुष्ट नेताओं के अलग ब्लॉक बनाने की रिपोर्टों की हुई निंदा

इसके अलावा, प्रस्ताव में पीटीआई महासचिव के रूप में उमर की सेवाओं को जारी रखने का प्रस्ताव रखा गया। इस प्रस्ताव में पीटीआई के कुछ असंतुष्ट नेताओं द्वारा फॉरवर्ड ब्लॉक के संभावित गठन की रिपोर्टों की भी निंदा की गई। प्रस्ताव में कहा गया कि पीटीआई में किसी भी फॉरवर्ड ब्लॉक के बारे में रिपोर्टों में कोई सच्चाई नहीं है। सभी सदस्य पार्टी के संस्थापक और आजीवन अध्यक्ष के नेतृत्व में एकजुट हैं। पीटीआई के वरिष्ठ नेता शेर अफजल मारवात ने फिदाय पर पीटीआई के दिग्गज शिबली फराज से इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि पार्टी तभी कब्जा माफिया से मुक्त होगी। फराज और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ विवाद में रहे मारवात ने कहा, मैं शिबली फराज से पार्टी के पदों और सीनेट में विपक्ष के नेता के रूप में इस्तीफे की मांग करता हूं। इससे पहले मई में मुखर न्यायविद से राजनेता बने अफजल मारवात ने सीनेटर फराज और उमर के साथ काम करने से भी इनकार कर दिया था, उन्होंने कहा था कि उन्होंने उन्हें पीटीआई के संस्थापक इमरान खान से मिलने की अनुमति नहीं दी।

पनामा पेपर्स मामले के ट्रायल में कई बड़ी शख्सियतों को राहत, कोर्ट ने 28 आरोपियों को किया बरी

पनामा सिटी एजेंसी। पनामा पेपर्स का मामला बहुत पुराना हो चुका है। इस मामले में टैक्स चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग का स्कैंडल दुनिया के सबसे बड़े घोटालों में से एक है। सालों पहले इस मामले के खुलासे ने दुनिया भर के कई देशों में सनसनी मचा दिया था। इस खुलासे में दुनिया के कई प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आए थे। इस बीच, शुक्रवार को एक पनामा की अदालत ने पनामा पेपर्स घोटाले के केंद्र में धन शोधन के आरोप में 28 लोगों को बरी कर दिया। न्यायालय ने इसकी जानकारी दी है। अप्रैल में पनामा सिटी में आयोजित मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने दोनों के लिए 12 साल की जेल की मांग की, जो मनी लॉन्ड्रिंग के लिए अधिकतम सजा है। हालांकि, मार्क्विनेज ने पाया कि लॉ फर्म के सर्वर से एकत्र किए गए साक्ष्य उचित प्रक्रिया के अनुरूप एकत्र नहीं किए गए थे, जिससे इसकी प्रामाणिकता और अखंडता पर संदेह पैदा हुआ। न्यायाधीश ने यह भी फैसला सुनाया कि बाकी सबूत प्रतिवादियों की आपराधिक जिम्मेदारी निर्धारित करने के लिए पर्याप्त और निर्णायक नहीं थे। अदालत के बयान में इसकी जानकारी दी गई। 2016 में मोसैक फोंसेका से लीक हुए दस्तावेजों से पता चला कि दुनिया के कितने अमीर लोगों ने ऑफशोर कंपनियों में संपत्ति जमा की है, जिससे दुनिया भर में कई जांच शुरू हो गई हैं। अन्य लोगों में पूर्व ब्रिटिश प्रीमियर डेविड कैमरन, फुटबॉल स्टार लियोनेल मेस्सी, अर्जेंटीना के तत्कालीन राष्ट्रपति मौरिसियो मैक्री और स्पेनिश फिल्म निर्माता पेड्रो अल्मोडोवर शामिल थे।

रूस के साथ जंग खत्म करने को तैयार यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की, बोले- एक बड़ी योजना पर चल रहा काम

कीव, एजेंसी। यूक्रेन हाल ही में अपने 10 लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कैदियों की रिहाई के बारे में शुक्रवार को जानकारी दी। इसी बीच उन्होंने बताया कि रूस के साथ जंग समाप्त करने के लिए वह एक बड़ी योजना तैयार कर रहे हैं। उनका मानना है कि उनकी योजना का दुनिया के अधिकांश देशों द्वारा समर्थन किया जाएगा।

युद्ध को समाप्त करने के लिए...: यूक्रेनी राष्ट्रपति ने स्लोवेनियाई राष्ट्रपति नताशा पिर्क मुसर के साथ शुक्रवार को कीव में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम युद्ध को समाप्त करने के लिए एक ऐसी योजना पेश करें, जिसका दुनिया के अधिकतर देशों द्वारा समर्थन किया जाएगा।

यह एक कूटनीतिक मार्ग: उन्होंने आगे कहा कि यह कूटनीतिक मार्ग है, जिस पर हम काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यूक्रेन और रूस के बीच वर्तमान में कोई बातचीत नहीं चल रही है।

फिलहाल कोई बातचीत नहीं: एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सार्वजनिक बयानों के आधार पर, यूक्रेन और रूस के बीच वर्तमान में कोई बातचीत नहीं चल रही है और संभावित शांति समझौते की शर्तों के मामले में दोनों पक्ष पहले की तरह ही एक दूसरे से दूर दिखाई दे रहे हैं।

यूक्रेनी की चेतावनी: यूक्रेन ने बार-बार कहा है कि शांति वार्ता शुरू होने से पहले रूस को अपने सैनिकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त क्षेत्र से बाहर निकालना होगा, जिसमें क्रीमिया प्रायद्वीप भी शामिल है। इसपर मॉस्को ने 2014 में कब्जा कर लिया था। हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन से मांग कर रहे हैं कि वह अपने पूर्व और दक्षिण के क्षेत्रों को खाली करके आत्मसमर्पण कर दे, जिस पर अब रूस का कब्जा है।

10 और लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब: इससे पहले, जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, हम अपने 10 और लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहे। हालांकि, जेलेंस्की ने यह नहीं बताया कि रिहाई यूक्रेन में बंद रूसी कैदियों से जुड़े समझौते का हिस्सा थी या नहीं। जेलेंस्की ने बताया कि जिन लोगों को रिहा किया गया है, उनमें से कुछ 2017 से जेल में हैं। इन लोगों को पूर्वी यूक्रेन के रूसी नियंत्रित हिस्सों से गिरफ्तार किया गया था। रूस ने 2014 से ही क्रीमिया प्रायद्वीप के साथ चार यूक्रेनी क्षेत्र- डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुगांस्क और जापोरिजिया पर कब्जा किया हुआ है।

वित्तीय कार्रवाई कार्यबल ने भारत की मूल्यांकन रिपोर्ट की स्वीकार

टेरर फंडिंग के खिलाफ कार्रवाई को सराहा

सिंगापुर, एजेंसी। वित्तीय कार्रवाई कार्यबल ने शुक्रवार को सिंगापुर में हुई अपनी पूर्ण बैठक के दौरान धन शोधन पर भारत की पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट को स्वीकार किया और आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ इसकी कार्रवाई की प्रशंसा की। सरकार ने इस कदम की सराहना करते हुए इसे ''एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया है। तीन दिवसीय पूर्ण बैठक के अंत में अपने संक्षिप्त बयान में एफएटीएफ ने कहा है कि भारत अपने मानदंडों के साथ 'तकनीकी अनुपालन के उच्च स्तर पर पहुंच गया है और धनशोधन एवं आतंकी वित्तपोषण के खिलाफ भारत की कोशिशों के बढ़िया नतीजे आ रहे हैं। हालांकि, एफएटीएफ ने कहा कि भारत को धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण के मुकदमों की सुनवाई पूरी करने में होने वाली देरी का समाधान करने की जरूरत है। इसने कहा कि ''गुणवत्ता एवं निरंतरता समीक्षा पूरी होने के बाद देश के संबंध में अंतिम मूल्यांकन रिपोर्ट प्रकाशित की जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक, 'नियमित फॉलोअप श्रेणी से संकेत मिलता है कि भारत को अनुशंसित कार्यों पर अक्टूबर 2027 में प्रगति रिपोर्ट पेश करने की जरूरत है। वहीं 'अधिक फॉलोअप श्रेणी में शामिल देशों को हर साल आगे की कार्रवाई से संबंधित रिपोर्ट पेश करनी होती है। पेरिस मुख्यालय वाला एफएटीएफ

धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए वैश्विक कार्रवाई का नेतृत्व करता है। नवीनतम निर्णय 26-28 जून को स्त्रञ्जस्त्र की पूर्ण बैठक के अंत में सार्वजनिक किये गये। भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व केंद्रीय वित्त मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) के प्रभारी निदेशक विवेक अग्रवाल ने किया। नयी दिल्ली में, वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि स्त्रञ्जस्त्र द्वारा भारत का सकारात्मक मूल्यांकन धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के देश के प्रयासों में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

मंत्रालय ने कहा कि स्त्रञ्जस्त्र पारस्परिक मूल्यांकन में भारत का प्रदर्शन बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिहाज से खासा अहम है, क्योंकि यह वित्तीय प्रणाली की समग्र स्थिरता और अखंडता को दर्शाता है। स्त्रञ्जस्त्र दिशानिर्देशों के अंतर्गत भारत का पारस्परिक मूल्यांकन पिछली बार 2010 में किया गया था। इस मूल्यांकन का मकसद किसी देश की वित्तीय अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कानून और नीति बनाने तथा उन्हें लागू करने की क्षमता की पड़ताल करना है। एफएटीएफ ने यह भी कहा है कि भारत को कुछ गैर-वित्तीय क्षेत्रों में निवारक कदमों के पर्यवेक्षण और कार्यान्वयन को मजबूत करने की जरूरत है। इसने कहा कि भारत को धनशोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण से संबंधित मुकदमों को अंजाम तक पहुंचाने में होने वाली देरी को दूर करने की जरूरत है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि स्त्रञ्जस्त्र पारस्परिक मूल्यांकन में भारत का प्रदर्शन बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिहाज से खासा अहम है, क्योंकि यह वित्तीय प्रणाली की समग्र स्थिरता और अखंडता को दर्शाता है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''अच्छी रेटिंग से वैश्विक वित्तीय बाजारों और संस्थानों तक बेहतर पहुंच होगी और निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा। यह भारत की त्वरित भुगतान प्रणाली यूपीआई के वैश्विक विस्तार में भी मदद करेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि एफएटीएफ ने भारत के लिए अच्छा और शानदार परिणाम दिया है। उन्होंने कहा, ''यह इस मायने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

चीन में भारतीय युवक का अपहरण

1 करोड़ फिरौती न मिलने पर चौथी मंजिल से फैंक कर की हत्या

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक भारतीय युवक की अपहरण के बाद हत्या का खौफनाक मामला सामने आया है। युवक सतीश कुमार माली राजस्थान में जालोर के भीनमाल का रहने वाला बताया जा रहा है। चीन में किडनैपर्स ने सतीश का अपहरण किया और परिवार से 1 करोड़ की फिरौती मांगी और रुपए न मिलने पर उसको चार मंजिला इमारत से नीचे फेंक दिया जिससे सतीश की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार ने युवक के बिजनेस पार्टनर पर किडनैपिंग और मर्डर का शक जताया है। सतीश पुत्र नरसाराम माली बीपीएल परिवार से था। 21 जून को सतीश का चीन

में कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया और परिवार से वॉट्सऐप कॉल के जरिए 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। पैसे मुंबई में हवाला के जरिए एक व्यापारी को देने के लिए कहा गया था। परिवार वाले पैसों की व्यवस्था नहीं कर पाए तो आरोपियों ने सतीश की चार मंजिला इमारत से नीचे फेंक कर हत्या कर दी। सतीश की मौत से परिवार स्तब्ध है और उसका शव भारत लाना चाहते हैं। परिवार ने बताया कि वीजा संबंधी दिक्कतों के चलते उन्हें शव लाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।जालोर सांसद लुंबाराम इस परिवार की मदद कर रहे हैं। उन्होंने 26 जून को विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर परिवार को वीजा दिलाने और सतीश के शव को इंडिया लाने के लिए मदद मांगी है। परिजनों ने बताया कि घर के आर्थिक हालात ठीक करने के लिए सतीश पहले मुंबई में काम करता था। वहीं पर एक दोस्त ने उसे चीन से मोबाइल के पार्ट्स लाकर इंडिया में बेचने का आइडिया दिया। इस काम में अच्छा मुनाफा था, इसीलिए सतीश मान गया और वो दो साल पहले चीन के गुआंगजो शहर पहुंच गया। वहां से उसने हर महीने कम से कम एक बार मोबाइल के पार्ट्स इंडिया लाकर बेचना शुरू कर दिया। इस दौरान वो 15 से 20 दिन चीन में रुकता भी था। सबकुछ ठीक चल रहा था लेकिन 21 जून को रात करीब 11 बजे सतीश के फोन से किडनैपर्स ने उसके सूरत में रहने वाले दोस्त कल्पेश कुमार प्रजापत को वॉट्सऐप कॉल किया। किडनैपर ने कल्पेश से बताया कि उन्होंने सतीश का अपहरण कर लिया है और उसे जिंदा देखने के लिए 1 करोड़ रुपए देने होंगे।

रूस ने 10 यूक्रेनी कैदियों को रिहा किया

मास्को, एजेंसी। यूक्रेन अपने 10 लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहा है। वेटिकन की मध्यस्थता से हुए समझौते के बाद कैदियों की रिहाई संभव हो पाई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कैदियों की रिहाई के बारे में शुक्रवार को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रूस और बेलारूस में बंदी बनाए गए एक राजनेता और दो पुजारियों सहित 10 नागरिकों को रिहा कर दिया गया है। जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, हम अपने 10 और लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहे। हालांकि, जेलेंस्की ने यह नहीं बताया कि रिहाई यूक्रेन में बंद रूसी कैदियों से जुड़े समझौते का हिस्सा थी या नहीं। जेलेंस्की ने बताया कि जिन लोगों को रिहा किया गया है, उनमें से कुछ 2017 से जेल में हैं। इन लोगों को पूर्वी यूक्रेन के रूसी नियंत्रित हिस्सों से गिरफ्तार किया गया था। रूस ने 2014 से ही क्रीमिया प्रायद्वीप के साथ चार यूक्रेनी क्षेत्र- डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुगांस्क और जापोरिजिया पर कब्जा किया हुआ है। रिहा किए गए पांच लोगों को बेलारूस से गिरफ्तार किया गया था। इन पर रूसी सैन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाकर कीव की सेना की सहायता करने का आरोप था। मुक्त किए गए इन लोगों में एक वरिष्ठ क्रीमियन तातार राजनेता नरीमन जेलाल और यूक्रेनी ग्रीक कैथोलिक चर्च के दो पुजारी शामिल थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि रूसी सेना द्वारा बंदी बनाए गए सभी लोग रिहा होकर यूक्रेन में अपने घर वापस आ गए हैं।

अमेरिका में लॉन्ग आइलैंड द्वीप पर सैलून से टकराई मिनीवैन, 4 की मौत और 9 घायल

न्यूयॉर्क एजेंसी। अमेरिकी राज्य न्यूयॉर्क में सड़क हादसे के मामले खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। अब एक मिनीवैन के नेल सैलून में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से चार लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। न्यूयॉर्क की रिपोर्ट के अनुसार,अधिकारियों का कहना है कि मिनीवैन शुक्रवार को शाम करीब 4:30 बजे लॉन्ग आइलैंड के डियर पार्क में नेल सैलून से टकरा गई। दुर्घटना का सही कारण अभी भी पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों ने आगे बताया, सभी मृतक नेल सैलून के अंदर थे। यह सभी

के लिए काफी खतरनाक मंजर था। अधिकारियों ने ये भी कहा, साथ ही इससे समुदाय पर भी असर पड़ेगा। वहीं स्वयंसेवी अग्निशमन विभाग के लिए भी काफी मुश्किल परिस्थिति है, लेकिन हम इससे जल्द ही उबरेंगे।

अग्निशमन विभाग के अधिकारी का बयान: बस डियर पार्क अग्निशमन विभाग के सहायक प्रमुख डोमिनिक अल्बानीज का भी इस मामले में बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, विशेष रूप से साल के इस समय में सभी अच्छी चीजें हो रही हैं, ड्राइवर को अस्पताल ले जाया गया और वह होश में था। फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया।

नेपाल में बारिश ने मचाई तबाही, 7 लोगों की मौत; लैंडस्लाइड में बहे घर

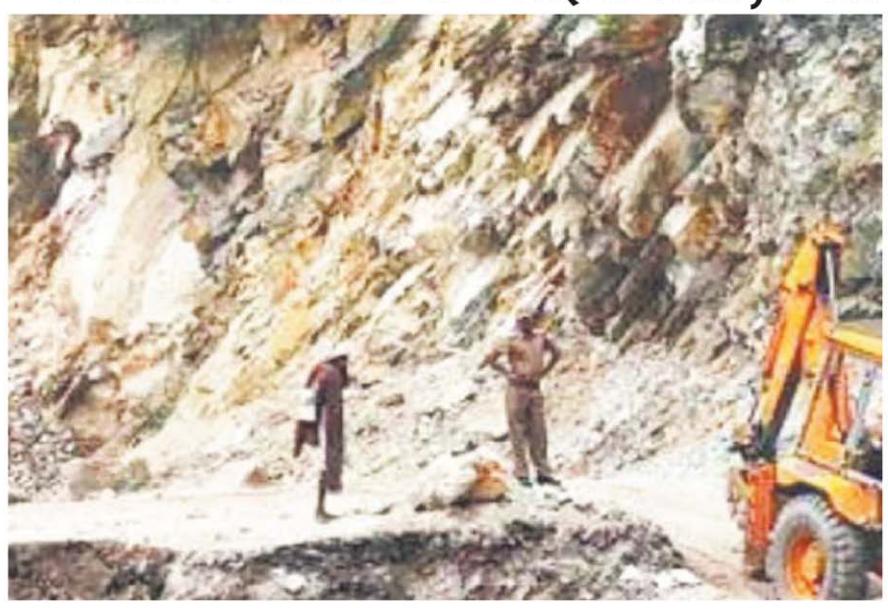

काठमांडू, एजेंसी। पश्चिमी नेपाल में लगातार दो बार लैंडस्लाइड हुई। लैंडस्लाइड में सात लोगों की मौत हो गई। गुल्मी जिले के मलिका ग्रामीण नगर पालिका में लैंडस्लाइड में एक घर के बह जाने से एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है।

नगर पालिका के अध्यक्ष देवी राम आर्यल ने बताया कि भारी बारिश के कारण ये लैंडस्लाइड हुई और सभी शव बरामद कर लिए गए हैं। जिला पुलिस के प्रवक्ता इंद्र बहादुर राणा के अनुसार, स्यांगजा जिले के फेदिखोला ग्रामीण नगर पालिका में लैंडस्लाइड में एक मां और बेटी की मौत हो गई। नेपाल में 10 जून को मानसून का मौसम शुरू हुआ और ताजा मौतों के साथ, बारिश से संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या 34 तक पहुंच गई है।

नेपाल में आए दिन सड़क हादसे होते रहते हैं, इससे पहले दक्षिणी नेपाल से एक सड़क दुर्घटना का मामला सामने आया है। इस सड़क दुर्घटना में दो भारतीयों की मौत हो गई थी। भारतीय बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के रहने वाले थे, इनमें से एक का नाम तमन्ना शेख (35) और दूसरे का नाम इरफान आलम (21) थी। नेपाल पुलिस ने इस बात की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि ये हादसा उस समय हुआ जब उनकी कार पूर्वी पश्चिम राजमार्ग के साथ चंद्रनिगाहपुर खंड में एक पहाड़ी सड़क से नीचे गिर गई।

नदी में जा गिरी थी यात्रियों की बस: इससे पहले मार्च में भी नेपाल के बागमती प्रांत में बड़ा सड़क हादसा हुआ था। इस हादसे में एक यात्री बस नदी में गिर गई थी। नदी में गिर जाने से एक महिला समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गई थी और 30 घायल हो गए थे। जानकारी के लिए बता दें कि यह बस काठमांडू जा रही थी।

कला-साहित्य

कविता

नरेश अग्रवाल
जमशेदपुर

विकट थी समस्या

डाकुओं ने उसे
कुछ दिन नहीं
वर्षों तक अपने साथ रखा
फिर भी डाकू न बना सके
विष न भर सके दिमाग में

गाली देना नहीं आया उसे
न दुत्कारना, न ठोकर मारना

वह अभी भी प्यार से
जी हुजूर कहता है
जिससे छीनना है
उसे दूर भगा देता
गोली की आवाज से डर जाता

हार कर उसे बेच दिया
एक बड़े साहूकार को

यहां अचानक उसका रंग बदला
दासता का भार सह न सका
डाकुओं के साथ गुजारे
दिन याद आने लगे

चमत्कार हुआ उसकी देह में
सोचने का रसायन बदला
सारे गहने लूट कर सेठ के
जा मिला डाकुओं से

चकित थे गैंग के आदमी
अब वह पहले जैसा नहीं रहा
उसके सामने के दांतों से
विष टपक रहा
आंखें भी खूंखार
मुंह से गालियां
हाथ में सेठ की लाइसेंसी पिस्तौल

विकट थी समस्या
सरदार के सामने
उसे मित्र माने या पुराना दास।।

माधवी उपाध्याय
जमशेदपुर

रिश्ते-नाते हो गए झूठे

परिवेश बदलता देख-देख,
मनवा हर पल घबराता है।
स्वयं मगन हैं दुनिया वाले,
रिश्ते-नाते हो गये झूठ।
फर्ज निभाने को ही सारे,
हाल एक-दूजे का पूछें।
निर्बल औ असहायों पर न,
ध्यान किसी का जाता है।
परिवेश बदलता देख ...!

खुद जब संकट से घिर जाएँ,
सारे रिश्ते याद आ जाएँ।
छोटे हों या बड़े सभी का,
साथ सभी ही पाना चाहें।
दंभ के ऊपर स्वार्थ का शासन
तब यूँ हावी हो जाता है।
परिवेश बदलता देख ...!

यूं तो मीत कई हैं सबके,
अपनापन छलकाने वाले।
लेकिन एक नजर न आते,
दुख में दर्द बाँटने वाले
विपदा कोई आन पड़ी तो,
भ्रम क्षण में छंट जाता है।
परिवेश बदलता देख...!

सैलानियों की सबसे पसंदीदा जगह टाइगर फॉल

घुमक्कड़ की पाती

इस जगह पर आना जितना आसान है उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। चकराता के जंगल और पहाड़ दोनों ही प्यारे हैं। दोनों में ही एक अलग तरह का सम्मोहन है। यह मेरी अब तक की घूमी सबसे शांत और खूबसूरत जगहों में से एक है। चकराता बाजार से निकलते ही जो रास्ता शुरू होता है, वह किसी जादुई दुनिया या फिर जन्नत में होने का अहसास कराता है। हम खूबसूरत जंगलों और बेहद ही शांत रास्तों से होते हुए लाखामंडल की तरफ बढ़ते हैं।

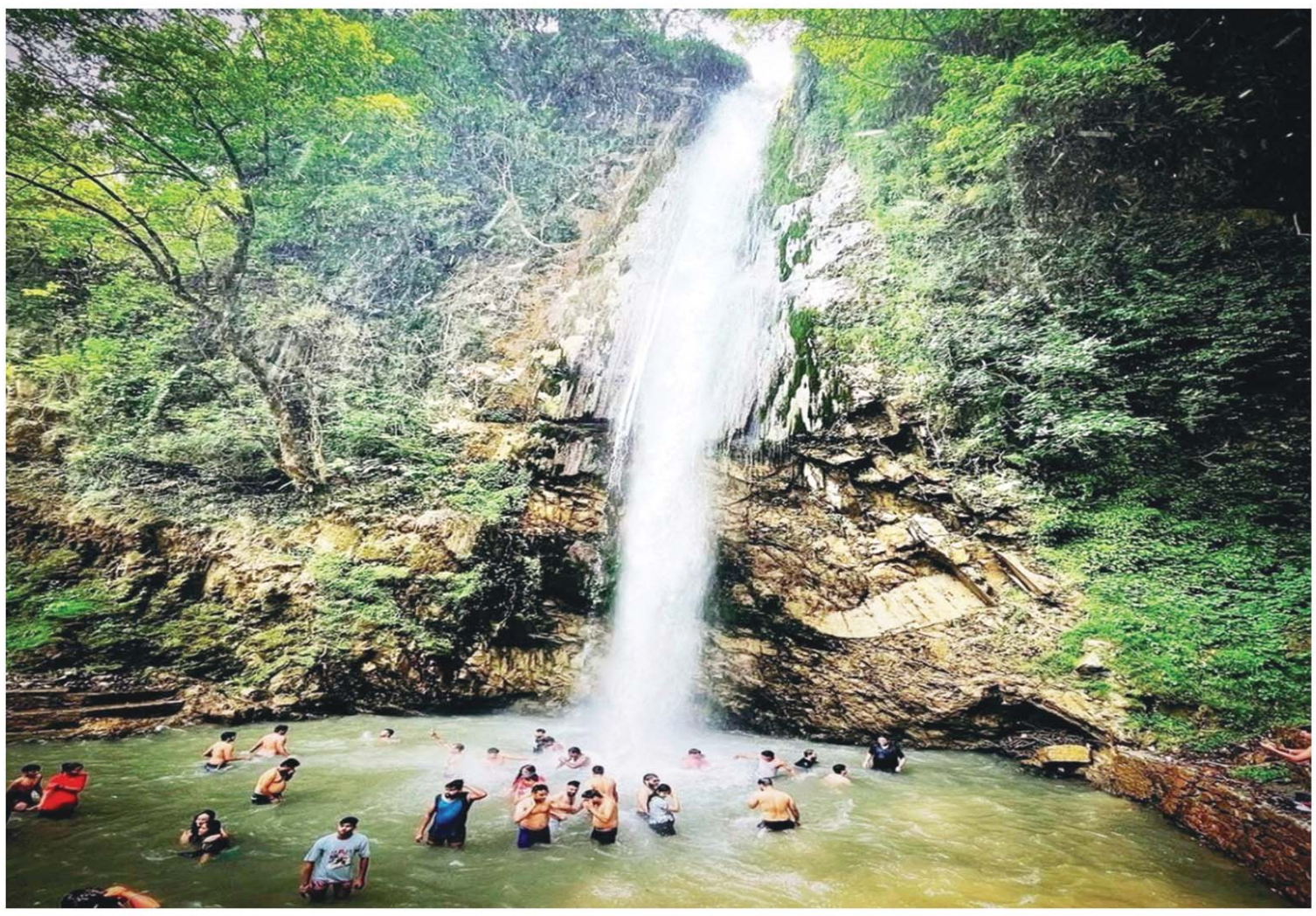

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

उत्तराखंड स्थित देहरादून के पास हम चकराता गए थे। यहां से निकलने के बीस किमी के बाद एक जगह आती है, जहां से टाइगर वॉटर फॉल के लिए रास्ता कटता है। यह देश के सबसे बड़े वॉटर फॉल में गिना जाता है। इस जगह से वॉटर फॉल की दूरी महज छह किमी के आसपास रह जाती है, जिसे अपने निजी वाहन अथवा पैदल पार किया जा सकता है। चकराता यात्रा के दौरान मैंने इस जगह के बारे में अनन्या को बताया तो वह मचल पड़ी। 'क्या हम इस जगह पर नहीं जा सकते?' उसने सवाल किया। मैंने कहा, 'जा सकते हैं लेकिन हमारा लक्ष्य कुछ और है। वह लक्ष्य इस जगह पर जाने के बाद पीछे छूट जाएगा।' वह बोली, 'पहले हम अपने लक्ष्य की तरफ ही बढ़ते हैं।' मैंने भी अपने आपको समझा लिया, लेकिन टाइगर फॉल के सम्मोहन से खुद को नहीं बचा पाया। मैं देर तक अपनी पिछली यात्रा के बारे में सोचता रहा। इस जगह पर पहुंचने के बाद यह मेरी ही नहीं, बल्कि आकृति की भी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थी। उसने मुझसे कहा था कि- तुम जब भी इस जगह पर आना तो मुझे याद करना। मुझे फोन करना बिल्कुल भी नहीं भूलना। मैं उसे फोन तो नहीं कर पाया, लेकिन उसे कई बार याद किया।

इस जगह पर आना जितना आसान है उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। चकराता के जंगल और पहाड़ दोनों ही प्यारे हैं। दोनों में ही एक अलग तरह का सम्मोहन है। यह मेरी अब तक की घूमी सबसे शांत और खूबसूरत जगहों में से एक है। चकराता बाजार से निकलते ही जो रास्ता शुरू होता है, वह किसी जादुई दुनिया या फिर जन्नत में होने का अहसास कराता है। हम खूबसूरत जंगलों और बेहद ही शांत रास्तों से होते हुए लाखामंडल की तरफ बढ़ते हैं। सड़क पर लगा बोर्ड हमें रोक देता है, जी में आता है कि क्यों न एक दिन इस झरने के साथ बिताते हैं? जो हमारे लिए सम्भव नहीं होता, लेकिन कुछ स्मृतियां हैं जो मुझे अपनी तरफ खींच लेती हैं।

मैं सच के साथ होते हुए भी अपनी स्मृतियों के रास्ते पर निकल पड़ता हूं। मुझे एक एक रास्ता याद आता है। एक-एक मोड़ भी जहां से हम मुड़े थे। वह छोटी सी दुकान, जहां हमने राजमा और चावल खाया था। फिर पैदल चलते हुए टिकट काउंटर तक पहुंचे थे। हमने टिकट लिया था और पैदल ही निकल पड़े थे। इन रास्तों पर बढ़ते हुए मन में एक डर था, साथ ही साथ एक सम्मोहन भी। एक पतला सा पहाड़ी रास्ता जब किसी घाटी में जाकर खुलता था, तो खुशी के मारे हमारी आँखें चमक जाया करती थीं। हम एक-दूसरे को देखते, खुश होते और हवा में उछलने लगते थे। फिर याद आता कि हमारी मंज़िल यह नहीं, कहीं और है। हम दोबारा एक अनजान रास्ते पर बढ़ने लगते थे।

हमारा यह साथ अभी महज कुछ दिनों का था, लेकिन ऐसा लगने लगा था कि कुछ दिनों नहीं, बल्कि कुछ महीनों का है। हम एक-दूसरे को वर्षों से जानते हैं। लेकिन यह सच नहीं था। इस दौरान हम कई बार रास्ता भटके। कई बार फिसले और अंततः रास्ते पर आ गए। थकान ऐसी कि मानों पूरा शरीर टूट रहा हो, लेकिन कुछ दूर और कुछ दूर और करके हमने जब छह किमी का पहाड़ी रास्ता पूरा कर लिया तो एक छोटा सा पुल आया। हमने उस पुल को पार किया तो सामने जो नजारा था, उसे देखकर दिल प्रसन्नता और उन्माद से झूम उठा। ऐसा लग रहा था कि आसमान से जैसे कि कोई नदी धरती पर उतर रही हो।

झरने के गिरने की जो आवाज थी, उसमें एक उन्माद था। एक सम्मोहन जो किसी को भी अपनी तरफ खींच ले। हम दोनों के अलावा उस जगह पर कोई नहीं था। हमने अपने-अपने कपड़े उतारे और नवंबर की सर्द के बावजूद झरने में कूद पड़े। एक घंटे तक जमकर नहाया और शरीर जब सर्द से काँपने लगा तो वहाँ से निकलकर हम धूप में बैठ गए। और तब तक बैठे रहे जब तक कि देह सूख नहीं गई। आकृति ने इस जगह पर लाने के लिए शुक्रिया कहा और प्रकृति के नजारों के बीच खो गई।

नहाने के बाद मुझे जोरों की भूख लगी थी। लेकिन खाने के लिए हमारे पास नूडल्स के अलावा कुछ भी नहीं था। मैंने आकृति से पूछा चाय पियोगी? वह बोली- नेकी और पूछ-पूछ। मैंने कहा- बस थोड़ी सी लकड़ियाँ इकट्ठी करनी होगी और वह तैयार हो गई। हम दोनों ने मिलकर लकड़ियाँ जुटाई। आग जलाई, खाने के लिए नूडल्स और पीने के लिए चाय बनाया और एक दूसरे से खूब बातें कीं। कहने के लिए तो यह यात्रा बहुत ही मामूली थी, लेकिन इस जगह की खूबसूरती और इससे जुड़ा अहसास इतना गहरा था कि यह हमेशा-हमेशा के लिए हमारी स्मृतियों में बस गई। आज भी जब किसी खूबसूरत और अनजान जगह पर जाने की बात आती है तो टाइगर वॉटर फॉल का नाम मेरे जेहन में उतर आता है। इस जगह पर हमने खूब फोटोग्राफी की, जी भर के वीडियो बनाए और शाम को जब वापस लौटने की बारी आई तो आकृति ने कहा, क्या हम एक रात इस जगह पर रुक नहीं सकते? मैंने कहा- नहीं। वह बोली, एक ही रात की तो बात है? होटल में जाकर बितायें या फिर इस प्रकृति के बीच क्या ही फर्क पड़ता है।

दरअसल, वह इस जगह की खूबसूरती के सम्मोहन में थी। जंगल और जानवरों का खतरा क्या होता है, उसे मालूम नहीं था। कैम्पिंग करने का अपना एक अलहदा रोमांच होता है, लेकिन हर जगह पर कैम्पिंग नहीं की जा सकती है। हमें जगह के साथ साथ अपनी सुरक्षा का भी ख़्याल रखना पड़ता है। नहीं कह देने के बाद भी मैं हाँ की सहूलियत तलाश रहा था। आखिरकार, मुझे झरने से थोड़ी ऊँचाई पर एक सुरक्षित जगह नजर आई। साथ ही साथ कुछ लोग और उनके लगे हुए टेंट भी। मैंने आकृति की तरफ देखा और उसने मेरी तरफ। मैंने कहा, हाँ क्यों नहीं एक रात की ही तो बात है और हमने अपना टेंट लगा दिया। आग जलाई, कुछ खाने पीने का इंतजाम किया और सो गए और सुबह उठे तो ऐसा लगा कि हिमालय की सारी खूबसूरती हमारी आँखों में उतर आयी है।

व्यंग्य ■ बर्बरीक

यक्ष इन पुस्तक मेला

दिल्ली का पुस्तक मेला समाप्त हो चुका था, धर्मराज युधिष्ठिर हस्तिनापुर के अलावा इंद्रप्रस्थ के भी सम्राट थे। अचानक यक्ष प्रकट हुए, उन्होंने सोचा कि चलकर देखा जाए कि धर्मराज अभी भी वैसे हैं या बदल गए, जैसे कि मेरे सरोवर का जल पीने के समय थे। युधिष्ठिर से मिले, कुशलक्षेम हुई, उन्होंने यक्ष से कहा कि 'चलो इंद्रप्रस्थ में पुस्तक मेला लगवाना है,वहीं बातें भी हो जाएंगी 'यक्ष उनके साथ हो लिये। यक्ष नाखुश हुए उन्होंने कहा' हे धर्मराज, यदि मेरे प्रश्नों के उत्तर ना दिए तो मारे जाओगे'।

धर्मराज ने हामी भर दी। यक्ष ने पूछा

'हे राजन, जब दिल्ली में मेला लग चुका था, तब इंद्रप्रस्थ में पुस्तक मेले की क्या जरूरत थी?'

युधिष्ठिर ने कहा

'धर्मो रक्षत रक्षितः' अर्थात जिसने पुस्तक मेले में किसी की किताब दो सौ रुपये की किताब चार रुपये की उसकी कटिंग चाय पीकर खरीदी है, वो बहुत आक्रोशित है, उसे भी अपनी किताब बेचने, ऑटोग्राफ देने और सेल्फी पोस्ट करने का अवसर देना ही सामाजिक न्याय होता है, अन्यथा विद्रोह होगा। गीता का यथार्थ यही है यक्ष। यक्ष दुखी हो गए, बोले 'हे राजन, आपने मुझे पुस्तक मेले में क्यों नहीं बुलाया, मैं धन्य होते-होते रह गया, अब भी घुमा दो, देख लूं जाती हुई बहार को'। धर्मराज अपने साथ लेकर मेले के स्थान पर पहुंचे। अंदर घुसते ही महिलाओं- पुरुषों का एक दल नजर आया। ये सब एक-दूसरे को किताबें दे रहे थे, और अपना सामान लेकर सरस्वती की मूर्ति को प्रणाम करके विदा ले रहे थे। यक्ष ने पूछा 'हे राजन, ये लोग कौन हैं क्या कर रहे हैं?'

धर्मराज ने कहा 'हे यक्ष, ये सब हिंदी के लेखक-लेखिकाएं हैं जो विभिन्न शहरों से दिल्ली आए थे पुस्तक मेले में। ये अपनी उपेक्षा से हताश हैं, फटेहाल हैं, फिर भी सरस्वती की मूर्ति को प्रणाम कर-के एक दूसरे को अपनी पुस्तकें दे रहे हैं और अपने घर जा रहे हैं'। यक्ष की आँख नम हो गई, उसने हाथ जोड़कर सरस्वती की मूर्ति और उन सभी को प्रणाम किया। थोड़ा आगे बढ़ने पर एक बहुत खूबसूरत पोस्टर नजर आया, जिसमें एक दिव्य सुंदरी की चमचमाती फोटो लगी थी, फोटो के नीचे एक जनाना बैठी विलाप कर रही थी। उस जनाना के सिर में बाल नहीं थे, बगल में विग पड़ी थी। आगे के दो दांत टूटे हुए थे, नकली दांतों का सेट पड़ा हुआ था। उसके कीमतों वस्त्रों और आभूषणों का किराया मांगने वाले उसे हड़का रहे थे और वो मरियल सी जनाना गुमसुम थी।

यक्ष ने पूछा 'हे राजन, ये तस्वीर किसकी है, और वो जनाना कौन है'? धर्मराज ने ठंडी साँस लेते हुए बताया 'हे राजन ऊपर जो दिव्य सुंदरी का पोस्टर लगा है, नीचे वही जनाना बैठी है, ये नई वाली हिंदी है, जो उधार के बिंबों पर चलती है। उसका सच उसके पोस्टर के ठीक नीचे है। तब तक हिंदी ने नई वाली हिंदी की तरफ पीठ फेरते हुये कहा

'वो शख्स जिसका कद मेरे कद से बड़ा था

वो शख्स किसी और के पैरों पर खड़ा था।'

नई वाली हिंदी ने हिंदीं से कहा-मैं क्या करूं, मेरा दर्द ये है कि

'क्षमा करो हे वत्स, और देवी, समय आया है ऐसा

दो अक्षर लिखते ही लेखक कहते हैं निकालो पैसा'

अब आप ही बताएं यक्ष और धर्मराज बिना अश्रु, स्वेद और पर्याप्त तैयारी के बल पर सिर्फ बिक्री के गुरों पर फोकस होगा तब मेरा यही अंजाम होगा, इस गाय से पहले दिन सबको दूध चाहिये, मगर घास काटने का दर्द कोई नहीं लेना चाहता, हे यक्ष यही हाल रहा तो मैं आपके सरोवर का जल आकर पी लूंगी। तब इन लेखक लेखिकाओं की तपस्या के बाद ही आप मुझे जीवित करना।

यक्ष और युधिष्ठिर ने तब तक देखा कि एक स्थान पर जल का छिड़काव हो रहा है, धुंआ निकल रहा है और पात्र में जल डाल रहे हैं सब। यक्ष ने हर्षित होते हुए कहा' धर्मराज ये साधुओं का दल देखकर मन हर्षित हो गया। कलियुग में भी यज्ञ हो रहा है, धूम्र देखो, एक ही पात्र में सब जल पी रहे हैं कैसा उत्तम आदान-प्रदान है, सर्वत्र बन्धुत्व का, कौन हैं ये लोग'।

युधिष्ठर ने तनिक सकुचाते हुए कहा

'ये यक्ष, तथापि सबकी जटा पीछे से समान दिख रही है, फिर भी उनमें कुछ पुरुष हैं और कुछ नारियां हैं। जो धूम्र है वो यज्ञ का नहीं अपितु चिलम और सिगरेट की है, पात्र नहीं वो दारू की बोतल है, जिसे सब बिना भेद भाव के बारी-बारी से पी रहे हैं और ये सब जंबो द्वीप में मुखर्जीनगर नामक स्थान का खुद को बताते हैं, यद्यपि उस स्थान से इनके होने का कोई प्रमाण नहीं क्योंकि वो पढ़ने लिखने वालों की जगह है'।

थोड़ा आगे बढ़ने पर देखा कि एक महिला एक ऊंची कुर्सी पर बैठी थी। उसके पैरों के पास एक छोटी बच्ची रो रही थी। उसकी गोद मे एक काल्पनिक बच्ची थी। वो महिला अट्टहास करके हंस रही थी। महिला बार-बार अपने पैरों के पास वाली बच्ची को लात से मारती और गोद वाली काल्पनिक बच्ची को दुलारती।

यक्ष की जिज्ञासा देखकर युधिष्ठिर ने बताया 'ये महिला नानी है, उस बच्ची की, जो अपनी सगी बच्ची को लात मार रही है और गोद की उस काल्पनिक बच्ची को लाड़-दुलार कर रही है जो वास्तव में है ही नहीं, 'यक्ष ने कहा' कौन है वो काल्पनिक बच्ची?

'एक पिलपिला शख्स बोला'

'वो काल्पनिक बच्ची लघुकथा है,और मैं बदनसीब इसका पति

इस खातून को गर बनाया है तूने ए खुदा

तो तू ही मेरा खुदा हो मुझे मंजूर नहीं'।

कोई कुछ बोलता तब तक बचाओ- बचाओ की आवाज आई, सब दौड़ कर वहां पहुंचे तो देखा, एक बूढ़ा आदमी एक जवान आदमी का हाथ ऐंठे हुए कह रहा था' रॉयल्टी दो, रॉयल्टी दो'। लोगों ने उन्हें अलग किया। बूढा आदमी दमा का मरीज था। मगर च्यवनप्राश खा रहा था। यक्ष ने पूछा 'मामला क्या है'

युधिष्ठिर ने कहा- ' इस लेखक ने इन बुजुर्ग पर किताब लिखी है, अब ये लेखक से रॉयल्टी मांग रहे हैं और लेखक कह रहा है, बड़े मियां किताब तो बिकने दो तब दूंगा, लेकिन बुजुर्गवार को चैन नहीं'। यक्ष ने कहा- 'लेखक कौन है, किताब कौन सी है और बुजर्ग कौन हैं'

युधिष्ठिर ने कहा 'लेखक रूपेश दुबे हैं, किताब का नाम है बोल बच्चन'।

यक्ष ने हंसते हुए कहा, 'और ये बुजर्ग कौन हैं जिन पर किताब लिखी गयी है और रॉयल्टी माँग रहे हैं'।

युधिष्ठिर धीरे से हंस पड़े और धीरे से बोले 'अमिताभ बच्चन'।

सरकार ने ईपीएस से पैसे निकालने का बदल दिया नियम

- कर्मचारी पेंशन योजना के 7 लाख से अधिक सदस्यों को लाभ होगा

नई दिल्ली ।

सरकार ने कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के पैसे निकालने के नियम बदल दिए हैं। इस संसोधन के बाद 6 महीने से कम अंशदायी सेवा वाले कर्मचारी पेंशन योजना के सदस्य भी ईपीएस खाते से पैसे निकाल पाएंगे। इस संशोधन से प्रत्येक वर्ष कर्मचारी पेंशन योजना के 7 लाख से अधिक ऐसे सदस्यों को लाभ होगा जो 6 महीने से कम अंशदायी सेवा के बाद योजना छोड़ देते हैं।प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के अनुसार केंद्र सरकार ने टेबल डी को भी संशोधित किया है। अब से विड्रॉल बेनेफिट इस बात पर निर्भर करेगा कि सदस्य ने कितने महीने तक सर्विस किया है और वेतन पर कितना ईपीएस का योगदान किया जाता रहा है। इससे सदस्यों के विड्रॉल बेनेफिट को तर्कसंगत बनाने में मदद मिलेगी। इस संशोधन से 23 लाख से अधिक ईपीएस सदस्यों को लाभ होगा। श्रम मंत्रालय ने बताया कि देश में लाखों ऐसे ईपीएस 95 स्कीम के सदस्य हैं जो पेंशन पाने के लिए 10 वर्ष तक लगातार स्कीम में योगदान करने के नियम के बावजूद बीच में ही स्कीम से बाहर आ जाते हैं। अभी तक के नियमों के मुताबिक तक विड्रॉल बेनेफिट के कैलकुलेशन के लिए सर्विस में पूरे किए गए वर्ष और उस वेतन के आधार पर तय किया जाता है जिस पर ईपीएस के लिए योगदान किया गया है। 6 महीने या उससे अधिक समय तक योगदान करने वाले मेंबर्स ही इस विड्रॉल लाभ ले सकते थे।

ऐसे में जो सदस्य छह महीने से कम समय तक योगदान करने के बाद स्कीम छोड़ देते हैं उन्हें कोई विड्रॉल बेनेफिट नहीं मिलता था। इसके चलते कई लोगों के क्लेम के आवेदन को खारिज कर दिया जाता था। श्रम मंत्रालय के मुताबिक छह महीने से ज्यादा अंशदान के नियम के चलते 2023-24 में 7 लाख विड्रॉल क्लेम के आवेदन को खारिज कर दिया गया। ये ऐसे आवेदन थे जिसमें 6 महीने से कम समय के लिए ईपीएस 95 स्कीम में योगदान किया गया था लेकिन सरकार के इस फैसले के बाद वैसे सभी ईपीएस सदस्य जो 14 जून 2024 तक 58 वर्ष की आयु के नहीं हुए हैं। वे भी पैसे निकालने के हकदार हो जाएंगे।केंद्र सरकार ने टेबल डी को भी संशोधित किया है। अब से विड्रॉल इस बात पर निर्भर करेगा कि सदस्य ने कितने महीने तक सर्विस किया है और वेतन पर कितना ईपीएस का योगदान किया जाता रहा है।

जेपी मॉर्गन के जीबीआई-ईएम में शामिल हुआ भारत

- उम्मीद से कम विदेशी निवेश आने पर निवेशक कुछ निराश हुए

नई दिल्ली ।

जेपी मॉर्गन के सरकारी बॉन्ड सूचकांक- इमर्जिंग मार्केट्स (जीबीआई-ईएम) में भारत आधिकारिक रूप से शामिल हो गया मगर पहले दिन सरकारी बॉन्ड की यील्ड सपाट रही। उम्मीद से कम विदेशी निवेश आने पर निवेशक कुछ निराश हो गए, जिसका असर यील्ड पर भी पड़ा। बेंचमार्क बॉन्ड की यील्ड करीब 7 फीसदी रही, जो पहले के मुकाबले सपाट ही थी। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज प्राइमरी डीलरशिप के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हो सकता है कि लोगों ने इससे पहले कुछ खरीदा हो। अन्य डेरिवेटिव भी हैं जिनका कुछ फंडों ने उपयोग किया होगा। इसलिए तत्काल खरीदने की जरूरत नहीं है। वे धीरे-धीरे किस्तों में बॉन्ड खरीद सकते हैं। 10 साल समय अवधि वाले बेंचमार्क बॉन्ड की यील्ड कारोबार के दौरान बढ़कर 7.02 फीसदी हो गई थी क्योंकि ट्रेडरों ने मुनाफे में अपने बॉन्ड बेच दिए। एक बड़े सरकारी बैंक के एक डीलर ने कहा कि जिनके पास बॉन्ड हैं वे पिछले कुछ दिनों से उसकी बिकवाली कर रहे हैं क्योंकि जितना निवेश आने की उम्मीद थी, उतना नहीं हुआ। तिमाही के अंत में कुछ मुनाफावसूली भी हुई है। क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार विदेशी बैंकों ने जून में सेकंडरी मार्केट से 46,954 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्डों की शुद्ध खरीद की। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने पूर्ण सुलभ मार्ग के जरिये इसी महीने 15,616 करोड़ रुपये मूल्य के सरकारी बॉन्ड खरीदे। गुरुवार को सरकारी बॉन्डों में 946 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आया था। सितंबर 2023 में जेपी मॉर्गन ने घोषणा की थी कि वह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा पूर्ण सुलभ मार्ग (एफएआर) के तहत जारी सरकारी बॉन्डों को अपने जीबीआई-ईएम में शामिल करेगा। सूचकांक में देसी बॉन्ड को 10 महीने में धीरे-धीरे शामिल किया जाएगा। 31 मार्च, 2025 तक हर महीने बॉन्ड का भार 1 फीसदी बढ़ाया जाएगा। इस तरह 10 महीने में भारतीय बॉन्ड का भार बढ़कर चीनी बॉन्ड के बराबर 10 फीसदी हो जाएगा।

1 जुलाई से हो जाएंगे पांच बड़े बदलाव, जानना जरूरी है

- मोबाइल रिचार्ज से लेकर बैंक खाते तक होगा असर

नई दिल्ली ।

जुलाई का महीना अपने साथ कुछ बदलाव लेकर आता है। बैंक खाते से लेकर क्रेडिट कार्ड तक के नियमों का असर सीधा आम आदमी की जेब पर होने वाला है। नियमों की जानकारी न होने से कई बार आदमी को बिना वजह शुल्क चुकाना पड़ सकता है। साथ ही कई बार कुछ कामों की डेडलाइन निकल जाने की वजह से वे काम रूक जाते हैं। एक जुलाई से टेलीकॉम रेगुलेटर ट्राई ने सिम स्वैप फ्रॉड को रोकने के लिए सिम कार्ड चोरी होने या डैमेज होने की स्थिति में लॉकिंग पीरिएड को सात दिन तक बढ़ा दिया है। यानी कि अब आपको सिम के लिए सात दिन इंतजार करना होगा। जुलाई में आपको अपना मोबाइल रिचार्ज कराने पर ज्यादा पैसे देने होंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि रिलायंस जियो, वोडाफोन-आईडिया और एयरटेल ने अपने टैरिफ बढा दिए हैं।हर महीने की पहली तारीख को पेट्रोलियम कंपनियां एलपीजी सिलेंडर और एटीएफ की कीमतों को संशोधित करती है। ऐसे में एक जुलाई से गैस सिलेंडर पर आपको राहत भी मिल सकती है। 1 जुलाई से क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट के नए नियम लागू हो जाएंगे। इसमें सभी बैंकों को क्रेडिट कार्ड पेमेंट भारत बिल पेमेंट सिस्टम के जरिए से प्रोसेस करना होगा। हालांकि, बैंकों ने अभी तक इन निर्देशों का पालन नहीं किया है। अभी तक सिर्फ 8 बैंकों ने ही बीबीपीएस पर बिल पेमेंट एक्टिव किया है। अगर आपका पंजाब नेशनल बैंक में खाता है और उसे आपने लंबे समय से उपयोग नहीं किया है तो वह 1 जुलाई से काम नहीं करेगा। बैंक ने अपने नोटिफिकेशन में कहा है कि 30 अप्रैल 2024 तक जिन खातों को इस्तेमाल किए हुए 3 साल से अधिक का वक्त हो गया है उस तरह के खाते को बैंक अब एक महीने के भीतर बंद कर देगा। बैंक ने ग्राहकों को असुविधा से बचाने के लिए 30 जून 2024 तक की समयसीमा तय की है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 653 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 जून को खत्म हुए सप्ताह में 81.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 653.71 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.92 अरब डॉलर घटकर 652.89 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार 7 जून को 655.82 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 21 जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली फॉरेन करेंसी एसेट्स 10.6 करोड़ डॉलर घटकर 574.13 अरब डॉलर रही। उल्लेखनीय है कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में एफसीए एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाले एफसीए में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी करेंसी में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। आरबीआई ने कहा कि ने कहा कि रिपोर्टिंग वीक के दौरान गोल्ड रिजर्व का मूल्य 98.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 56.96 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ने कहा कि स्पेशल ड्राइंग राइट्स विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.05 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के मुताबिक रिपोर्टिंग वीक में इंटरनेशनल मोनेटरी फंड के पास भारत की रिजर्व पोजीशन 90 लाख डॉलर घटकर 4.57 अरब डॉलर रह गई।

आरबीआई ने एचएसबीसी पर लगाया 29.6 लाख का जुर्माना

मुंबई ।

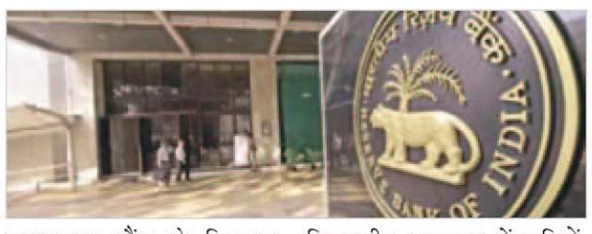

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हांगकांग व शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचएसबीसी) पर 29.6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि एचएसबीसी पर यह जुर्माना आरबीआई द्वारा बैंकों के क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और रुपया मूल्यवर्गित सह-ब्रांडेड प्रीपेड कार्ड परिचालन पर जारी कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए लगाया गया है। आरबीआई के अनुसार 31 मार्च 2022 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में उसके द्वारा पर्यवेक्षी मूल्यांकन के लिए वैधानिक निरीक्षण (आईएसई 2022) किया गया। इसमें पाया गया कि आरबीआई के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। उस संबंध में संबंधित पत्राचार के आधार पर बैंक को एक नोटिस जारी किया गया था। उसमें बैंक को कारण बताने को कहा गया था और पूछा गया था कि उक्त निर्देशों का पालन करने में विफल रहने के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। आरबीआई ने कहा कि नोटिस पर बैंक के जवाब, व्यक्तिगत पेशी के दौरान दिए गए मौखिक जवाब और उसके द्वारा दी गई अतिरिक्त जानकारी पर गौर करने के बाद उसने पाया कि अन्य बातों के साथ-साथ, बैंक के खिलाफ आरोप साबित होते हैं जिसके लिए मौद्रिक जुर्माना लगाया जाना आवश्यक था। इसमें कहा गया कि बैंक यह बताने में विफल रहा कि कुछ क्रेडिट कार्ड खातों में न्यूनतम भुगतान देय की गणना करते समय कोई नकारात्मक परिशोधन नहीं था। हालांकि, आरबीआई ने कहा कि यह जुर्माना वैधानिक तथा नियामकीय अनुपालन में कमियों पर आधारित है। इसका मकसद बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल उठाना नहीं है। इसके अलावा मौद्रिक जुर्माना लगाने से आरबीआई द्वारा बैंक के खिलाफ शुरू की जाने वाली किसी भी अन्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

कोयला आयात वृद्धि दर में पिछले दशक में आई गिरावट

नई दिल्ली ।

कोयला आयात में वार्षिक वृद्धि पिछले एक दशक में वित्त वर्ष 2023-24 तक घटकर 2.49 प्रतिशत रह गई है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2004-05 से 2013-14 तक कोयला आयात की संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) 21.48 प्रतिशत रही। हालांकि 2014-15 से 2023-24 तक कोयला आयात की सीएजीआर केवल 2.49 प्रतिशत रही है। बयान के अनुसार इसके अलावा वित्त वर्ष 2004-05 से 2013-14 की अवधि के दौरान आयातित कोयले की हिस्सेदारी का सीएजीआर 13.94 प्रतिशत था। जबकि पिछले दशक के दौरान यह आंकड़ा गिरकर शून्य से नीचे लगभग 2.29 प्रतिशत हो गया। मंत्रालय ने बयान में कहा कि घरेलू कोयला संसाधनों के अनुकूलन और नवीन तकनीकी समाधानों का लाभ उठाने पर रणनीतिक ध्यान केंद्रित करते हुए देश ऊर्जा सुरक्षा में आत्मनिर्भरता की ओर अपनी यात्रा जारी रख रहा है। बयान के अनुसार विश्व में पांचवें सबसे बड़े कोयला भंडार से संपन्न भारत इस ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

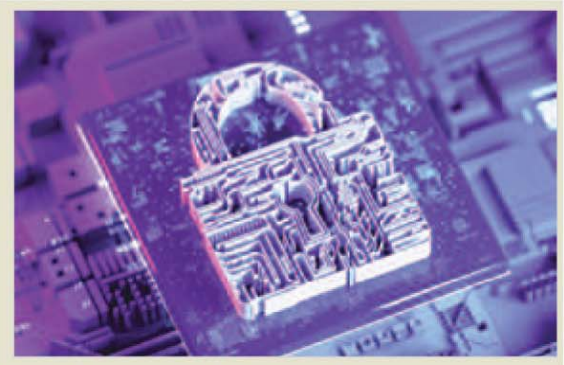

पिछले 20 वर्षों में वित्तीय क्षेत्र पर 20,000 साइबर हमले हुए

मुंबई ।

आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के अनुसार पिछले 20 वर्षों में वित्तीय क्षेत्र पर 20,000 से अधिक साइबर हमले हुए, जिसके परिणामस्वरूप 20 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की दिसंबर 2023 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में ऐसे 25 फीसदी हमले ईमेल और वेबसाइटों में दुर्भावनापूर्ण लिंक पर क्लिक करने से होते हैं। आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट का हवाला देते हुए लिखा गया है कि वित्तीय संस्थानों पर साइबर हमलों के 69 प्रतिशत मामले अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) द्वारा, 19 प्रतिशत शहरी सहकारी बैंकों द्वारा और 12 प्रतिशत गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा रिपोर्ट किए गए। इसके कारण बैंकों ने 2023-24 में अपने बीमा कवर को पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 8 फीसदी बढ़ा दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय संस्थानों को जारी परामर्श में कहा गया है कि संभावित साइबर हमलों के संबंध में प्राप्त विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं के मद्देनजर विनियमित संस्थाओं को सलाह दी जाती है कि वे इन खतरों से बचाव के लिए निगरानी और तन्यकता क्षमताओं को उन्नत करें।

सरकार की एयरलाइंस को चेतावनी, कहा- न बढ़ाएं किराया

नई दिल्ली ।

बारिश की वजह से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर हुए बड़े हादसे के बाद सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने एयरलाइंस कंपनियों को ये सुनिश्चित करने को कहा है कि दिल्ली से उड़ान भरने या यहां आने वाले उड़ानों के हवाई किरायों में कोई असामान्य बढ़ोतरी ना हो। एयरपोर्ट के टी-1 पर इंडिगो और स्पाइसजेट की घरेलू फ्लाइट्स का संचालन होता है। टी-1 के बंद होने के कारण कई फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं और परिचालन को अस्थायी रूप से टी-2 और टी-3 पर स्थानांतरित कर दिया गया है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि विमानन कंपनियों को सलाह दी गई है कि एयरपोर्ट पर हुए इस हादसे के चलते उड़ानों के रद्द करने या रीशेड्यूल करने पर यात्रियों से कोई जुर्माना नहीं वसूला जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद सभी विमानन कंपनियों को सलाह दी जाती है कि वे दिल्ली से आने-जाने वाली फ्लाइट्स के किराए में किसी भी असामान्य वृद्धि पर नजर रखें और इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करें। कैंसिल की गई फ्लाइट्स के रिफंड की निगरानी करने या यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा रूट टिकट प्रदान करने के लिए एक वॉर रूम स्थापित किया जाएगा। सभी रिफंड की प्रे क्रिया 7 दिन के भीतर शुरु हो जाएगी।

विदेशी निवेशकों के सहारे बाजार ने बनाया नया रिकॉर्ड

- सेंसेक्स 210 अंकों की गिरावट के साथ 79,032 पर बंद
- निफ्टी 33 अंक फिसलकर 24,010 पर बंद हुआ

मुंबई ।

पिछला सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों के लिए बेहद खास रहा, विदेशी पोर्टफो लियो निवेशकों के सपोर्ट से बाजार ने नया रिकॉर्ड स्तर बनाया। शेयर बाजार में लगातार चार दिनों दिन जोरदार तेजी रही, शुक्रवार को भी बाजार में अच्छी खासी बढ़त रही ले किन बंद होते ही बाजार रिकॉर्ड स्तर पर फिसलकर बंद हुए। पिछले सप्ताह के शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार के दौरान 316.10 अंक फिसलकर 76,903.35 पर खुला और 131.18 अंकों की बढ़त के साथ 77,341.08 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 110.85 अंकों की गिरावट के साथ 23,390.25 के स्तर पर खुला और 36.75 अंक मजबूत होकर 23,537.85 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी सत्र के दौरान निजी क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में अच्छी मजबूती दिखी। सेंसेक्स 523.54 अंकों की बढ़त के साथ के 77,864.62 स्तर पर खुला और 712 अंकों की बढ़त के साथ 78,053.52 पर बंद हुआ। निफ्टी 131.20 अंक उछलकर 23,669.05 के स्तर पर खुला और 83.46 अंक मजबूत होकर 23,721.30 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 54.48 अंकों बढ़त के साथ 78,092.65 के स्तर पर खुला और 620.73 अंकों की मजबूती के साथ 78,674.25 पर बंद हुआ। निफ्टी 4.30 अंक चढ़कर 23,725.60 पर खुला और 147.50 अंकों की मजबूती के साथ पहली बार 23,850 का स्तर पार कर 23,868.80 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 124.05 अंक की गिरावट के साथ 78,550.20 अंक पर खुला और 568.93 अंकों की बढ़त के साथ पहली बार 79,243.18 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 34.00 अंक की नरमी के साथ 23,834.80 पर खुला और 175.71 अंकों की बढ़त के साथ 24,044.50 के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी मजबूती के साथ नए शिखर पर पहुंच गए। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 265.46 अंकों की मजबूती के साथ 79,483.72 पर खुला और 210.45 अंकों की गिरावट के साथ 79,032.73 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 78.60 अंक मजबूत होकर 24,123.10 पर खुला और 33.91 अंक फिसलकर 24,010.60 पर बंद हुआ।

नोएडा फिल्म सिटी से 50,000 रोजगार के अवसर मिलेंगः यूपी सरकार

नोएडा ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी परियोजना का निर्माण छह महीने के भीतर शुरू हो सकता है और इससे 50,000 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा लगभग सात लाख लोग अप्रत्यक्ष रूप से भी लाभान्वित होंगे। फिल्म निर्माता बोनी कपूर और रियल एस्टेट डेवलपर आशीष भूटानी द्वारा समर्थित गठजोड़ बेव्यू प्रोजेक्ट्स ने फिल्म सिटी के विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के उपक्रम यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण छह महीने के भीतर शुरू हो जाएगा और तीन साल के भीतर यहां फिल्म शूटिंग और संबंधित गतिविधियां भी शुरू हो जाएंगी। सरकार ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य फिल्म उद्योग में अवसर चाहने वाले राज्य के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना और मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई जैसे स्थापित केंद्रों के लिए एक व्यवहार्य विकल्प प्रदान करना है।

लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें यथावत रहेंगी

- सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) एवं अन्य लघु बचत योजनाओं पर चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के लिए ब्याज दरों में कोई भी बदलाव नहीं किया है। सरकार ने ब्याज दरों को लेकर यह ऐलान किया। एक जुलाई, 2024 से शुरू होने वाली तिमाही के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को यथावत रखा है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही एक जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें पहली तिमाही एक मार्च से 30 जून 2024 तक के लिए अधिसूचित दरों के समान ही रहेंगी। अधिसूचना के मुताबिक, सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी, जबकि तीन साल की सावधि जमा पर दर 7.1 प्रतिशत रहेगी। पीपीएफ और डाकघर बचत जमा योजना की ब्याज दरें भी क्रमशः 7.1 प्रतिशत और चार प्रतिशत पर बनी रहेंगी। किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी तथा यह निवेश 115 महीनों में परिपक्व होगा। जुलाई-सितंबर 2024 की अवधि के लिए राष्ट्रीय बचत पत्र पर ब्याज दर 7.7 प्रतिशत रहेगी। सितंबर तिमाही में भी डाकघर मासिक आय योजना के निवेशकों को पहले की तरह 7.4 प्रतिशत ब्याज देगी। सरकार हर तिमाही में डाकघरों और बैंकों द्वारा संचालित लघु बचत योजनाओं के लिए ब्याज दरों को अधिसूचित करती है। इस स्कीम में हर वित्त वर्ष में न्यूनतम 500 रुपये का निवेश करना ही होता है। इस स्कीम में किया गया निवेश भी टैक्स छूट के लिए पात्र होता है। इस योजना में एक साल में अधिकतम 1.5 लाख रुपये का निवेश किया जा सकता है। इस स्कीम में न्यूनतम 1000 रुपये और अधिकतम 30 लाख रुपये तक का निवेश किया जा सकता है। अगर इसके ब्याज से होने वाली कुल आय 50,000 वित्त वर्ष से ऊपर निकल जाती है तो उस पर टैक्स देना होता है। यह अकाउंट 1000 रुपये के न्यूनतम निवेश के साथ शुरू किया जा सकता है। इंडिविजुअल अकाउंट में इसमें 9 लाख रुपये और जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये लगाए जा सकते हैं। इस अकाउंट में न्यूनतम निवेश 1000 रुपये का करना होता है। अधिकतम निवेश के लिए कोई सीमा नहीं है। इसका मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का है।

सरकार की सकल देनदारियां मार्च तक 3.4 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । सरकार की कुल सकल देनदारियां दिसंबर के ओ खिर में 166.14 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2024 तक 171.78 लाख करोड़ रुपये हो गईं। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी। सार्वजनिक ऋण प्रबंधन तिमाही रिपोर्ट जनवरी-मार्च, 2024 में कहा गया कि यह आंकड़ा तिमाही आधार पर 3.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक समीक्षाधीन तिमाही के दौरान सार्वजनिक ऋण कुल सकल देनदारियों का 90.2 प्रतिशत था। इसमें कहा गया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान, अंतरिम बजट में घोषित उधार योजना के अपेक्षा से कम रहने के चलते भारतीय घरेलू बॉन्ड के प्रतिफल में नरमी आई। राजकोषीय घाटे के काबू में रहने, एफपीआई प्रवाह और स्थिर मुद्रास्फीति से इसमें मदद मिली। दूसरी ओर समीक्षाधीन तिमाही के दौरान अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिफल अस्थिर रहा, जो मुख्य रूप से फेडरल रिजर्व की कार्रवाई, मुद्रास्फीति और रोजगार डेटा से प्रभावित था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान अमेरिकी 10 वर्षीय प्रतिफल 4.33 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गया। रिपोर्ट के मुताबिक नए निर्गमों पर भारित औसत प्रतिफल 2023-24 की तीसरी तिमाही के 7.37 प्रतिशत की तुलना में 2023-24 की चौथी तिमाही में 7.19 प्रतिशत तक नरम हो गया। इसके अलावा दिनांकित प्रतिभूतियों के निर्गमों की भारित औसत परिपक्वता 2023-24 की चौथी तिमाही में 18.75 वर्ष हो गई। यह 2023-24 की तीसरी तिमाही में 18.80 थी।

बंगाल सरकार सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में दैनिक कामकाजी समय बढ़ाएगी

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल सरकार राज्य में एक जुलाई से दैनिक कामकाजी घंटों की सीमा 30 मिनट बढ़ाने जा रही है। राज्य के आईटी उद्योग मंत्री बाबुल सुप्रियो ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस निर्णय के साथ सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि हालांकि सप्ताह में अधिकतम 48 कामकाजी घंटों की सीमा में कोई बदलाव नहीं होगा। सरकार जल्द ही इस संबंध में आदेश जारी कर सकती है। सुप्रियो ने कहा कि अन्य राज्यों से प्रतिस्पर्धा में तालमेल बनाए रखने और पश्चिम बंगाल के आईटी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दैनिक कामकाजी समय सीमा को 8.30 घंटे से बदलकर नौ घंटे करने को हरी झंडी दे दी है। उन्होंने कहा कि साप्ताहिक कामकाजी समय सीमा 48 घंटे ही रहेगी। उद्योग जगत दैनिक कामकाजी समय सीमा बढ़ाने की मांग कर रहा था क्योंकि वे आम तौर पर पांच दिन का कामकाजी सप्ताह अपनाते हैं। यानी कि आईटी क्षेत्र की कंपनियां अपने ग्राहकों को अब 42.5 घंटे के बजाय 45 घंटे का बिल दे सकती हैं। यह जुलाई से प्रभावी होगा।

नीट पेपर से लेकर छतों तक लीक ही लीक...

राकेश अचल

देश की संसद हो या सरकार ,पुल हो या हवाई अड्डा,परीक्षा हो या चुनाव सबके सब लीक प्रूफ होना चाहिए। लीकेज को राष्ट्रीय उद्योग न बनाकर राष्ट्रीय अपराध बनाया जाना चाहिए। वैसे केंद्र और राज्य सरकारों ने ऐसे कानून एहतियात के तौर पर बनाये हैं ,सरकार चाहे तो इन लीकबाजों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता,भारतीय साक्ष्य संहिता में भी तरमीम कर सकती है और इसके आरोपियों के खिलाफ बुलडोजरों का इस्तेमाल भी कर सकती है ,लेकिन मुझे पता है कि ऐसा करने के लिए चार सौ पार वाली सरकार चाहिए।

हम जब बच्चे थे तब जिस लीक के बारे में जानते थे,वो आजकल के पेपर लीक और छत लीक से एकदम अलग थी । अंग्रेजी की लीक और हिंदी की लीक में जमीन -आसमान का अंतर होता है। अंग्रेजी की लीक को हमारे यहां हिंदी में ही नहीं बल्कि बुंदेलखंडी में भी टपकना या चूना कहते है । हमारे यहां लीक का दूसरा अर्थ पगडण्डी भी होता है और एक अर्थ सिर में पड़ने वाले जुओं के बच्चे भी होते हैं। ये सफेद रंग के होते हैं। कहावत है कि-

लीक लीक कायर चले और लीक चले कपूत,
लीक छोड़ तीन ही चलें शायर, सिंह , सपूत।

आज दुर्भाग्य से कहिये या सौभाग्य से लीक यानि लीकेज एक राष्ट्रीय समस्या है । सड़क से लेकर संसद तक इस लीक की चर्चा हो रही है। लेकिन संसद में लीक पर चर्चा की इजाजत देने के बजाय बहस की मांग करने वाले विपक्ष के नेता का माइक तक बंद किया जाने लगा है। अर्थात अभिव्यति की स्वतंत्रता या अधिकार का गला घोंटा जा रहा है। गला घोंटना एक जुलाई से लागू होने वाली भारतीय न्याय संहिता के तहत तहत किस धारा में अपराध होता है ये अभी मुझे पता नहीं ,क्योंकि मैंने जो संहिता अपने पाठ्यक्रम में पढ़ी थी वो भारतीय दंड संहिता थी।

सबसे पहले अयोध्या में नव निर्मित राम मंदिर की छत से होने वाली लीकेज की बात की जाये । चूंकि हम अयोध्या से सैकड़ों किमी दूर बैठे हैं इसलिए हमें सच्चाई का पता नहीं है, लेकिन जो तस्वीरें वायरल हुईं हैं उनकी बिना पर हम कह रहे हैं कि राम जी के मंदिर की छत लीक हो रही है । लेकिन मंदिर के ट्रस्टी कह रहे हैं कि -ये अफवाह है। अब हम तस्वीरों को सही मानें या ट्रस्टियों की बात को ये भी हमें पता नहीं है कि इन दोनों में से कौन सा साक्ष्य नए साक्ष्य संहिता की किस धारा के तहत आता है ?

वैसे अयोध्या में राम मंदिर के लीकेज से पहले यहां भाजपा की छत में भी लीकेज हुआ है और राम जी ने इसकी सजा भाजपा को यानी मंदिर निर्माण करने वाली राष्ट्रहितैषी पार्टी को चुनाव हारकर दे दी है। ये बात और है की भाजपा इस सजा को भी राम जी का प्रसाद और अनुकम्पा मानती है। ये भाजपा की और चम्पत राय की दरियादिली है। आजकल की अदावत की राजनीति में दरियादिली की सख्त जरूरत है। विपक्ष ने भी लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में मतदान न कराकर दरियादिली का मुजाहिरा किया ही है।

अयोध्या से यदि आप दिल्ली आएं तो यहां अंतर्राष्ट्रीय इंदिरा गाँधी हवाई अड्डे पर टर्मिनल -1 की छत लीक हो रही है

और पार्किंग की छत तो टपक ही गयी। मेरा मानना है कि इसके लिए इंदिरा गाँधी ही जिम्मेदार निकलेंगी । यदि उनके नाम की वजाय ये हवाई अड्डा किसी भाजपा नेता के नाम पर होता तो शायद न छत लीक होती और न छत टपकती। वैसे पीने के पानी को लेकर हाय ! हाय !! कर रही पूरी दिल्ली ही इस समय लीक हो रही है । आम आदमी से लेकर खास आदमियों के घर में पानी घुस चुका है । सड़कें यमुना की सगी बहनों की तरह सड़कों पर बह रही है। किसी की क्या मजाल की कोई इस पानी को रोक सके । पानी को रोकने के लिए तो कोई स्विच भी नहीं होता अन्यथा सरकार ओम बिरला ने जिस तरह से राहुल गांधी की बोलती बंद कर दी ठीक उसी तरह पानी की बोलती भी बंद करा देती।

लीकेज और टपका-टपकी केवल दिल्ली का ही मसला नहीं है। हमारे मध्यप्रदेश में जहां डबल इंजिन की सरकार है वहां भी जबलपुर में हवाई अड्डे का पोर्च एक कर के ऊपर आ गिरा। कार का कचूमर निकल गया ठीक उसी तरह जिस तरह देश की जनता का कचूमर पिछले एक दशक से निकल रहा है और जनता है कि मुस्कराये जा रही है ,फिर से पुरानी सरकार को सत्तारूढ़ देखकर। अब जबलपुर में हवाई अड्डे का पोर्च टपकने के लिए हमारे पहलवान मुख्यमंत्री डॉमोहन यादव को तो जिम्मेदार ठहराया नहीं जा सकता । इसके लिए तो पूर्व के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को ही दोषी माना जाना चाहिए ,लेकिन कर-चोर मौसेरे भाई होते है। कौन -किसे जिम्मेदार ठहराए इसको लेकर भी विवाद खड़ा हो सकता है।

अब आइये बिहार चलते हैं। यहां नालंदा विश्व विद्यालय को नव जीवन दिया गया है। यहां से ही नीट का पेपर लीक हुआ है जो हमारी मोशा सरकार के गले की हड्डी बन गया है। चूंकि बिहार सरकार की बैशाखी पर मोशा की सरकार टिकी है इसलिए नीट पेपर लीक को लेकर सरकार संसद में बहस करने से कन्नी काट रही है। कन्नी होती ही काटने के लिए है। बिहार में पेपर ही लीक नहीं होते बल्कि पूरे के पूरे पुल ही बह जाते है। अभी तक तीन-चार पुल तो बह चुके हैं। अब भाजपा और जेडीयू के बीच जो नया पुल बना है वो कितने दिन टिकेगा इसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता। माननीय गारंटी महोदय भी नहीं। बिहार का और गारंटी का कोई रिश्ता नहीं है। बिहार न नीतीश कुमार की गारंटी दे सकता है और न तेजस्वी यादव की। चिराग पासवान हों या जीतन माझी। कोई भी गारंटी देने का खतरा मोल नहीं ले सकते। पता नहीं कब,किसे ,किसके साथ खड़ा होना पड़े? वैसे लीकेज सचमुच है ही विश्वव्यापी समस्य । आपको याद है न कि एक विकीलीक्स हुआ करती है ,जो दुनिया भर की सरकारों के बारे में न जाने क्या-क्या लीक करती रहती है। विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे हैं। वे अक्सर जेल आते-जाते रहते हैं। पिछले दिनों अमेरिका ने उन्हें अपनी जेल से रिहा कर दिया। अमेरिकी न्याय विभाग के साथ हुई डील के बाद उन्हें लंदन की हाई सिक्योरिटी जेल से छोड़ दिया गया है। रिहाई के बाद असांजे अपने मूल देश ऑस्ट्रेलिया चले गए। लेकिन हमारे देश में किसी भी लिक्बाज को न पकड़ा जाता है और न सजा होती है ,क्योंकि हमारे यहां लीक करना एक कुटीर उद्योग है। ये यूपी,बिहार,मध्यप्रदेश,राजस्थान ही नहीं बल्कि दिल्ली तक में बाकायदा सरकारी संरक्षण में पनपता है ,भले ही सरकार कांग्रेस की हो या भाजपा की। लीकेज का धंधा बिना सरकारी सारंक्षण के चल ही नहीं पाता ,लेकिन इस हकीकत को हमारी संसद सुनना नहीं छति और सरकार स्वीकार करना नहीं चाहती।

मेरा तो मशवरा है कि न सिर्फ केंद्र में बल्कि राज्य में लीकेज की समस्या को देखते हुए एक पृथक मंत्रालय की स्थापना कर देना चाहिए। एक अलग मंत्री लीकेज के मामले को देखे । रोज-रोक सीबीआई कहाँ तक लीकेज के मामले दिखेगी ? सीबीआई के पास विपक्षियों की धर-पकड़ का इससे ज्यादा महत्वपूर्ण काम पहले से ही है। मै तो कहता हूँ कि उन्हें भी लीकेज के मामले में संसद पर बहस करने पर जोर नहीं देना चाहिए,उन्हें सड़कों पर उत्तर कर पीड़ितों के बीच खड़े होकर संसद के बाहर लीक काण्ड पर बहस करना चाहिए। संसद भीतर की बहस से नहीं बल्कि बाहर होने वाली बहस से हिलती है। भीतर तो उनका माइक सरकार बंद करा सकती है किन्तु बाहर ऐसा करना सरकार के लिए भी मुमकिन नहीं है।

आपकी हो या न हो किन्तु मेरी स्पष्ट धारणा है कि देश की संसद हो या सरकार ,पुल हो या हवाई अड्डा,परीक्षा हो या चुनाव सबके सब लीक प्रूफ होना चाहिए। लीकेज को राष्ट्रीय उद्योग न बनाकर राष्ट्रीय अपराध बनाया जाना चाहिए। वैसे केंद्र और राज्य सरकारों ने ऐसे कानून एहतियात के तौर पर बनाये हैं ,सरकार चाहे तो इन लीकबाजों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता,भारतीय साक्ष्य संहिता में भी तरमीम कर सकती है और इसके आरोपियों के खिलाफ बुलडोजरों का इस्तेमाल भी कर सकती है ,लेकिन मुझे पता है कि ऐसा करने के लिए चार सौ पार वाली सरकार चाहिए। 240 पार वाली सरकार ये सब नहीं कर सकती। बहरहाल हम देश के नौजवानों के लिए प्रार्थना ही कर सकते हैं कि उनकी परीक्षाओं के पेपर लीक न हों। हम देश के हवाई अड्डों ,पुलों, मंदिरों और नई नवेली संसद के लिए भी प्रार्थना ही कर सकते हैं कि वे न लीक हों और न टपकें और न बहें। हम नहीं जानते कि प्रार्थनाओं में कितना दम होता है ,लेकिन हमें इसके अलावा कुछ और आता ही कहाँ है ?

संपादकीय

राष्ट्रपति के अभिभाषण का सार

भारत के संसदीय लोकतंत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण की परंपरा वर्षों पुरानी है। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक, लोक सभा के प्रत्येक आम चुनाव के बाद, पहले सत्र में सदस्यों के शपथ ग्रहण करने और सदन का अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद राष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करता है। यह अभिभाषण सरकार का नीति वक्तव्य होता है। इसमें सरकार की नीतियों और कामकाज का उल्लेख रहता है, इसलिए सरकार के द्वारा ही इसके मसौदे को तैयार किया जाता है। परंपरा तो यह रही है कि इस सबसे गरिमापूर्ण औपचारिक कार्यवाही के दौरान विपक्ष शांतिपूर्ण ढंग से इसे सुनता है। अभिभाषण के बाद जब सदन में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होती है तो विपक्षी सांसदों को अपनी आपत्तियों और असहमतियों को दर्ज कराने का अवसर मिलता है लेकिन देखा जा रहा है कि कुछ वर्षों से राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान विपक्षी दलों के सांसद सदन में शोरगुल करते हैं और हंगामा बरपाते हैं। अठारहवीं लोक सभा में जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दोनों सदनों को संबोधित करते हुए मोदी सरकार के पिछले दस वर्षों के कामकाज और उपलब्धियों का जिक्र किया तो विपक्षी दलों के सांसदों ने सदन में शोरगुल मचाना शुरू कर दिया। राष्ट्रपति को निवेदन करना पड़ा कि वे शांतिपूर्ण ढंग से उनके अभिभाषण को सुनें। राष्ट्रपति मुर्मू ने इस समय के सबसे ज्वलंत राष्ट्रीय मुद्दे के रूप में पेपर लीक की घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पेपर लीक की घटनाओं को बहुत गंभीरता से लिया है और इसे रोकने के लिए कड़े उपाय कर रही है। जाहिर है कि पेपर लीक का मामला सीधे-सीधे देश के छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ जुड़ा हुआ है। निश्चित रूप से सरकार को ऐसे सख्त कदम उठाने चाहिए कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

चिंतन-मनन

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शक्ति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं।

कौन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है। शांति तो स्वयं आपके अंदर है, जैसे वह नमक जो पानी में मिला हुआ है, वैसे ही शांति भी आपके अंदर है।

होश संभालने के साथ ही आप शांति, आनंद और चैन को ढूंढ रहे हैं। परंतु वह आपके हृदय के अंदर ही स्थित है। उसके अनुभव के लिए आपको इसे अपनाना पड़ेगा। इसे महसूस करने के लिए आप में इच्छा होनी चाहिए कि आप अपने जीवन में यह शांति चाहते हैं। जब तक अनुभव नहीं होगा, तब तक सारी बातें अधूरी हैं। जिस शांति की आपको तलाश है, वह शांति आपके अंदर है। कब तक रहेगी? जब तक आप जीवित हैं, तब तक रहेगी। आपकी सुंदरता कब बढ़ेगी? इस संसार के अंदर ऐसी कौन सी चीज है, जिसे पहनकर आप दरअसल अच्छे लगेंगे? वह है शांति।

आप शांति रूपी चादर ओढ़ेंगे तो आपके चेहरे पर मुस्कान होगी। वह मुस्कान सबसे सुंदर दिखाई देगी, तब आप असल में चमकेंगे। हृदय के दर्पण में आप अपनी परछाई देखेंगे, तो आप भी ऐसे आनंद से भर जाएंगे और कहेंगे-हे बनाने वाले, तुमने कितनी सुंदर चीज बनाई है जिसे हम बाहर ढूंढ रहे हैं।

डेटा-संचालित प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की चुनौती

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सालाना 29 जून को सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रोफेसर पीसी महालनोबिस के अतुलनीय योगदान को ध्यान में रखकर उनके सम्मान में मनाया जाता है। ये विषय राष्ट्रीय सांख्यिकीय प्रणालियों में आमजनों द्वारा विश्वास करने, सरकार व निजी क्षेत्र का आधिकारिक डेटा को सुरक्षित करने, नवाचार और सार्वजनिक डेटाबेस प्रबंधन के महत्व को दर्शाता है। प्रो. महालनोबिस को भारतीय सांख्यिकी का जनक माना गया है। पहला राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सन 2007 को मनाया गया था। पिछले वर्ष-2023 की थीम थी ह्यसतत विकास लक्ष्यों की निगरानी के लिए राज्य संकेतक ढांचे को राष्ट्रीय संकेतक ढांचे के साथ संरेखित करनाह्न। सरकारी स्तर पर सांख्यिकी दिवस समसामयिक राष्ट्रीय महत्व के विषय वस्तु पर मनाया जाता है।

राष्ट्रीय विकास में आधिकारिक सांख्यिकी के महत्व को उजागर करने के लिए ये दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है। आज कई जगहों पर सेमिनार, चर्चाएं और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगे, जहां लोगों को सांख्यिकी के संबंध में जागरूक किया जाएगा। किसी भी प्रतिष्ठान या व्यावसायिक गतिविधियों की पारदर्शी कार्यशैली की नींव उसके सांख्यिकी या डाटा से पहचानी जाती है। नागरिक समाज, निजी क्षेत्र, परोपकारी निकायों, अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय एजेंसियों, भू-स्थानिक समुदाय, मीडिया जैसे तमाम पेशेवर निकायों की विश्वसनीयता उनकी सांख्यिकीय पर निर्भर करती हैं। डिजिटल डेटा और प्रौद्योगिकी प्रक्रियाओं में खपलेबाजी आधुनिक समय की बड़ी समस्याओं में गिनी जाने लगी है।

इस दिवस के महत्व की जहां तक बात है, तो रोजमर्रा की जिंदगी में सांख्यिकी के उपयोग को लोकप्रिय बनाना और देशवासियों को इस बाबत जागरूक करना की सांख्यिकी नीतियों को आकार देने और तैयार करने में कैसे मदद करती है। 29 जून को प्रोफेसर महालनोबिस की जयंती भी होती है जिनका सांख्यिकी और आर्थिक नियोजन के क्षेत्र में योगदान अमूल्य रहा है। महालनोबिस का जन्म 29 जून 1893 को कलकत्ता में एक धनी और शैक्षणिक रूप से उन्मुख बंगाली परिवार में हुआ था। उन्होंने भौतिकी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और बाद में उच्च शिक्षा के लिए लंदन चले गए थे। उन्होंने भौतिकी में अपना ट्रिपोस पूरा किया और मानव विज्ञान और मौसम विज्ञान में समस्याओं को हल करने में सांख्यिकी की प्रभावकारिता की खोज की थी। उनका निधन 28 जून 1972 को कलकत्ता में 78 वर्ष की आयु में हुआ था। सांख्यिकी दिवस पर सामाजिक-आर्थिक नियोजन में सांख्यिकी की भूमिका के बारे में जन जागरुकता बढ़ाना, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के बीच रिपोर्ट, कार्यक्रम, कार्यान्वयन, निगरानी आदि सभी का प्रबंधन सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन की प्रस्तुति देना भी होता है।

सांख्यिकी दिवस-2024 की थीम है ह्यनिर्णय लेने के लिए डेटा का उपयोगह्न। केंद्रीय बजट में सांख्यिकी की सबसे बड़ी भूमिका होती है। बजट निमार्ण में केंद्र सरकार तमाम प्रख्यात सांख्यिकीविदों को इसलिए शामिल करती हैं ताकि उनके अनुभव से डेटा एक विश्वसनीय प्रारूप तैयार किया जाए। जिसे वित्त मंत्री द्वारा संसद में प्रस्तुत किया जाता है। सांख्यिकी शब्द का दो प्रकार से प्रयोग होता है। बहुवचन के स्वरूप में यह परिमाणात्मक जानकारी या आंकड़ों को व्यक्त करता है। वहीं, एकवचन के स्वरूप में ये शब्द सांख्यिकीय विधियों का दूसरा नाम है। यहां इसका अर्थ आंकड़ों के संकलन, संगठन, प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण और निर्वचन का शास्त्र या विज्ञान भी होता है। भारत में सांख्यिकी के वर्तमान अध्यक्ष प्रो. राजीव लक्ष्मण करंदीकर हैं, जिन्हें 30 नवंबर 2022 को तीन साल की अवधि के लिए केंद्र सरकार ने आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

सांख्यिकी दिवस मनाने से सांख्यिकीविदों, सरकारी संगठनों, नीति निमार्ताओं और अन्य एजेंसियों को वर्तमान डेटा-संचालित दुनिया में उच्च गुणवत्ता वाले डेटा और सांख्यिकी के मूल्यों को बढ़ावा देने का अवसर मिलता है। सांख्यिकी स्वास्थ्य सेवा, अर्थशास्त्र, शिक्षा, पर्यावरण और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में एक शानदार भूमिका निभाती है। यह न केवल दुनिया की जटिलताओं को समझने में मदद करती है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी नीतियों के विकास में भी मदद करती है। सांख्यिकी साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

- डॉ. रमेश ठाकुर(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्दा : संसद में बेमतलब के नारे

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में रेटिंग तय करने की दृष्टि से वित्तीय एवं विशिष्ट संस्थानों द्वारा सूचकांक तैयार किए जाते हैं। हाल के समय में इन विदेशी संस्थानों द्वारा जारी किए गए कई सूचकांकों में भारत की स्थिति को संभवतः जान बूझकर गलत दशार्या गया है। इन सूचकांकों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं अखेका के गरीब देशों की स्थिति को भारत से बेहतर बताया गया है। उदाहरण के लिए हाल में पश्चिमी देशों द्वारा जारी किए गए तीन सूचकांकों की स्थिति देखिए।

सबसे पहले उदार (लिबरल) लोकतंत्र सूचकांक में भारत की रैंकिंग को 104 बताया गया है। इसी प्रकार, आनंद (हैपीनेस) सूचकांक में भी भारत का स्थान 126वां बताया गया है जबकि पाकिस्तान को 108वां स्थान मिला है, जहां अत्यधिक मुद्रास्फीति के चलते वहां के नागरिक अत्यधिक त्रस्त हैं। एक अन्य प्रेस की स्वतंत्रता नामक सूचकांक में भारत को 161वां स्थान मिला है जबकि इस सूचकांक में कुल मिलाकर 180 देशों को शामिल किया गया और अफगानिस्तान को 152वां स्थान दिया गया है अर्थात इस सर्वे के अनुसार, अफगानिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता भारत की तुलना में अच्छी पाई गई है। पश्चिमी देशों में स्थित इन संस्थानों द्वारा इस प्रकार के सूचकांक तैयार करके पूरे विश्व को भ्रमित किए जाने का प्रयास हो रहा है।

इसी प्रकार, भारत में हाल में संपन्न हुए लोक सभा चुनाव पर भी पश्चिमी देशों ने कई प्रकार के सवाल खड़े करने के प्रयास किए थे। जैसे, भीषण गर्मी के मौसम में चुनाव क्यों कराए गए, जिससे सामान्यजन वोट डालने के लिए घरों से बाहर ही नहीं निकले, ईवीएम मशीन में कोई खराबी तो नहीं है आदि, परंतु भारतीय मतदाताओं ने चुनाव में भारी संख्या में भाग लेकर पश्चिमी देशों को करारा जवाब दिया है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव सामान्यतः शांति के साथ संपन्न हो गए। इस सबके बावजूद पश्चिमी देशों ने पश्चिमी लोकतंत्र सूचकांक में 2014 में भारत को 27वां स्थान दिया था और 2023 में भारत की रैंकिंग नीचे गिराकर 41वें स्थान पर बताई गई है, जबकि वास्तव में तो इस बीच देश में लोकतंत्र अधिक मजबूत ही हुआ है।

दरअसल, पश्चिमी देशों में कुछ शक्तियां भारत के हितों के विरुद्ध कार्य कर रही हैं एवं ये ताकतें विभिन्न सूचकांक तैयार करने वाली संस्थाओं को प्रभावित करने में कोर कसर नहीं छोड़ती हैं। कुछ समय पूर्व एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान ने वैश्विक भुखमरी सूचकांक जारी किया था। इस सूचकांक में बताया गया था कि भारत की तुलना में श्रीलंका, म्यांमार, पाकिस्तान, इथियोपिया, नेपाल, भूटान आदि देशों में भुखमरी की स्थिति बेहतर है अर्थात सर्वे में शामिल किए गए 121 देशों की सूची में श्रीलंका का स्थान 64वां, म्यांमार का 71वां, बांग्लादेश का 84वां, पाकिस्तान का 99वां, एथीयोपिया का 104वां एवं भारत का 107वां स्थान बताया गया था जबकि पूरा विश्व जानता है कि श्रीलंका, पाकिस्तान एवं म्यांमार जैसे देशों में खाद्य पदार्थों की भारी कमी है। फिर किस प्रकार ऐसे सूचकांक बनाकर वैश्विक स्तर पर जारी किए जा रहे हैं। आभास हो रहा है कि भारत की आर्थिक तरक्की को विश्व के कई देश अब सहन नहीं कर पा रहे हैं एवं भारत के बारे में ऐसे सूचकांक जारी कर भारत की साख को वैश्विक स्तर पर प्रभावित किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। सवाल पैदा होता है कि अब कौन इस प्रकार के सूचकांकों पर विश्वास करेगा।

यह भी बताया जा रहा है कि इस सूचकांक को आंकने के लिए भारत के 140 करोड़ नागरिकों में से 3000 नागरिकों को ही इस सर्वे में शामिल किया गया था। इस प्रकार सर्वे का सैम्पल बनाते समय भारत जैसे विशाल देश के लिए अपर्याप्त संख्या का उपयोग किया गया। वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग पर कार्य कर रही संस्था 'स्टैंडर्ड एंड पूअर' ने हाल में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकलन करते हुए भारत के संबंध में अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक करते हुए कहा है कि वह भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के उद्देश्य से भारत के आर्थिक विकास संबंधी विभिन्न पैमानों आधारभूत ढांचे को विकसित करने एवं राजकोषीय घाटे को कम करने से संबंधित आंकड़ों एवं प्रयासों का गंभीरता से लगातार अध्ययन एवं विश्लेषण कर रही है। वैश्विक पटल पर पश्चिमी देशों की विभिन्न संस्थानों द्वारा भारत के प्रति ईर्ष्या का भाव रखने के चलते समय आ गया है कि भारत विभिन्न पैमानों पर अपनी रेटिंग तय करने के लिए अपने सूचकांक विकसित करने पर विचार करे क्योंकि वैश्विक स्तर पर पश्चिमी देशों द्वारा जितने भी सूचकांक तैयार किए जा रहे हैं, उनमें भारत के संदर्भ में वस्तुस्थिति का सही वर्णन नहीं किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार। मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बॉक्स ऑफिस पर तूफान बनकर छाई प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी

साल 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्म कल्कि 2898 एडी ने सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, दिशा पाटनी, और कमल हासन जैसे सितारों से सजी इस फिल्म की रिलीज का फैंस को बेसब्री से इंतजार था, जो गुरिवार यानी 27 जून 2024 को खत्म हो गया। अब जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है तो इस साइंस-फिक्शन को देखने सिनेमाघरों में दर्शकों की भीड़ भी उमड़ रही है। प्रभास की कल्कि 2898 एडी को एडवांस बुकिंग में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और रिलीज के बाद भी दर्शकों के बीच इसे लेकर दीवानगी देखने को मिल रही है।

ऐसे में हर किसी की निगाहें अमिताभ बच्चन और प्रभास स्टारर फिल्म के पहले दिन के कलेक्शन पर टिकी हैं। कल्कि 2898 एडी ने लंबे समय से चल रहे बॉक्स ऑफिस के सूखे को खत्म करते हुए पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है। फिल्म के पहले दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के आंकड़े भी सामने आ चुके हैं। प्राप्त समाचारों के अनुसार प्रभास, दीपिका और अमिताभ बच्चन की फिल्म भारतीय सिनेमा की तीसरी सबसे बड़ी ओपनर बनकर सामने आई है।

शुरुआती अनुमानों के अनुसार, कल्कि 2898 एडी ने पहले दिन दुनियाभर में 180 करोड़ के करीब कलेक्शन किया है। वहीं घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात की जाए तो नाग अश्विन द्वारा निर्देशित फिल्म ने भारत में अपने पहले दिन लगभग 95 करोड़ रुपये की कमाई की, जबकि अभी कलेक्शन के बढ़ने का अनुमान है।

अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन लगभग 115 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। कुल मिलाकर फिल्म ने पहले दिन दुनिया भर में 180 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। पहले दिन के कलेक्शन के साथ प्रभास की कल्कि 2898 एडी ने यश की केजीएफ 2 (159 करोड़ रुपये), खुद प्रभास की सालार (158 करोड़ रुपये), थलापति विजय की लियो (142.75 करोड़ रुपये), साहो (130 करोड़ रुपये) और शाहरुख खान की जवान (129 करोड़ रुपये) के वैश्विक शुरुआती रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

जूनियर एनटीआर और राम चरण स्टारर आरआरआर अभी भी 223 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ भारत की सबसे बड़ी ओपनर बनी हुई है, इसके बाद बाहुबली 2 है जिसने अपने शुरुआती दिन में 217 करोड़ रुपये से अधिक का कलेक्शन किया था।

कल्कि 2898 एडी की की बात करें तो फिल्म 27 जून को दुनिया भर में रिलीज हुई। फिल्म में प्रभास दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पाटनी स्टारर फिल्म को दर्शकों ओर क्रिटिक्स से पॉजिटिव रिव्यू मिल रहे हैं, ऐसे में वीकेंड पर फिल्म की कमाई में उछाल की उम्मीद है।

सामंथा रुथ प्रभु को हो रहा पछतावा, कहा - अनहेल्दी ब्रांड्स के ऐड करके गलती की

सामंथा रुथ प्रभु एक बेहतरीन अदाकारा हैं। वह अपनी दमदार एक्टिंग, ग्लैमर और हॉटनेस के लिए जानी जाती है। उन्होंने अपने पॉडकास्ट टेक 20 के एक एपिसोड में हेल्दी खाने के महत्व पर जोर दिया। इस दौरान एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्होंने अपनी जिंदगी में कुछ अनहेल्दी ब्रांड्स का ऐड करके गलतियां की हैं। टेक 20 के एपिसोड में सामंथा ने लाइफस्टाइल और वेलनेस एक्सपर्ट अलकेश शारोत्री के साथ हेल्दी खाने के महत्व पर चर्चा की। इस दौरान एक यूजर के कमेंट ने उनका ध्यान खींचा। एक यूजर ने सामंथा के बारे में कमेंट किया कि वह खुद अनहेल्दी ब्रांड्स का ऐड करती हैं और अपने पॉडकास्ट पर हेल्दी खाने के बारे में बात करती हैं। एक्ट्रेस ने माना कि उन्होंने अनहेल्दी ब्रांड्स के ऐड करके गलती की है। उन्होंने कहा, मैंने अतीत में कई गलतियां की हैं, लेकिन तब मुझे इस बारे में ज्यादा नहीं पता था, लेकिन अब मैं कई सारे ऐड के ऑफर्स को ठुकरा चुकी हूं। मैं हेल्दी रहने के लिए जो बातें कहती हूं, असल जिंदगी में उसको फॉलो भी करती हूं। सामंथा ने 2022 में खुलासा किया था कि उन्हें मायोसाइटिस नाम की बीमारी है और वह इसके इलाज के लिए एक्टिंग से एक साल का ब्रेक ले रही हैं। सरल भाषा में मायोसाइटिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बिना किसी कारण के सक्रिय हो जाती है। इसमें शरीर के अंदर सूजन आने लगती है। यह सूजन आमतौर पर कंधे, हाथ, पैर, जांघ, कमर और कूल्हों की मांसपेशियों में आती है। इससे खाने की नली, दिल और फेफड़े प्रभावित हो सकते हैं। सामंथा ने 2010 में रवि वर्मन की तेलुगु फिल्म ये माया चेसावे से अपने करियर शुरुआत की। इसमें उनके अपोजिट नागा चैतन्य थे। यह फिल्म हिट रही और दर्शकों ने उनकी केमिस्ट्री को काफी पसंद किया। इसके बाद, उन्हें नीथाने एन पोनवसंथम, ईगा, डूकुडु, सीथम्मा वकिटलो सिरिमल्ले चेट्टू, अत्तरिन्तिकी दरेदी, कथ्थी, थेरी, 24, मर्सल, रंगस्थलम, अ आ महानती, सुपर डीलक्स, माजिली, शकुंतलम और कुशी जैसी फिल्मों में देखा गया। उन्होंने वेब सीरीज द फैमिली मैन से डेब्यू किया। उन्हें राजी नाम की आतंकी के रोल में देखा गया। फिल्म पुष्पाः द राइज के आइटम सॉन्ग ओ अंटावा के जरिए सामंथा ने खूब पॉपुलैरिटी बटोरी।

मानसून में फैशन के लिए नायलॉन और पॉलिएस्टर का इस्तेमाल करती हैं विदिशा श्रीवास्तव

टीवी के पॉपुलर शो भाबीजी घर पर हैं में गोरी मेम का रोल अदा करने वाली विदिशा श्रीवास्तव ने मानसून फैशन ट्रेंड्स पर बात की। उन्होंने कहा कि वह मानसून में नायलॉन और पॉलिएस्टर जैसी सिंथेटिक मटेरियल पहनना पसंद करती हैं, क्योंकि वे मॉइश्चर-रेजिस्टेंस है और जल्दी सूख जाते हैं। मानसून फैशन का मतलब है स्टाइलिश और कंफर्टेबल रहते हुए मौसम को एन्जॉय करना। विदिशा सिटकॉम भाबीजी घर पर हैं में अनीता भाभी का किरदार निभा रही हैं।

उन्होंने कहा, बारिश के मौसम में, आपको स्टाइल से समझौता करने की जरूरत नहीं है। जब बारिश शुरू होती है, तो मैं नायलॉन और पॉलिएस्टर जैसे सिंथेटिक कपड़े पहनना पसंद करती हूं, जो मॉइश्चर को सोख लेते हैं और जल्दी सूख जाते हैं। उन्होंने कहा, मैं बारिश में हैवी कॉटन और वूलन कपड़ों को पहनने से बचती हूं, क्योंकि इन्हें सूखने में ज्यादा समय लगता हैं।

मुझे ज्यादा आकर्षक दिखने के लिए ब्राइट और बोल्ड प्रिंट वाले कपड़े पहनना पसंद है। प्लास्टिक जूलरी इस मौसम में फैशनेबल बने रहने के लिए एक बढ़िया ऑप्शन है। विदिशा ने कहा, मेरा पसंदीदा लुक एक स्टाइलिश वाटरप्रूफ जैकेट है, जिसे कलरफुल वाटरप्रूफ फुटवियर के साथ पेयर करना, और अपने आउटफिट में स्टाइल जोड़ने के लिए एक ट्रेंडी, कॉम्पैक्ट छाता ले जाना न भूलें।

विदिशा अपनी पर्सनल लाइफ को सीक्रेट रखती हैं। उन्होंने साल 2018 में सायक पॉल संग बनारस में सात फेरे लिए।

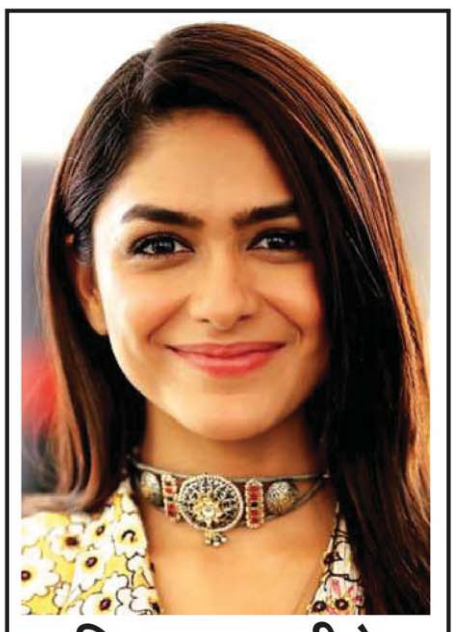

कल्कि 2898 एडी के लिए मैंने तुरंत हां कर दी थी : मृणाल ठाकुर

नाग अश्विन निर्देशित साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी क्रेज है। फिल्म देखने गए दर्शकों को बड़ा सरप्राइज मिला। मूवी में यूं अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी के अहम रोल हैं, लेकिन इसमें और भी कई स्टार स्पेशल अपीयरेंस में दिखे, जिनमें डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा, फिल्म मेकर एस.एस. राजामौली, एक्टर विजय देवेरकोंडा, दुलकर सलमान और एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर शामिल हैं। फिल्म में मृणाल ठाकुर ने एक प्रेग्नेंट लेडी का किरदार निभाया है। फिल्म में दिखाया गया है कि दुनिया दो हिस्सों में बंट चुकी है- काशी और कॉम्प्लेक्स। काशी में दूषित हवा है और गंगा नदी सूख चुकी है। वहीं कॉम्प्लेक्स को स्वर्ग की तरह बनाया गया है जहां साफ हवा, पौष्टिक खाना और पीने का पानी जैसी सारी सुविधाएं हैं।

कॉम्प्लेक्स पर राज करने वाला शासक यास्किन (कमल हासन) सर्वशक्तिमान बनने के लिए उन महिलाओं को ढूंढता है, जो गर्भ धारण कर सकती हैं। वह उनकी कोख से निकलने वाले सीरम को अपने अंदर इंजेक्ट करता है। इस कड़ी में उन्हें अदिति नाम की एक लड़की मिलती है, जो गर्भवती होती है। अदिति का यह किरदार मृणाल ने निभाया है। फिल्म में अदिति अच्छाई के लिए लड़ते हुए अपनी जान गंवा देती है।

फिल्म में स्पेशल अपीयरेंस को लेकर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने कहा, जब मुझे कल्कि 2898 एडी के लिए ऑफर आया, तो मैंने हां कहने में एक सेकंड भी नहीं लिया। एक्ट्रेस पहले फिल्म के निर्माताओं अश्विनी दत्त, स्वप्ना दत्त और प्रियंका दत्त के साथ फिल्म सीता रामम में काम कर चुकी हैं।

बेंगलुरु के स्कूल में पढ़ाया जा रहा था तमन्ना भाटिया का पाठ भड़के अभिभावक

बेंगलुरु के हेब्बाल में सिंधी हाई स्कूल ने 7वीं कक्षा की पाठ्यपुस्तक में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया पर एक पाठ शामिल किया है। यह पाठ सिंधी समुदाय पर एक अध्याय का हिस्सा है, जिसका शीर्षक सिंध के विभाजन के बाद भारतीय लोगों का जीवन है। हालांकि, इससे छात्रों के परिजन खासा नाराज हैं। उनका तर्क है कि यह बच्चों के लिए अनुपयुक्त है। इतना ही नहीं परिजनों ने इसकी शिकायत अधिकारियों से भी की है।

अभिभावकों ने की शिकायत

शिकायत दर्ज कराने वाले एक अभिभावक ने कहा, बच्चों को दूसरी संस्कृति से परिचित कराए जाने पर हमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन हमारी आपत्ति एक अभिनेत्री पर आधारित एक अध्याय रखने को लेकर है जो कक्षा सात के छात्रों के लिए अनुपयुक्त है। एसोसिएटेड मैनेजमेंट ऑफ इंग्लिश मीडियम स्कूल्स इन कर्नाटक (केएएमएस) अभिभावकों की शिकायतों की जांच कर रहा है। केएएमएस ने स्पष्टीकरण के लिए स्कूल और सीबीएसई बोर्ड दोनों से संपर्क किया है। संबंधित स्कूल के अधिकारियों ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

सोनू सूद ने सोनाक्षी और जहीर को दी शादी की शुभकामनाएं

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने हाल ही में शादी के बंधन में बंधे सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल को शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने सोनाक्षी की उपलब्धियों के बारे में खुलकर बात की। सोनू सूद एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत कर रहे थे। सोनाक्षी और जहीर इकबाल की शादी के बारे में सोनू सूद ने कहा, सोनाक्षी सिन्हा की शादी हो गई है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने हमारी फिल्म से अपनी शुरुआत की थी। मैं उनके अच्छे जीवन की कामना करता हूं। अभिनय में अपनी पहचान बनाने वाले सोनू सूद जल्द ही एक्शन फिल्म फतेह से निर्देशन में कदम रखने जा रहे हैं, जिसमें जैकलीन फर्नांडीज भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए एक्टर ने कहा, हम फिल्म की एडिटिंग कर रहे हैं, मैं अभी एडिटिंग करके ही आ रहा हूं। लेकिन मैं आप सब से बस यही कहना चाहता हूं कि यह फिल्म सबके लिए खास होगी। यह फिल्म साइबर अपराध की जटिलताओं और चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में कुछ बेहतरीन एक्शन सीक्वेंस भी दिखाए जाएंगे, जिन्हें हॉलीवुड स्टंट कोरियोग्राफर ली व्हिटेकर की देखरेख में किया गया है। शक्ति सागर प्रोडक्शंस और जी स्टूडियो द्वारा निर्मित इस फिल्म की शूटिंग भारत, अमेरिका, रूस और पोलैंड सहित कई स्थानों पर की गई है। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने 23 जून को परिवार वालों की मौजूदगी में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद कपल ने ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी भी होस्ट की। इस पार्टी की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं हिना खान

लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री हिना खान ने आज सोशल मीडिया पर ऐसी जानकारी साझा की है, जिससे उनको फैंस को झटका लगा है। अभिनेत्री ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। कैंसर की वह तीसरी स्टेज पर हैं। हिना ने पोस्ट साझा कर कहा है कि वे इससे उबरने के लिए हर संभव कोशिश कर रही हैं और मजबूती से डटी हैं। उपचार चल रहा है। हिना खान ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा की है। इसके साथ लिखा है, हैलो एव्रीवन, हाल ही में फैली अफवाहों के मद्देनजर मैं सभी हिनाहॉलिक्स और उन सभी लोगों के साथ कुछ महत्वपूर्ण जानकारी साझा करना चाहती हूं, जो मुझे बेहद प्यार करते हैं और मेरी परवाह करते हैं। जांच में मुझे कैंसर का पता चला है, जो तीसरी स्टेज पर है। हिना ने इसके साथ लिखा है, इस चुनौतीपूर्ण घड़ी में मैं सभी को आश्वस्त करना चाहती हूं कि मैं ठीक हूं। मैं मजबूत हूं और दृढ़ हूं। मैं इस बीमारी से ठीक होने के लिए मजबूती से डटी हुई हूं। मेरा इलाज पहले ही शुरू हो चुका है। मैं इससे उबरने के लिए और भी मजबूत होकर सामना कर रही हूं और ठीक होने के लिए हर संभव कोशिश करने के लिए तैयार हूं।

एक पोस्टर की वजह से क्यों ट्रोल हो रहीं माधुरी दीक्षित

अमेरिका में कथित तौर पर होने वाले एक कार्यक्रम का पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अभिनेत्री माधुरी दीक्षित लोगों के निशाने पर आ गईं। वायरल हो रहे इस पोस्टर में लिखा गया है कि अमेरिका के ह्यूस्टन में एक कार्यक्रम होगा, जिसमें माधुरी हिस्सा लेंगी। इस पोस्टर पर बतौर आयोजक पाकिस्तानी इवेंट मैनेजर रेहान सिद्दीकी का नाम लिखा है। इसी वजह से माधुरी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया है। हालांकि, पोस्टर और ह्यूस्टन में होने वाले कार्यक्रम को लेकर अभी माधुरी की तरफ से कोई भी आधिकारिक बयान जारी नहीं हुआ है।

नेपोटिज्म पर राघव जुयाल ने तोड़ी चुप्पी, कहा- मैं आउटसाइडर का सबसे बड़ा उदाहरण हूं...

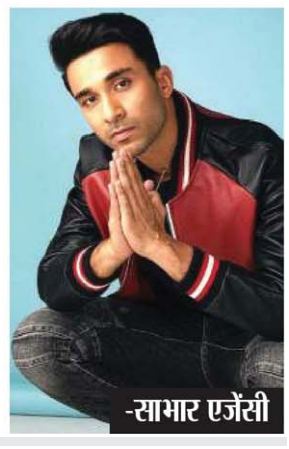

बॉलीवुड में एक शब्द को लेकर अक्सर चर्चा और विवाद होता रहता है और यह शब्द है- नेपोटिज्म... इस पर प्रियंका चोपड़ा, कंगना रनौत, कृति सेनन, राजकुमार राव जैसे कई बड़े स्टार्स ने अपनी राय रखी हैं, इस कड़ी में अब एक्टर और डांसर राघव जुयाल ने भी अपनी चुप्पी तोड़ी। राघव ने कहा, मैं नेपोटिज्म में विश्वास नहीं करता। मेरे लिए, ऐसी कोई चीज मौजूद नहीं है। मैं आउटसाइडर का सबसे बड़ा उदाहरण हूं] जिसे धर्मा प्रोडक्शंस में काम करने का मौका मिला। यह सब कड़ी मेहनत से हुआ है। लोगों को अपने काम पर फोकस करना चाहिए। देर-सबेर ही सही, वे अपने लक्ष्य को हासिल करेंगे। बॉलीवुड में नेपोटिज्म का मुद्दा तब छिड़ा, जब बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने 2017 में कॉफी विद करण शो में होस्ट करण जौहर को नेपोटिज्म का किंग कहा था। वहीं राघव की बात करें तो वह इन दिनों फिल्म किल को लेकर चर्चाओं में हैं। इसमें वह खतरनाक विलेन फानी का किरदार निभा रहे हैं। बात करते हुए राघव ने कहा कि किसी ने भी नहीं सोचा था कि वह इस तरह का क्रूर किरदार निभाएंगे।

-साभार एजेंसी

इंडिया वर्सेस साऊथ अफ्रीका टेस्ट

भारतीय टीम ने महिला टेस्ट क्रिकेट में बनाया सबसे बड़ा टीम स्कोर

स्मृति मंधाना ने भी 149 रन की शतकीय पारी खेली।

चैन्नई, एजेंसी। साउथ अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम भारत दौरे पर है। भारत और अफ्रीका के बीच इकलौता टेस्ट मुकाबला चेन्नई के चेपक स्टेडियम में खेला जा रहा है। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने शुक्रवार 28 जून को अपने इंटरनेशनल करियर का पहला दोहरा शतक बनाया। यह तीनों फॉर्मेट में उनकी पहली शतकीय पारी रही। उन्होंने 197 बॉल पर 205 रन की पारी खेली। हालांकि, शेफाली ने अपनी डबल सेंचुरी 194 बॉल पर ही पूरी कर ली थी।

यह विमेंस टेस्ट का सबसे तेज दोहरा शतक है। पिछला रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड के नाम था। उन्होंने इसी साल साउथ अफ्रीका के खिलाफ 248 बॉल पर दोहरा शतक जड़ा था और 256 बॉल पर 210 रन बनाए थे। वहीं, स्मृति मंधाना ने भी 149 रन की शतकीय पारी खेली। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड डबल सेंचुरी पार्टनरशिप हुई।

शेफाली ने एक टेस्ट इनिंग्स में जड़े सबसे ज्यादा छक्के

शेफाली वर्मा ने अपनी पारी में 8 छक्के और 23 चौके लगाए। विमेंस टेस्ट क्रिकेट में किसी भी खिलाड़ी ने एक पारी में इतने छक्के नहीं लगाए। उनसे पहले एक इनिंग में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने का रिकॉर्ड एलिस हीली के नाम था। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ एक पारी में 2 सिक्स लगाए थे। वहीं, 205 की इस पारी के 140 रन बाउंड्री से आए। यह भारत की ओर से एक इनिंग में बाउंड्री से आने वाले सबसे ज्यादा रन रहे।

मंधाना और शेफाली ने पहले विकेट लिए की सबसे बड़ी साझेदारी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 312 गेंदों में 292 रन की पार्टनरशिप की। यह साझेदारी टेस्ट में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही। उनसे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान की किरन बलूच और साजिदा शाह के नाम था। उन्होंने 2004 में वेस्टइंडीज के खिलाफ कराची में 241 रन की साझेदारी की थी। भारत के लिए यह किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रही भारत, दूसरे सेशन के बाद स्कोर 334/2 भारत और साउथ अफ्रीका के बीच एक मैच की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। टॉस जीतकर भारतीय टीम ने पहली बल्लेबाजी चुनी। टीम ने दो सेशन खत्म होने के बाद 2 विकेट के नुकसान पर 334 रन बना लिए। स्मृति मंधाना 149 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, सथीष शुभा ने 15 रन बनाए। भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया।भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया के नौ विकेट पर 575 रन के पिछले प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा टीम स्कोर खड़ा किया। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड बनाने के बाद पहली पारी छह विकेट पर 603 रन बनाकर घोषित की।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया के नौ विकेट पर 575 रन के पिछले प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा टीम स्कोर खड़ा किया। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड बनाने के बाद पहली पारी छह विकेट पर 603 रन बनाकर घोषित की।

वर्ल्ड स्पोर्ट्स ट्रांस्प्लांट चैम्पियनशिप

2024 में भारते के खाते में आए 2 पदक

उदयपुर, एजेंसी। रेहना रजत और आरिफ़ ने कांस्य पदक के साथ ही भारते के खाते में 2 पदक जुटाये। थाइलैंड की राजधानी बैंकॉक में आयोजित हो रहे वर्ल्ड स्पोर्ट्स ट्रांस्प्लांट चैम्पियनशिप 2024 के पेटांक प्रतियोगिता में भारत के नाम 1 रजत और 1 कांस्य पदक और जुड़ा।

इसमें से 1 रजत पदक उदयपुर की रेहना बेगम ने ओपन केटेगरी अपने नाम किया और कांस्य पदक जयपुर के भवानी सिंह पुरुष ने एकल केटेगरी में अपने नाम किया। साथ ही 29 जून को पुरुष युगल पेटांक प्रतियोगिता में उदयपुर के आरिफ़ और हरियाणा के सतबीर सिंह की जोड़ी ने कांस्य पदक और भवानी सिंह ने पुरुष एकल पेटांक शूटिंग प्रतियोगिता में रजत पदक अपने नाम किया।

इसके साथ ही रेहना और आरिफ़ ने अब तक कुल 1 स्वर्ण, 1 रजत और 3 कांस्य पदक उदयपुर के नाम कराये।

दिनेश कार्तिक ने फील्डर ऑफ द मैच का मैडल पंत को दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने इंग्लैंड के खिलाफ टी 20 विश्व कप के सेमीफाइनल में गुयाना में 68 रन की जीत में मौजूदा विकेटकीपर ऋषभ पंत को फील्डर ऑफ द मैच का मैडल प्रदान किया। बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किये गए वीडियो में भारतीय फील्डिंग कोच टी दिलीप ने सेमीफाइनल मैच में फील्डिंग प्रयासों के लिए विराट कोहली, हार्दिक पांड्या,रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और सूर्यकुमार यादव की सराहना की।

पंत ने चौथे ओवर में अक्षर पटेल की गेंद पर जोस बटलर का कैच लपका और मैच के आठवें ओवर में पटेल की गेंद पर मोईन अली को स्टंप भी किया। कार्तिक ने पंत को पदक प्रदान करते हुए कहा, खेल में कई कहानियां हैं लेकिन जिस व्यक्ति को मैं पदक दे रहा हूं उससे बेहतर कोई नहीं है। वह एक साल पहले जिस दौर से गुजरा था, मुझे लगता है कि छह महीने पहले किसी को उम्मीद नहीं थी कि वह इस टीम में होंगे, बहुतों ने यह उम्मीद भी नहीं की होगी कि वह इतनी जल्दी इस खेल को खेलेंगे, लेकिन वह यहां आए और जिस तरह से उन्होंने खेला, उससे सभी लोग बहुत खुश हैं और उन्होंने लाखों लोगों को खुश कर दिया है।

मिनर्वा एकेडमी एफसी ने मिजो चैंपियन इलेक्ट्रिक वेंग को हराकर तालिका के शीर्ष पर बनाई जगह

चंडीगढ़, एजेंसी। एआईएफएफ फुटबॉल क्लब चैम्पियनशिप में गत चैंपियन मिनर्वा एकेडमी एफसी की जीत का सिलसिला जारी है। अब टीम ने लगातार तीसरे गेम में इलेक्ट्रिक वेंग एफसी को हराया। वडोदरा में खेल आखिरी मिनट तक बराबरी पर रहा, लेकिन गत चैंपियन ने 7-5 के स्कोर के साथ जीत हासिल की।

इलेक्ट्रिक वेंग ने खेल की जोरदार शुरुआत की और 12 मिनट में 0-2 की बढ़त ले ली, जिससे मिनर्वा टीम शुरुआती दौर में पिछड़ गई। थापा (14%) और नाओबा (15%) ने मिनर्वा के लिए वापसी की और लगातार मिनटों में दो गोल करके स्कोर को बराबरी पर ला दिया। हाओकिप (18%) ने मिनर्वा एकेडमी के लिए बढ़त का गोल दागा और पहला हाफ खत्म होने तक टीम को 3-2 से आगे कर दिया। दूसरा हाफ दोनों तरफ से गोल के अनुकूल साबित हुआ। इसमें लालरेमटुलुंगा (23', 27') के दो गोलों ने इलेक्ट्रिक वेंग को शुरुआती बढ़त दिलाई।

गत विजेता ने देर से शुरुआत की, लेकिन आखिरी 10 मिनट में नाओबा (32'), चनप्रीत (30'), सैमसन (33') और हिमांशु (34') के गोलों से इलेक्ट्रिक वेंग को ध्वस्त करते हुए 7-5 से आसान जीत दर्ज की। मिनर्वा एकेडमी एफसी अभी तक खेले 3 मैचों में 19 गोल कर चुकी है, जबकि 7 उसके खिलाफ हुए हैं। 3 मैच में 3 जीत के बाद मिनर्वा के खाते में 9 अंक है और वो तालिका के शीर्ष पर है।

आर्टिस्ट ने कोयले से बनाई रोहित की खास तस्वीर

अमरोहा (उत्तर प्रदेश), एजेंसी। अमरोहा के एक आर्टिस्ट जुहैब खान ने कोयले से रोहित शर्मा की एक स्पेशल तस्वीर बनाई और पूरी टीम को शुभकामनाएं दी।

ओलंपिक से पहले भारत को बड़ा झटका

दावेदार डीपी मनु डोपिंग मामले में निलंबित

पंचकूला, एजेंसी। मनु 15 से 19 मई तक भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में 82.06 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।। उन्होंने एक जून को ताइपे शहर में ताइवान एथलेटिक्स ओपन में 81.58 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

ओलंपिक क्वालिफिकेशन के दावेदार माने जा रहे भाला फेंक खिलाड़ी डीपी मनु को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने प्रतिबंधित स्टेरॉयड के सेवन के आरोप में अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि मनु का पॉजीटिव टेस्ट इस साल अप्रैल में इंडियन ग्रां प्री के दौरान लिया गया था। इससे पहले उन्हें नाडा के निर्देश पर भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने प्रतिस्पर्धाओं से परे रहने के लिये कहा था । एशियाई चैम्पियनशिप 2023 में रजत पदक जीतने वाले 24 साल के इस खिलाड़ी का विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से ओलंपिक क्वालीफिकेशन लगभग निश्चित था। इस मामले के सामने आने के बाद हालांकि उनका पेरिस ओलंपिक की दौड़ से बाहर होना लगभग तय है। वह यहां गुरुवार से शुरू हुई राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप के लिए शुरुआती प्रवेश सूची में थे। लेकिन बाद में जारी की गयी सूची से उनका नाम हटा दिया गया।

एएफआई अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नाडा ने महासंघ से मनु को प्रतियोगिताओं से रोकने के लिए कहा है लेकिन उन्होंने इसकी पुष्टि नहीं की कि एथलीट ने डोपिंग अपराध किया है या नहीं। सुमरिवाला ने कहा, ''ऐसा कुछ हो सकता है, लेकिन हम अभी नहीं जानते कि वास्तविक कारण क्या है। कल एएफआई कार्यालय (नाडा से) को एक फोन आया था कि उसे (मनु को) प्रतियोगिताओं से रोक दिया जाए।'' उन्होंने कहा, '' इसके अलावा कोई विवरण (किस तरह के संभावित उल्लंघन पर) नहीं दिया गया है। मुझे लगता है कि एथलीट (डीपी मनु) खुद नाडा से पता लगा रहा है कि इसके पीछे क्या कारण है।''

मनु 15 से 19 मई तक भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में 82.06 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।। उन्होंने एक जून को ताइपे शहर में ताइवान एथलेटिक्स ओपन में 81.58 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। मनु विश्व एथलेटिक्स 'रोड टू पेरिस' सूची में 15वें स्थान पर थे और पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की राह पर थे क्योंकि 32 एथलीट पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। क्वालिफिकेशन की अंतिम तिथि 30 जून है।

इंजमाम के बयान पर भड़के रोहित शर्मा, हमें मत सिखाओ... दिमाग का इस्तेमाल करो...

टीम इंडिया के गेंदबाजों पर गेंद से छेड़छाड़ के आरोप लगाने वाले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक को मौजूदा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने दिमाग का इस्तेमाल करने का आग्रह किया था। रोहित के इस बयान पर इंजमाम भड़क गए हैं। उन्होंने एक टीवी शो के दौरान रोहित पर तीखे हमला करते हुए कहा है कि वह उन्हें न सिखाएं कि क्या कहना है और क्या नहीं। बता दें कि इंजमाम ने टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्शदीप सिंह द्वारा फेंके गए 15वें ओवर में मिल रही गेंद रिवर्स-स्विंग पर सवाल उठाए थे।

भारत की 24 रनों से जीत के बाद इंजमान ने दावा किया कि गेंद पर गंभीरता से काम किया गया है। लेकिन भारतीय कप्तान ने पलटवार किया और धूप में रिवर्स-स्विंग की बारीकियां बताईं। रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से पहले इंजमाम के आरोपों पर कहा था कि यहां के विकेट काफी शुष्क हैं। सभी टीमों को रिवर्स (स्विंग) मिल रही है। आपको अपना दिमाग खुला रखने की जरूरत है। यह ऑस्ट्रेलिया नहीं है।

बहरहाल, पाकिस्तान के एक टीवी शो पर

इंजमाम ने कहा कि आप किसी ऐसे व्यक्ति को कुछ नहीं सिखाते जिसने वास्तव में दुनिया को सिखाया हो। उसे बताएं कि ये बातें कहना सही नहीं है। हम निश्चित रूप से अपने दिमाग का उपयोग करेंगे लेकिन पहली बात यह है कि उन्होंने (रोहित) स्वीकार किया कि ऐसा हो रहा है। तो इसका मतलब है कि हमने जो देखा वह सही है। दूसरी बात, रोहित को हमें यह बताने की जरूरत नहीं है कि रिवर्स स्विंग कैसे काम करती है, कितनी धूप में काम करती है। मैंने अंपायरों को केवल सुझाव दिया था कि अपनी आंखें खुली रखें क्योंकि 15वें ओवर में गेंद घूम रही थी और मैं अभी भी अपना रुख बनाए हुए हूं। मैं उनसे फिर कहूंगा अपनी आंखें खुली रखें। क्या हो रहा है?

इंजमान का उनके साथी पैनलिस्ट पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सलीम मलिक भी समर्थन करते हुए नजर आए। हालांकि उक्त मामले पर पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और दिग्गज बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि इस मामले को रिपोर्टर को आगे बढ़ाने की जरूरत नहीं थी। हालांकि सहवाग ने यह भी कहा कि अगर वह रोहित की जगह होते तो ऐसी किसी भी टिप्पणी से बचते।

गुलाम हैदर को भारत आने का जल्द मिल सकता है वीजा, खुलेगी सीमा की पोल

-सीमा हैदर के खिलाफ भारतीय अदालतों में दर्ज कराएंगे अपना बयान

इस्लामाबाद। गैरकानूनी तरीके से नेपाल के रास्ते भारत आई सीमा हैदर का पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर भारत आने के प्रयास में है। गुलाम ने कहा था कि वह 10 जून तक भारत आएगा लेकिन वह नहीं आ सका। अब गुलाम ने बताया है कि उसने वीजा प्रक्रिया को पूरा कर लिया है और जल्द ही अपने बच्चों से मिलने भारत जाएंगे और सीमा हैदर की खोलेंगे पोल। अंसार बर्नी ट्रस्ट ने गुलाम की मदद करते हुए भारत में मोमिन मलिक को उसका वकील बनाया था। गुलाम ने कहा कि जल्द ही भारत जाने की तारीख भी तय हो जाएगी। गुलाम ने कहा कि कुछ और लोग भी उनके साथ जाना चाहते थे लेकिन फिलहाल वह अकेले ही भारत जाएंगे। गुलाम ने कहा उसे भारत जाने की तारीख आने का इंतजार है ताकि वह भारत की अदालतों में सीमा के खिलाफ गवाही दे सके। एक महीने तक गुलाम को भारत में रहने का मौका मिल सकता है। ट्रस्ट ने कहा है कि उनको उम्मीद है कि वीजा मिल जाएगा क्योंकि ऐसी कोई वजह नहीं है, जिसको आधार बनाकर वीजा ना दिया जाए। ट्रस्ट की ओर से ये भी कहा गया है कि वकील मोमिन मलिक ने कई सारे मामले सीमा पर लगाए हैं। इन मामलों में गुलाम का बयान जरूरी है और उनको वहां जाकर अपना पक्ष रखने का मौका मिलना चाहिए।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का बयान.... तहरीक-ए-तालिबान के खिलाफ एक्शन लेगी सेना

लौहार (ईएमएस)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के बीच तनाव दिख रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि सेना के सैन्य अभियान ऑपरेशन आजम-ए-इस्तेहकाम के तहत तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। रक्षा मंत्री आसिफ ने पाकिस्तान के कई नेताओं के टीटीपी के साथ बातचीत की संभावना को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि टीटीपी के साथ बातचीत का कोई आधार नहीं है। एक साक्षात्कार में आसिफ ने कहा कि यह सैन?य अभियान चलाने का फैसला किसी हड़बड़ी में नहीं लिया गया है। उनका यह बयान उस समय पर आया है जब इमरान की पार्टी ने खुलकर सैन्य अभियान चलाने का विरोध किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस सैन्य अभियान को लेकर राजनीतिक दलों की चिंताओं को दूर किया जाएगा। साथ ही उनके हर सवाल का जवाब भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस सैन्य अभियान का उद्देश्य सीमा के पास टीटीपी के ठिकानों को निशाना बनाना है। आसिफ ने कहा कि देश की एकजुटता से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। उन्होंने अफगानिस्तान के अंदर आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने को न्यायोचित बताकर दलील दी कि यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन नहीं करेगा। आसिफ ने कहा कि इसकी वजह यह है कि अफगानिस्तान से पाकिस्तान में आतंकवाद का निर्यात हो रहा है। उन्होंने कहा कि इमरान खान ने 4000 स्लीपर सेल के सदस्यों को आने दिया जो अब पाकिस्तान में अशांति फैला रहे हैं।

भविष्य में धूम्रपान से भी ज्यादा जोखिम है डिमेंशिया, -हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा, डायबिटीज, शिक्षा और धूम्रपान है प्रमुख जोखिम

वाशिंगटन। धूम्रपान से भी ज्यादा जोखिम भविष्य में डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) के मामलों को बढ़ा सकता है। हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा, डायबिटीज, शिक्षा और धूम्रपान समेत आनुवंशिक (जेनेटिक) और पर्यावरणीय कारकों का मिलना मनोभ्रंश रोग के लिए प्रमुख जोखिम फैक्टर है। यह खुलासा हुआ एक ताजा अध्ययन में। शोधकर्ताओं ने कहा, यूरोप और अमेरिका में भी धूम्रपान के स्तर में कमी आई है, क्योंकि यह सामाजिक रूप से अब कम स्वीकार्य होने के साथ ज्यादा महंगा हो गया है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) के शोधकर्ताओं ने पता लगाया कि समय के साथ इन जोखिमों के प्रसार में किस प्रकार परिवर्तन आया है। शोधकर्ताओं की टीम ने 1947 और 2015 के बीच जुटाए गए आंकड़ों और 2020 में प्रकाशित लेटेस्ट शोधपत्र के आधार पर विश्व स्तर पर मनोभ्रंश से पीड़ित लोगों से जुड़े 27 शोधपत्रों का विश्लेषण किया। परिणामों से पता चला कि निम्न शिक्षा और धूम्रपान करने वालों की संख्या में समय के साथ कमी की वजह से डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) की दरों में गिरावट आई है। समय के साथ मोटापे और डायबिटीज की दरें बढ़ी हैं। साथ ही मनोभ्रंश के जोखिम में भी इनका योगदान बढ़ा है। ज्यादातर अध्ययनों में हाइपरटेंशन (हाई ब्लड प्रेशर) सबसे बड़ा डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) का कारण बनकर उभरा है। यूसीएल साइकियाट्री की प्रमुख लेखिका नाहिद मुकदम ने कहा, समय के साथ हृदय संबंधी जोखिम ने डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) के जोखिम को और अधिक बढ़ा दिया है। इसलिए भविष्य में मनोभ्रंश की रोकथाम के प्रयासों के लिए इन पर ज्यादा ध्यान देकर कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का स्तर समय के साथ कई उच्च आय वाले देशों में बढ़ा है। जिसका मतलब है कि यह डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) का कम महत्वपूर्ण जोखिम कारक बन गया है।

शराब के कारण सालाना होती है 30 लाख लोगों की मौतें, -डब्ल्यूएचओ ने कहा- हाल के वर्षों में मौतों में आई है कुछ कमी

जिनेवा। शराब की वजह से हर साल करीब 30 लाख लोगों की मौत होती है। हाल के वर्षों में मृत्यु दर में थोड़ी कमी आई है, लेकिन यह 'अस्वीकार्य रूप से उच्च' बनी हुई है। यह कहना है विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का। इस बारे में डब्ल्यूएचओ की नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब की वजह से हर साल दुनिया भर में 20 में से करीब एक मौत होती है, जिसमें शराब पीकर गाड़ी चलाना, शराब के कारण हिंसा और दुर्व्यवहार और कई तरह की बीमारियां और विकार शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में शराब के सेवन से 2.6 मिलियन मौतें हुईं - नवीनतम उपलब्ध आंकड़े - जो उस साल दुनिया भर में हुई सभी मौतों का 4.7 प्रतिशत है। इसमें कहा गया है कि इनमें से करीब तीन-चौथाई मौतें पुरुषों की थीं। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने कहा, पदार्थों का सेवन व्यक्तिगत स्वास्थ्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। पुरानी बीमारियों, मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के जोखिम को बढ़ाता है और दुखद रूप से हर साल लाखों लोगों की मृत्यु को रोकता है। उन्होंने बताया कि 2010 से दुनिया भर में शराब के सेवन और उससे होने वाले नुकसान में कुछ कमी आई है। उन्होंने कहा, लेकिन शराब के सेवन के कारण स्वास्थ्य और सामाजिक बोझ अस्वीकार्य रूप से उच्च बना हुआ है उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि युवा लोग असमान रूप से प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट में पाया गया कि 2019 में इसके कारण हुई सभी मौतों में से अनुमानित 1.6 मिलियन गैर-संचारी रोगों से थीं। इनमें से 474,000 हृदय संबंधी बीमारियों से, 401,000 कैंसर से और 724,000 लोग यातायात दुर्घटनाओं और खुद को नुकसान पहुंचाने सहित चोटों से थे। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि 2019 में शराब के कारण होने वाली मौतों का उच्चतम अनुपात - 13 प्रतिशत - 20 से 39 वर्ष की आयु के लोगों में था। शराब पीने से कई तरह की स्वास्थ्य स्थितियां जुड़ी हुई हैं, जिनमें लीवर का सिरोसिस और कुछ कैंसर शामिल हैं।

तेहरान में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में इब्राहिम रईसी की मृत्यु के बाद इब्राहिम रईसी के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए त्वरित राष्ट्रपति चुनाव में शुक्रवार को मतदान केंद्र पर वोट देने के लिए कतार में खड़ी ईरानी महिलाएं।

वर्जीनिया की चुनावी रैली में ट्रंप ने डिबेट में अपने प्रदर्शन का मनाया जश्न

वाशिंगटन। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। यहां प्रेसिडेंशियल डिबेट जारी है। डिबेट में डोनाल्ड ट्रंप ने जो बाइडन पर निशाना साधा। इसके बाद वर्जीनिया में आयोजित एक चुनावी रैली में ट्रंप ने डिबेट में अपने प्रदर्शन का जश्न मनाया। अपने भाषण में ट्रंप ने कई मुद्दों पर बाइडन को घेरा। उन्होंने बाइडन से कहा कि देश उन्हें नहीं चाहता और यहां से भाग जाओ। उन्होंने कहा कि बाइडन राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर नहीं निकल रहे हैं। ट्रंप ने कहा, कल रात के प्रदर्शन के बाद कई लोग कह रहे हैं कि जो बाइडन दौड़ से बाहर हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि मैं ऐसा नहीं मानता। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि बाइडन से डिबेट के मॉडरेटर मिले हुए थे। जिसका अर्थ है कि बाइडन बहस में हेराफेरी करने की कोशिश कर रहे थे। ट्रंप ने अप्रवासियों द्वारा अश्वेत और हिस्पैनिक अमेरिकियों से नौकरियां छीनने के बारे में निराधार आरोप लगाए। बाइडन ने यह याद दिलाए जाने पर कि ट्रम्प के पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ जॉन केली ने कहा था कि ट्रंप ने मृत सैन्य दिग्गजों को मूर्ख और असफल कहा था। ट्रंप ने आरोप से इनकार किया और केली का अपमान करते हुए उन्हें उनमें से सबसे मूर्ख और एक खोई हुई आत्मा बताया।

चीन के एयरपोर्ट पर अडानी का कब्जा ! नेपाल ने भारत से निभाई दोस्ती, जिनपिंग के उड़े होश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी ग्रुप बड़े स्तर पर दुनिया में छाया हुआ है और अब बारी एयरपोर्ट्स की है। खबर है कि नेपाल के एयरपोर्ट्स को अडानी टच मिलने वाला है। बड़ी बात ये है कि नेपाल में जिस एयरपोर्ट को चीन ने बनाया वो एयरपोर्ट भी अडानी ग्रुप संचालित करने जा रहा है। माना जाता है कि पिछले साल भारत की यात्रा के दौरान, नेपाल के प्रधान मंत्री पुष्प कुमार दहल प्रचंड ने नवनिर्मित हवाई अड्डों के प्रबंधन के लिए भारत से मदद मांगी थी। नेपाली अधिकारी अपने तीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के प्रबंधन के लिए भारतीय अरबपति समूह अडानी एंटरप्राइजेज के शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। बहुराष्ट्रीय सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होल्डिंग कंपनी अडानी समूह का हिस्सा है। नेपाली सूत्रों ने कहा कि अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) के वरिष्ठ अधिकारी नेपाली एजेंसी के निमंत्रण पर काठमांडू में नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) के साथ शुरुआती दौर की वार्ता कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि बैठकें जनवरी से हो रही हैं जब समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने 'वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन' के मौके पर राज्य के वित्त मंत्री राम शरण महत के साथ एक बैठक के दौरान नेपाल के हवाई अड्डे और ऊर्जा क्षेत्रों में निवेश करने में रुचि व्यक्त की थी। हालांकि, अडानी के अधिकारियों ने अभी तक इस मामले पर अंतिम फैसला नहीं किया है, जब तक कि समूह हवाई अड्डों के संचालन की व्यवहार्यता का आकलन नहीं कर लेता। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने वैश्विक निविदा के माध्यम से कम से कम तीन हवाई अड्डों - पोखरा क्षेत्रीय अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (पीआरआईए), गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (जीबीआईए) और त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) के संचालन को तीसरी कंपनी को आउटसोर्स करने का निर्णय लिया है।

मई 2022 में उद्घाटन भैरहवा में गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण चीन के नॉर्थवेस्ट सिविल एविएशन एयरपोर्ट कंस्ट्रक्शन ग्रुप द्वारा किया गया था। इसे एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए ओपेक फंड द्वारा वित्त पोषित किया गया है। दूसरी ओर, पिछले जनवरी में उद्घाटन किए गए पोखरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण चीन के निर्यात-आयात बैंक से 215 मिलियन डॉलर के ऋण की मदद से किया गया था। इसका निर्माण चाइना सीएएमसी इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड ने किया है। पोखरा हवाई अड्डे को नेपाल में चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत निर्मित प्रमुख परियोजना के रूप में वर्णित किया गया है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने क्यों कि नेहरु को याद

-पंचशील के सिद्धांतों पर कही ये बात

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वर्तमान समय के संघर्षों के अंत के लिए पंचशील के सिद्धांतों की प्रासंगिकता को रेखांकित कर पश्चिमी देशों के साथ चीन के संघर्षों के बीच 'ग्लोबल साउथ' में अपने देश का प्रभाव बढ़ाने पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय के अनुसार पंचशील के सिद्धांतों को पहली बार औपचारिक रूप से 29 अप्रैल, 1954 को तिब्बत क्षेत्र के बीच व्यापार व संबंध को लेकर चीन और भारत के बीच हुए समझौते में शामिल किया गया था। चीन में इस शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांत जबकि भारत में पंचशील का सिद्धांत कहा जाता है।

तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एनलाई जब सीमा मुद्दे का समाधान खोजने में विफल रहे थे तब उन्होंने पंचशील के सिद्धांतों पर सहमति जाहिर की थी। शी ने कहा, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों ने समय की मांग को पूरा किया और इनकी शुरुआत एक अपरिहार्य ऐतिहासिक घटनाक्रम था।

शी ने सम्मेलन को संबोधित कर कहा, चीन-भारत और चीन-म्यामांर संयुक्त वक्तव्यों में पांच सिद्धांतों को शामिल किया था। इन वक्तव्यों में पांच सिद्धांतों को द्विपक्षीय संबंधों के लिए बुनियादी मानदंड बनाने का आह्वान किया गया था। सम्मेलन में श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे सहित चीन क करीबी देशों के नेता और अधिकारी शरीक हुए। शी ने कहा कि शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के पांच सिद्धांतों की शुरुआत एशिया में हुई, लेकिन जल्द ही ये विश्व मंच पर छा गए। उन्होंने कहा कि पंचशील सिद्धांत आज अंतरराष्ट्रीय समुदाय की समान संपत्ति बन चुके हैं।

उन्होंने कहा कि 1955 में बांडुंग सम्मेलन में 20 से अधिक एशियाई और अफ्रीकी देशों ने भाग लिया था। उन्होंने कहा कि 1960 के दशक में उभरे गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने भी इन सिद्धांतों को मार्गदर्शक सिद्धांत के तौर पर अपनाया। अमेरिका और यूरोपीय संघ से बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का सामना कर हाल के वर्षों में एशियाई, अफ्रीकी और लातिन अमेरिकी देशों में अपना प्रभाव बढ़ाने की जुगत में लगे चीन का भारत और अन्य विकासशील देशों के साथ संघर्ष हुआ है। इन देशों को मोटे तौर पर 'ग्लोबल साउथ' कहा जाता है।

हूती विद्रोहियों ने एक पोत पर मिसाइल हमले किए

लंदन। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से गुजर रहे एक पोत पर मिसाइल हमले किए। ब्रिटिश सेना के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने यह जानकारी दी। हूती विद्रोही वर्तमान में समुद्री मार्ग पर पोतों को कई बार निशाना बना चुके हैं। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन' (यूकेटीएमओ) केंद्र ने बताया कि विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेदा के तट से गुजर रहे पोत के पास पांच मिसाइल गिरीं। यूकेटीएमओ ने बताया कि हमलों में पोत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने दावा किया था कि हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में पोतों पर दो हमले किए हैं, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यूकेटीएमओ ने किस पोत पर हुए हमले के बारे में बताया है। विद्रोहियों ने मिसाइल और ड्रोन हमलों के जरिए अब तक 60 से अधिक पोत को निशाना बनाया है और इन हमलों में चार नाविक मारे गए हैं। हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व में जनवरी से कई हवाई हमले किए गए हैं। विद्रोहियों के अनुसार, 30 मई को हुए हमले में करीब 16 लोगों की मौत हुई थी और 42 अन्य घायल हुए थे।

रूस-यूक्रेन जंग खत्म करने की बना रहे हैं योजना : जेलेंस्की

कीव (एजेंसी)। यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा, हमारे लिए युद्ध को खत्म करने की एक योजना बनाना बहुत महत्वपूर्ण है, जिसका दुनिया के अधिकांश देशों द्वारा समर्थन किया जाना चाहिए। यह एक कूटनीतिक रास्ता है जिस पर हम काम कर रहे हैं। इससे पहले ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ की शिखर सम्मेलन में, ज़ेलेंस्की ने कहा था कि वह युद्ध को खत्म करने के लिए कुछ ही महीनों में एक विस्तृत योजना पेश करेंगे। सैनिकों और नागरिकों के बीच मौत के बढ़ते आंकड़ों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, हमारे पास बहुत ज्यादा समय नहीं है।

ज़ेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सार्वजनिक बयानों को देखे तो शांति समझौते की शर्तों के मामले में दोनों देश अब भी एक-दूसरे से बिलकुल अलग नज़र आते हैं। शांति समझौते को लेकर यूक्रेन ने बार-बार कहा है कि बातचीत शुरू होने से पहले रूस को अपने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त क्षेत्र से अपने सैनिकों को वापस बुलाना होगा। ज़ेलेंस्की ने इस महीने की शुरुआत में स्विट्ज़रलैंड में एक अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी। इस सम्मेलन में रूस को नहीं बुलाया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य यूक्रेन के लिए समर्थन जुटाना ही था। 90 से अधिक देशों ने इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में भाग लिया। अधिकतर देशों ने एक विज्ञप्ति पर सहमति भी जताई, जिसमें किसी भी समझौते में यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की जरूरत पर जोर दिया गया। लेकिन भारत जैसे कुछ प्रमुख देश सहमत नहीं हुए और रूस के सहयोगी चीन जैसे कुछ और देशों ने रूस को आमंत्रित नहीं किए जाने के विरोध में शिखर सम्मेलन का बहिष्कार किया था।

नासा ने बढ़ाई स्टारलाइनर मिशन की अवधि, अभी धरती पर नहीं लौटेंगी सुनीता

-अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेसवॉक में भी आ रही हैं दिक्कतें

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नासा की भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और एक अन्य साथी स्पेस में फंसे हुए हैं। सुनीता बोइंग स्टारलाइनर के जरिए वह अपने साथी बुच विल्मोर के साथ स्पेस स्टेशन गई थीं और बोइंग कैप्सूल में खराबी के कारण वह वहां फंस गई।

नासा ने अब कहा है कि उसके दोनों अंतरिक्ष यात्री ज्यादा समय तक स्पेस में ही रहेंगे। क्योंकि इंजीनियर बोइंग कैप्सूल में आई खराबी को सुधारने का काम जारी है। नासा ने जमीन पर परीक्षण पूरा होने तक वापसी की तारीख तय नहीं की और कहा कि अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित हैं। नासा के स्टीव स्टिच ने कहा कि हमें अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने की कोई जल्दी नहीं है। उन्होंने कहा कि नासा स्टारलाइनर के मिशन की अवधि को 45 से बढ़ाकर 90 दिन करने पर विचार कर रहा है।

बता दें पांच जून को दोनों अंतरिक्ष यात्री बोइंग स्टारलाइनर कैप्सूल में सवार होकर अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए थे। सालों की देरी और असफलताओं के बाद बोइंग का यह पहला अंतरिक्ष यात्री लॉन्च था। यह टेस्ट फ्लाइट करीब एक सप्ताह चलने की उम्मीद थी। विल्मोर और विलियम्स के लिए स्टेशन से जुड़ने के दौरान कैप्सूल की जांच के लिए पर्याप्त समय था लेकिन कैप्सूल के थ्रस्टर में खराबी के कारण नासा और बोइंग को समस्या का विश्लेषण करते समय वापसी की उड़ान में देरी करनी पड़ी।

नासा को अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेसवॉक में भी दिक्कतें आ रही हैं। इसी सप्ताह एक अंतरिक्ष यात्री के स्पेससूट से पानी लीक होने के बाद स्पेसवॉक रद्द कर दी गई। समस्या का समाधान नहीं हुआ है और अगले सप्ताह की प्रस्तावित स्पेसवॉक भी रद्द कर दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक स्टारलाइनर की उड़ान से पहले रॉकेट में हीलियम लीक देखने को मिला था। उड़ान के दौरान कई और रिसाव देखे गए। हीलियम का इस्तेमाल थ्रस्टर्स के लिए ईंधन पर दबाव डालने के लिए किया जाता है। पांच फेल थ्रस्टर्स में से चार को ठीक कर लिया गया है। एक थ्रस्टर के ठीक होने की उम्मीद नहीं है।

पाकिस्तान को अब हथियार देगा अमेरिका? बिना तैयारी कर दिया सैन्य ऑपरेशन का एलान, फंसने पर लगा गिड़गिड़ाने

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अगर लंबे समय तक खाई को घूरेंगे तो खाई भी आपको घूरने लगेगी।' जर्मन दार्शनिक नीत्शे का एक क्योट है। डेढ़ सौ साल पहले कही गई ये बात अब हमारे पड़ोस में साकार हो रही है। पाकिस्तान तालिबान को घूर रहा है, लेकिन क्यों ? क्योंकि तालिबान की परछाई उसके अपने घर में आकार ले रही है। पाकिस्तान वैसे तो आतंकवाद को पालने वाला देश माना जाता है टीटी के आतंक से परेशान होकर देश में आतंकवाद खत्म करने के लिए एक सैन्य अभियान चलाने का ऐलान किया है। लेकिन इस अभियान में पाकिस्तान कामयाब होता हुआ नहीं दिख रहा है।

हाल ही में पाकिस्तान की सरकार ने नाम की सैन्य अभियान को मंजूरी दी है। पाकिस्तान की सरकार का कहना है कि इस सैन्य अभियान का उद्देश्य टीटीपी और दूसरे आतंकी गुटों से लड़ना है। शहबाज शरीफ के कार्यालय की ओर से इसकी घोषणा कर दी गई है। लेकिन ऐसा लगता है कि पाकिस्तान ने इसकी अभी पूरी तरह से तैयारी नहीं की है। ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेकाम (स्थिरता का संकल्प) के ऐलान के तुरंत बाद से ही अमेरिका से हथियारों की मांग शुरू कर दी है। पाकिस्तान ने अमेरिका से छोटे हथियार की मांग की है।

पाकिस्तानी मीडिया संस्थान जियो न्यूज के मुताबिक अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत मुसुद खान ने वाशिंगटन डीसी में विलशन सेंटर के एक कार्यक्रम में कहा कि ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेकाम (स्थिरता का संकल्प) की सफलता सुनिश्चित करने के लिए उनके देश को छोटे हथियारों और दूसरे आधुनिक सैन्य उपकरणों की आवश्यकता है। मुसुद खान ने ये भी कहा कि पाकिस्तान और अमेरिका को अपने संबधों को मजबूत करने के लिए दूसरे मोर्चे के साथ भी खुफिया सहयोग भी बढ़ाना चाहिए। इसके साथ ही सैन्य प्लेटफॉर्मों की बिक्री फिर से शुरू करनी चाहिए। यह क्षेत्रीय सुरक्षा और आतंकवाद को रोकने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

दिल्ली में बारिश ने बरपाया कहर अब अगले कुछ दिनों के लिए मौसम विभाग ने जारी किया ये अलर्ट

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में बीते दो दिनों से मेघ बरस रहे हैं। बारिश से लोगों को गर्मी से तो राहत मिली है लेकिन इसने जलजमाव और ट्रैफिक जाम की स्थिति भी पैदा कर दी है। शहर में 88 वर्षों की रिकॉर्ड तोड़ बारिश के साथ मानसून ने दस्तक दी है। वहीं, यहां अगले दो दिनों में भारी बारिश की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग अगले चार दिन भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा दिल्ली में पूरे दिन मध्यम से भारी बारिश की संभावना है, रविवार तथा सोमवार को और अधिक भारी बारिश होने का अनुमान है।''दिल्ली के रोहिणी और बुराड़ी सहित कई इलाकों में सुबह के समय बारिश हुई। दोपहर बाद भी शहर में कई जगह बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले सात दिन गरज के साथ भारी बारिश का पूर्वानुमान किया है। आईएमडी के अनुसार, एक दिन में 7.6 से 35.5 मिलीमीटर के बीच वर्षा मध्यम वर्षा की श्रेणी में आती है, और एक दिन में 64.5 से 124.4 मिमी के बीच वर्षा भारी वर्षा कहलाती है। इसने कहा कि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आर्द्रता का स्तर 80 प्रतिशत रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली का एक्यूआई सुबह नौ बजे तक 108 के साथ मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई।

कोर्ट का आदेश, 6 जुलाई को हाजिर हो....राहुल गांधी

रांची । मोदी सरनेम को लेकर कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को रांची के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में हाजिर होना होगा। कोर्ट ने केस में चार्ज फ्रेम करने पर बहस के लिए 6 जुलाई की तारीख तय की है। कानूनी प्रावधानों के अनुसार, इस दौरान बयान दर्ज कराने के लिए कोर्ट में राहुल गांधी की निजी तौर पर उपस्थिति जरूरी होगी। यह केस रांची के लालपुर निवासी एडवोकेट प्रदीप मोदी ने 23 अप्रैल 2019 को दर्ज कराया था। सिविल कोर्ट में दर्ज शिकायत के अनुसार,राहुल गांधी ने रांची में चुनावी सभा में कहा था कि मोदी सरनेम वाले सभी लोग चोर होते हैं। शिकायत में कहा गया है कि राहुल गांधी की इस टिप्पणी से पूरा मोदी समाज आहत हुआ है। इसकारण उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। रांची सिविल कोर्ट ने मामले को 30 सितंबर 2021 को एमपी एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया। इसके बाद कोर्ट ने राहुल के खिलाफ समन जारी किया। इस पर राहुल ने याचिका दाखिल कर उपस्थिति से छूट मांगी, जिसे सुनवाई के बाद अदालत ने पहले ही खारिज कर दिया है।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट...4 की मौत

चेन्नई । तमिलनाडु के विरुधुनगर में एक पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट के बाद 4 श्रमिकों की मौत हुई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि विस्फोट और आग लगने का कारण पटाखा बनाने में रासायनिक पदार्थों का गलत तरीके से इस्तेमाल होना बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इकाई के नजदीक मौजूद एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। उन्होंने बताया कि पटाखा निर्माण इकाई की इमारत को भी इस घटना में नुकसान पहुंचा है।

प्रज्वल रेवन्ना को नहीं मिल रही राहत, 8 जुलाई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) की एक अदालत ने आज (29 जून) को सेक्स वीडियो कांड के मुख्य आरोपी पूर्व जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना को 8 जुलाई (सोमवार) तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। प्रज्वल को विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अदालत में पेश किया क्योंकि उसकी पुलिस हिरासत शनिवार को समाप्त हो गई थी। प्रज्वल के वकील ने कहा कि बीमारी की पृष्ठभूमि में प्रज्वल को एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। हालाँकि, अदालत ने उन्हें जेल अधिकारियों को इस संबंध में एक याचिका प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि अगर जेल अधिकारी अनुमति देंगे तो मामले की सुनवाई सोमवार को की जायेगी। प्रज्वल को बेंगलुरु के बाहरी इलाके परप्पाना अग्रहारा के केंद्रीय कारागार में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। विशेष जांच दल (एसआईटी) के अधिकारियों ने प्रज्वल को उसके खिलाफ दर्ज चौथे यौन मामले के सिलसिले में अपनी हिरासत में लिया था। प्रज्वल के भाई जद (एस) एमएलसी सूरज रेवन्ना को भी जद (एस) पुरुष कार्यकर्ताओं द्वारा दर्ज किए गए जबरन अप्राकृतिक यौन संबंध के मामले में गिरफ्तार किया गया था और आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा उनकी जांच की जा रही है। उनके पिता एचडी रेवन्ना, जद (एस) विधायक, को जेल हुई और सशर्त जमानत पर रिहा कर दिया गया। सेक्स वीडियो स्कैंडल से जुड़े अपहरण के एक मामले में मां भवानी रेवन्ना भी सशर्त जमानत पर बाहर हैं।

अरुणाचल में लगातार बारिश से भूस्खलन, सड़क संपर्क टूटा

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के कई जिलों में लगातार बारिश से भूस्खलन के बाद सड़कों से संपर्क टूट गया है। पश्चिम सियांग जिले के आलो से शियोमी जिले में मेचुखा तक की एक प्रमुख सड़क रोइंग और पेने गांव के बीच क्षतिग्रस्त हो गई। शियोमी जिला सूचना और जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। सीमा सड़क संगठन ने सड़क से मलबा हटाने का काम शुरु कर दिया है और मशीनों की मदद ली जा रही। यदि मौसम सही रहा तो शनिवार शाम तक हल्के मोटर वाहनों के लिए सड़क को खोल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सियांग जिले के तारक गांव के पास पासीघाट-पंगिन-आलो सड़क भी क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसके चलते कई वाहन फंस गए हैं। ईटानगर में जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय राजमार्ग-415 के किनारे अवैध निर्माण के खिलाफ एक अभियान चलाया है। इन अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया है जो नालियों को अवरुद्ध कर रहे थे।

बिजली गिरने से महिला समेत चार की मौत, मवेशी भी हुए शिकार

फतेहपुर। यूपी के फतेहपुर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। वहीं चार बकरियां भी इसका शिकार हुई हैं। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक किशनपुर थाना क्षेत्र के झुरहापुर मजरे गढ़ा गांव निवासी रामकृपाल की पत्नी कैरी देवी (50) बकरियां को चराने गई थी। इस दौरान अचानक तेज हवाओं के साथ बारिश होने लगी। बारिश से बचने महिला पेड़ के नीचे छिप गई, तभी गरज और चमक के साथ उस पर बिजली गिर गई। इस हादसे में महिला की झुलसने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं खेतों में चर रहीं चार बकरियां भी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। उधर, गाजीपुर थाना क्षेत्र के देवलान गांव निवासी कैलाश पुत्र रामपाल (48) और 42 वर्षीय सीताराम अपने-अपने मवेशियों को लेकर चराने जंगल गए थे। इस बीच आकाशीय बिजली गिरने से दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। एक साथ दो मौतों से परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं गांव में मातम छा गया। इसी तरह सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के अस्तुपुर गांव में अचानक बारिश के बीच गाज गिरने से एक 16 वर्षीय किशोरी की भी मौत हो गई। बिजली के कहर के शिकार इन सभी शवों को संबंधित थाना क्षेत्रों की पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दिल्ली ही नहीं अन्य देशों में भी हुए हवाई अड्डों पर छत गिरने के हादसे

नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल एक की छत गिरने से एक शख्स की मौत और लगभग आठ लोगों के घायल हो गए। ऐसे खतरनाक और दुखदायी हादसे भारत ही नहीं, दुनिया भर में हुए हैं। जर्मनी के कोलोन बॉन हवाई अड्डे पर टर्मिनल पर 25 दिसंबर 2008 में हुई घटना याद करके रुह कांप जाती है। एक भयानक हादसे में जहां टर्मिनल 25 की छत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। भारी बर्फबारी के कारण यह हुआ। टर्मिनल हाल ही में बनाया गया था और इसके डिजाइन में स्पष्ट रूप से भारी बर्फ जमा होने के वजन को ध्यान में नहीं रखा गया था। भारी बर्फबारी के कारण ऐसा हुआ। राहत की बात यह रही ?कि हवाईअड्डा खुलने से पहले सुबह-सुबह यह हादसा हुआ, वरना कई लोगों की जान जाने का खतरा था।

स्टॉलिन ने पीएम समेत 8 सीएम को लिखा पत्र बोले- हर हाल में बंद हो नीट परीक्षा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को एक बार फिर केंद्र सरकार से राज्य को मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा से छूट देने और राष्ट्रीय स्तर पर इस परीक्षा को समाप्त करने की मांग की है। तमिलनाडु को नीट से छूट देने के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए चयन प्रक्रिया केवल 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर होनी चाहिए न कि इसके लिए अलग से प्रवेश परीक्षा कराई जानी चाहिए क्योंकि इससे छात्रों पर अधिक तनाव पड़ता है।

इसके साथ ही स्टालिन ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लिखे पत्र में कहा, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट-यूजी की परीक्षा में अनियमितताओं की हालिया घटनाओं ने देश में मेडिकल कोर्स करने के इच्छुक कई मेहनती उम्मीदवारों के सपनों को चकनाचूर कर दिया है। यह व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्र के गरीब युवाओं को मेडिकल में स्नातक करने के सपने पूरे करने से भी वंचित कर रही है। इसके अलावा दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, पंजाब, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को लिखे अलग-अलग पत्रों में स्टालिन ने उनसे अनुरोध किया कि वे अपनी-अपनी विधानसभाओं में नीट परीक्षा को समाप्त करने के लिए इसी तरह का प्रस्ताव पारित करने पर विचार करें। उन्होंने लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी पत्र लिखकर तमिलनाडु को नीट परीक्षा से छूट देने की मांग पर उनका समर्थन मांगा है।

राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार

स्टालिन ने अपने पत्र में कहा, हमने तमिलनाडु में नीट परीक्षा न कराने और 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्रदान करने के लिए अपनी विधानसभा में सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया था। इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया है, लेकिन अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु विधानसभा ने उपरोक्त बताई गई मांग के संबंध में आज विधानसभा में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें केंद्र सरकार से आग्रह किया गया कि वह तमिलनाडु को नीट से छूट देने के लिए विधेयक पर अपनी सहमति जताए और राष्ट्रीय स्तर पर इस चयन प्रक्रिया को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम में संशोधन करे।

सोरेन, केजरीवाल बेकसूर... मोदी और शाह के इशारे पर परेशान किया जा रहा : संजय राउत

मुंबई। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर शिवसेना यूबीटी के राज्य सभा सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर बड़ा हमला बोला है। राउत ने कहा कि कोर्ट में ईडी सबूत नहीं दे पा रही है। इस देश की एजेंसी मोदी और शाह की प्राइवेट एजेंसी बन गई है। उनके इशारे पर जांच होती है। राउत ने कहा कि हेमंत सोरेन के मामले में यही हुआ है। केजरीवाल भी निर्दोष हैं। राउत ने अपने मामले का जिक्र कर कहा कि अनिल देशमुख भी निर्दोष है। इसकारण कोर्ट भी मान रही है कि ईडी की कार्रवाई परेशान करने के लिए हैं। इतना ही नहीं सांसद राउत कहा कि दिल्ली सरकार में मंत्री रहे सत्येंद्र जैन भी निर्दोष हैं। राउत ने कहा कि ईडी और सीबीआई ने 10 साल में जितने भी नेताओं को गिरफ्तार किया है, उनके खिलाफ एजेंसियों को कोई सबूत नहीं मिले हैं। मैं इसका उदाहरण हूं। अनिल देशमुख के खिलाफ कोई सबूत नहीं है, केजरीवाल जी को पकड़ा है, कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है, आप उन्हें परेशान कर रहे हैं। सोरेन के बारे में भी यही कहा है। इस देश की एजेंसी मोदी-शाह की प्राइवेट एजेंसी बन गई है। हेमंत सोरेन बेकसूर थे।

कांग्रेस का आरोप, क्या नकल, कोचिंग और शिक्षा माफिया को बचाना चाहती है मोदी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक और एनडीए सरकार के बीच नीट विवाद को लेकर तीखी नोकझोंक देखने में मिली। इस पर कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा के लोग सदन की मर्यादा का पालन नहीं कर रहे हैं। लोकसभा में नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए सभी विधायी गतिविधियों को स्थगित करने की कांग्रेस की मांग के कारण सदन में हंगामा हुआ, जिसके कारण स्पीकर ओम बिरला को कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि भाजपा के लोग सदन की मर्यादा का पालन नहीं कर रहे हैं। अगर राहुल गांधी नीट पर एनडीए सरकार के सहयोग की बात करते हैं, तो क्या ये अराजकता है, क्या उनका माइक बंद किया जाना चाहिए। 24 लाख बच्चों के भविष्य की बात है। करोड़ों परिवार उनके साथ जुड़े हैं।

उन्होंने कहा कि क्या मोदी सरकार नकल, कोचिंग और शिक्षा माफिया को बचाना चाहती है। क्या संसद में नीट का मुद्दा उठाना गलत है। छात्रों की आवाज उठाना क्या गलत है। अगर ये अराजकता हैं, तब राहुल गांधी इस तरह की अराजकता बार-बार करने वाले है। कांग्रेस नेता राजपूत ने कहा, सत्ता पक्ष को समझना चाहिए कि अराजकता क्या होती है। अराजकता माइक बंद करना है। अराजकता अभिमान से बात करना है और प्रतिपक्ष को सम्मान न देना है। अराजकता नीट के बच्चों के साथ खिलवाड़ करना है।

भाजपा सांसद डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी की ओर से नेहरू के मुकाबले पीएम मोदी को अतुलनीय पीएम बताने पर राजपूत ने कहा कि सुधांशु पीएम मोदी की चाटुकारिता नहीं करेंगे, तब किसी की करेंगे। वे मोदी जी की कृपा पर हैं, यही लोकतंत्र का दुर्भाग्य है। अगर आप ऐसी बातें करते हैं, तब योग्यता के दम पर नहीं, चाटुकारिता से राज्यसभा की सीट पाते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, नेहरू ने देश को स्वावलंबी बनाया। उन्होंने आईआईटी की स्थापना की। इसरो की स्थापना की। तमाम पीएसयू बनाए। किस बात की तुलना कर रहे हैं। नेहरू ने देश के संसाधन बनाए और पीएम मोदी ने इन संसाधन को बेचा। ओपी राजभर का वीडियो सामने आने के बाद राजपूत ने कहा कि उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त कर जेल में डालना चाहिए। अगर योगी सरकार ऐसा नहीं करती हैं, तब ये माना जाएगा कि सरकार भी इसमें शामिल है।

नीतीश का ऐलान, अब हमेशा एनडीए गठबंधन का रहेंगे हिस्सा

-जेडीयू ने सांसद संजय झा को बनाया पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष

पटना (एजेंसी)। बिहार में सत्तारुढ़ गठबंधन का नेतृत्व कर रहे जनता दल युनाइटेड ने आज अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में अहम फैसले लिए। बिहार के सीएम और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि सांसद संजय झा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष होंगे। इसके अलावा पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के समक्ष नीतीश कुमार ने ऐलान किया कि वह अब हमेशा एनडीए गठबंधन का हिस्सा रहेंगे।

माना जा रहा है कि नीतीश के इस ऐलान से उन अटकलों पर विराम लग गया है जिसमें दावा किया जा रहा था कि वह दोबारा इंडिया गठबंधन में लौटने की राह तलाश रहे हैं। बैठक के बाद पार्टी प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सामने घोषणा की है कि अब वे हमेशा एनडीए गठबंधन का हिस्सा रहेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार हाईकोर्ट द्वारा रोके गए आरक्षण को लेकर हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

उन्होंने यह कहा कि राज्यसभा सांसद संजय झा को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी का अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी ने बिहार को विशेष दर्जा या विशेष वित्तीय पैकेज देने की केंद्र सरकार से मांग की है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जद (यू) ने पेपर लीक मामले के आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए संसद में कठोर कानून बनाने की भी मांग की है।

बता दें कि दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के सभी सांसद, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, रामनाथ ठाकुर बिहार और अन्य राज्यों के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस बैठक में हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों के विश्लेषण के साथ ही 2025 में होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई।

राजस्थान के कारोबारी का चीन में अपहरण....फिर मर्डर

-किडनैपर्स ने 1 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी

जालौर (एजेंसी)। राजस्थान के जालौर जिले के बिजनेसमैन का चीन में अपहरण हुआ है। किडनैपर्स ने बिजनेसमैन को छोड़ने की एवज में 1 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। फिरौती की रकम नहीं मिलने पर उसकी हत्या कर दी गई। चीन में हत्या का शिकार का हुआ यह बिजनेसमैन मुंबई में मोबाइल का कारोबार करता था। इसकारण बिजनेस के सिलसिले में चीन आता-जाता रहता था। अब परिजन उसके शव को भारत लाए जाने का इंतजार कर रहे हैं। इसके लिए वे जालौर-सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी से संपर्क कर विदेश मंत्रालय के माध्यम से कानूनी प्रक्रिया में जुटे हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार कारोबारी की हत्या की यह वारदात आठ दिन पहले हुई थी। हत्या का शिकार हुआ कारोबारी सतीश कुमार (26) मुंबई में मोबाइल का कारोबार करता था। उसका परिवार भीनमाल में कृषि फार्म में रहता है। सतीश चीन से सामान खरीदकर मुंबई में होलसेल में दुकानदारों को बेचता था। इसके लिए उसका महीने या दो महीने चीन आना जाना लगा रहता था। वह जून के महीने में भी चीन गया था। वहां बीते 21 जून को उसका अपहरण कर लिया गया।

सतीश के परिजनों के मुताबिक किडनैपर्स ने उससे 1 करोड़ रुपये की फिरौती डिमांड की। 24 जून तक सतीश कुमार का मोबाइल चालू था। वह परिजनों को खुद के अपहरण और अपहरणकर्ताओं की मांग के बारे में बता रहा था। फिरौती की रकम मुंबई के एक व्यापारी को तक पहुंचाने के लिए कहा गया था। उसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। 24 जून को उसके भाई के मोबाइल पर सूचना दी गई की सतीश कुमार नाम के शख्स की चीन के ग्वांगजो सिटी में लाश मिली है। यह सुनकर सतीश के परिवार में कोहराम मच गया। सतीश कुमार के तीन रिश्तेदार चीन जाने के दिल्ली पहुंच गए। वहां उन्होंने सांसद चौधरी से उनके आवास पर मुलाकात कर घटना के बारे में बताया।

सांसद ने मामले को गंभीरता से लेकर तीनों रिश्तेदारों को चीन का वीजा आवेदन करवाकर विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से संपर्क साधा। विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र मेल कर चीन जाने का वीजा और बॉडी भारत लाने के लिए कानूनी प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की है। सतीश के परिजन मोहनलाल माली ने बताया कि सतीश कुमार के अपहरण और हत्या में चीन के साथ साथ कुछ भारतीय लोगों की मिलीभगत की आशंका है।

कमर तोड़ मंहगाई में लोगों के मुंह से निवाला छीन रही एनडीए सरकार : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि मोदी सरकार का महंगाई पर कोई भी नियंत्रण नहीं रह गया है। एक साल में खाद्य पदार्थों की कीमतों में तीन गुणा बढ़ोतरी से साफ है कि मोदी सरकार जनता के मुंह से निवाला छीन रही है। महीने भर में सिर्फ खान-पान पर आम भारतीय परिवार का खर्च 16400 रुपए तक पहुंचना बेहद डरावने वाला है। कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा ने कहा कि देश में रोजमर्रा जरूरत की चीजों के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स मई 2024 में 8.69 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो मई 2023 में 2.91 प्रतिशत पर था। वहीं बीते साल की तुलना में खाद्य तेल के दाम 30 प्रतिशत और दालों के दाम औसतन 20 प्रतिशत अधिक हैं।

सांसद सैलेजा ने कहा कि घर खर्च में करीब 24 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले किराने के सामान के दाम भी आसमान छू रहे हैं। बीते दो महीने में ही साबुन, हेयर ऑयल जैसी रोजमर्रा की चीजों के दाम 02-17 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। जबकि, रूटीन में प्रयोग होने वाले दूध, डेयरी प्रोडक्ट व सब्जियों के दाम तेजी से बढ़े हैं ही, इसमें अभी और बढ़ोतरी की प्रबल संभावना बनी हुई हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि रिपोर्ट से पता चलता है कि अप्रैल-जून तिमाही में टमाटर 37.6 प्रतिशत, प्याज 89.4 प्रतिशत और आलू के दाम में 81.1 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। जबकि, एक अन्य रिपोर्ट बताती है कि जनवरी-मार्च के तीन महीनों में लोगों को ग्रॉसरी (किराना, सब्जी, दूध, अंडे, ब्रेड, पनीर आदि) पर 49418 रुपए खर्च करने पड़े हैं। यानी, हर महीने एक आम भारतीय परिवार किराने पर 16400 रुपए से अधिक खर्च करने को मजबूर हैं।

सांसद ने कहा कि इतने भारी भरकम मासिक खर्च की मजबूरी के सामने एक आम परिवार बेबस हैं, जिनकी महीने की कमाई ही 15 हजार रुपए तक है। बढ़ती महंगाई से उनके सामने परिवार चलाने का संकट खड़ा होने लगा है। परिवार के परिवार जान दे रहे हैं और इस तरह की खबरें अखबारों में अक्सर सुर्खियां बन रही हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि केंद्र सरकार को सख्त से सख्त कदम उठाकर महंगाई पर अंकुश लगाना चाहिए। देश की जनता का भूखी न रहे, इस तरह के इंतजाम करने चाहिए। वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि का क्रम इतना तीव्र है कि व्यक्ति जब फिर से उसी चीज को दोबारा खरीदने जाता है, तब वस्तु का मूल्य पहले से अधिक हो चुका होता है।

बम बम भोले के जयकारे के साथ शुरु अमरनाथ यात्रा.....पहले जत्थे ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

-यात्रियों की सुरक्षा में 2 लाख से ज्यादा सैनिक तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के लिए निकला तीर्थयात्रियों का पहला जत्था पवित्र गुफा तक पहुंच गया है। बाबा बर्फानी के दर्शन भी हो गए हैं। अमरनाथ यात्रा के शुरु होते ही बम बम भोले के जयकारे पहलगाम और बालटाल में सुनाई दे रहे है। इस यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों का पहला जत्था शुक्रवार को कश्मीर पहुंचा था।

भोलेनाथ के भक्तों का पहला जत्था अमरनाथ पहुंच चुका है और उन्हें भगवान शिव के दर्शन भी मिल चुके हैं। बाबा बर्फानी की इस साल की पहली तस्वीरें भी सामने आई हैं। इन तस्वीरों में भक्तों को भोलेनाथ के दर्शन करते देखा जा सकता है। वहीं, बड़ी संख्या में यात्री रास्ते में हैं और दर्शन के लिए अमरनाथ गुफा की ओर बढ़ रहे हैं।

पवित्र अमरनाथ यात्रा के लिए यात्रियों का पहला जत्था शुक्रवार सुबह रवाना कर दिया गया था। यात्रियों का पहला जत्था जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास से सुबह 4 बजे पहलगाम और बालटाल के लिए रवाना हुआ था। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू से झंडा दिखाकर तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना किया। इसके पहले एलजी मनोज सिन्हा ने मंदिर में पूजा-अर्चना भी की थी।

मौसम विभाग ने 28 जून से 10 जुलाई तक बारिश की संभावना जाहिर की है। इसके बाद पूरे आसार हैं कि पहले सप्ताह यात्रा बारिश के बीच जारी रहेगी। 14 हजार 500 फुट की ऊंचाई पर बाबा बर्फानी की गुफा तक पहुंचने के दो रास्ते हैं। तीर्थयात्रियों की सेवा के लिए पूरे रास्ते में 135 से ज्यादा लंगर सेवा के लिए लगाए गए हैं।

2 लाख से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात

यात्रा पर आतंकी हमले के खतरे को देखकर 2 लाख से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। हर रोज 15 हजार यात्रियों को बाबा बर्फानी के दर्शन करने की अनुमति है। यह यात्रा श्रावण पूर्णिमा यानी राखी पूर्णिमा तक चलेगी। यात्रा को ध्यान में रखते हुए महादेव के दरबार को काफी अच्छे से सजाया गया है। यात्रियों को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो, इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। यात्रियों के खाने-पीने से लेकर अन्य सभी सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। बेस कैंप पर यात्रियों के लिए बिस्तर से लेकर उनकी सुरक्षा की भी पूरी तैयारी की गई।

भारत के आधे लोग आलसी, शारीरिक मेहनत करने में नहीं है रुचि

-एक रिपोर्ट में हुआ खुलासा, कोई मधुमेह तो कोई मोटापे से है परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत जहां लोग मेहनत के लिए जाने जाते हैं भारत में कई क्षेत्रों में लोगों ने अपनी मेहनत से बड़े बड़े कामों को अंजाम दिया है। पहाडों को खोद का रास्ता बनाया कहीं पथरीली जमीन खोद पानी निकाला है। वहीं एक रिपोर्ट में सामने आई है। जिसमें भारत के लोगों को शारीरिक श्रम करने में काफी आलसी बताया गया है। एक अध्ययन के मुताबिक 2022 में भारत में करीब 50 फीसदी लोग अपर्याप्त स्तर की शारीरिक श्रम करते हैं। अध्ययन में पाया गया कि भारत में पुरुष 42 फीसदी की तुलना में महिलाएं 57 फीसदी कम शारीरिक काम करती हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि महिलाओं में शारीरिक काम करने का अपर्याप्त स्तर पुरुषों की तुलना में औसतन 14 फीसदी ज्यादा है। डब्ल्यूएचओ समेत शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने कहा कि दक्षिण एशियाई क्षेत्र वयस्कों के अपर्याप्त रूप से शारीरिक रूप से सक्रिय होने के मामले में उच्च आय वाले एशिया प्रशांत इलाके के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि वैश्विक स्तर पर करीब एक तिहाई लोग 31.3 फीसदी शारीरिक श्रम नहीं करते। ये आंकड़ा 2010 के मुकाबले और बढ़ गया है। तब दुनिया में अपर्याप्त रूप से शारीरिक काम करने वाले 26.4 फीसदी लोग थे, जो अब पांच फीसदी ज्यादा हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि भारत में साल 2000 में 22 फीसदी से थोड़ा ज्यादा वयस्क अपर्याप्त शारीरिक श्रम करने में संलग्न थे, जबकि 2010 में करीब 34 फीसदी वयस्क अपर्याप्त रूप से शारीरिक रूप से सक्रिय थे। उन्होंने अनुमान लगाया कि यदि वर्तमान रुझान जारी रहे, तो 2030 में 60 फीसदी वयस्क अपर्याप्त रूप से शारीरिक श्रम करने वालों में जुड़े हो सकते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च-इंडिया डायबिटीज के एक अध्ययन में पाया गया है कि 2021 में भारत में 101 मिलियन लोग मधुमेह बीमारी से पीड़ित थे और उसी साल करीब 315 मिलियन लोगों को हाई बीपी था। अध्ययन के मुताबिक इसके अलावा 254 मिलियन लोग मोटापे से ग्रस्त हैं और 185 मिलियन लोगों में एलडीएल या खराब कोलेस्ट्रॉल से ग्रस्त हैं।